THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 234 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक पूर्णिमा, 2079 मंगलवार, 8 नवंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत-पाक विभाजन रद्द हो या मुस्लिम पाक जाएं : अविमुक्तेश्वरानंद

जबलपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद द्वारा घोषित उत्तराधिकारी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने भारत-पाकिस्तान विभाजन को रद्द करने की पैरवी करते हुए कहा कि यदि भारत और पाकिस्तान के विभाजन को स्वीकार किया गया है तो फिर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाना चाहिए, क्योंकि भारत और पाकिस्तान का विभाजन ही धर्म के आधार पर हुआ था। अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए विभाजन को रद्द करने के पक्ष में अपना तर्क रखते हुए कहा, अखंड भारत के लोगों के मन में सदा से यह पीड़ा रही है। रामराज्य परिषद, करपात्री महाराज और हमारे गुरु जी के मन में हमेशा से यह पीड़ा थी कि भारत के दो टुकड़े हो गए।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण जारी रहेगा

सीजेआई और जस्टिस भट्ट सहमत नहीं, 3 जजों की नजर में सही

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुहर लगा दी। इस फैसले का फायदा सामान्य वर्ग के लोगों को शिक्षा और सरकारी नौकरी में मिलेगा।

5 न्यायाधीशों में से 3 ने इकोनॉमिकली वीकर सेक्शंस (ईडब्ल्यूएस) रिजर्वेशन पर सरकार के फैसले को संवैधानिक ढांचे का उल्लंघन नहीं माना। यानी अब यह आरक्षण जारी रहेगा।

पेच कहां फंसा था :

दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए सरकार ने सामान्य वर्ग के लोगों को आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इसके लिए संविधान में 103वां संशोधन किया था। कानूनन, आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अभी देशभर में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को जो आरक्षण मिलता है, वो 50 प्रतिशत सीमा के भीतर ही है। केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई थीं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 27 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रखा था।

सुप्रीम कोर्ट ने आज क्या फैसला लिया :

सीजेआई यूयू ललित, जस्टिस बेला त्रिवेदी, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस रवींद्र भट्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस और जस्टिस भट्ट ने ईडब्ल्यूएस के खिलाफ रहे, जबकि जस्टिस माहेश्वरी, जस्टिस त्रिवेदी और जस्टिस जेबी पारदीवाला ने पक्ष में फैसला सुनाया।

ईडब्ल्यूएस के पक्ष में 3 जजों के फैसले :

1. जस्टिस दिनेश माहेश्वरी : केवल आर्थिक आधार पर दिया जाने वाला आरक्षण संविधान के मूल ढांचे और समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है। आरक्षण 50 प्रतिशत तय सीमा के आधार पर भी ईडब्ल्यूएस आरक्षण मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है, क्योंकि 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा अपरिवर्तनशील नहीं है।

2. जस्टिस बेला त्रिवेदी : मैं जस्टिस दिनेश माहेश्वरी से सहमत हूं और यह मानती हूं कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है और न ही यह किसी तरह का पक्षपात है। यह बदलाव आर्थिक रूप से कमजोर तबके को मदद पहुंचाने के तौर पर ही देखना जाना चाहिए। इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता है।

3. जस्टिस पारदीवाला : जस्टिस माहेश्वरी और जस्टिस बेला त्रिवेदी से सहमत होते समय मैं यहां कहना चाहता हूं कि आरक्षण की अंत नहीं है। इसे अनंतकाल तक जारी नहीं रहना चाहिए, वरना यह निजी स्वार्थ में तब्दील हो जाएगा। आरक्षण सामाजिक और आर्थिक असमानता खत्म करने के लिए है। यह अभियान 7 दशक पहले शुरू हुआ था। डेवलपमेंट और एजुकेशन ने इस खाई को कम करने का काम किया है।

विरोध में दो जजों ने फैसला सुनाया

1. जस्टिस रवींद्र भट्ट : आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी झेलने वालों को सरकार आरक्षण दे सकती है और ऐसे में आर्थिक आधार पर आरक्षण अवैध नहीं है। लेकिन इसमें से एससी-एसटी और ओबीसी को बाहर किया जाना असंवैधानिक है। मैं यहां विवेकानंदजी की बात याद दिलाना चाहूंगा कि भाईचारे का मकसद समाज के हर सदस्य की चेतना को जगाना है। ऐसी प्रगति बंटवारे से नहीं, बल्कि एकता से हासिल की जा सकती है। ऐसे में ईडब्ल्यूएस आरक्षण केवल भेदभाव और पक्षपात है। ये समानता की भावना को खत्म करता है। ऐसे में मैं ईडब्ल्यूएस आरक्षण को गलत ठहराता हूं।

2. चीफ जस्टिस यूयू ललित : मैं जस्टिस रवींद्र भट्ट के विचारों से पूरी तरह से सहमत हूं। >14

सीजेआई ललित का सुप्रीम कोर्ट में आज आखिरी दिन

6 बड़े मुद्दों पर सुनाएंगे फैसला, जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ बनेंगे 50वें सीजेआई

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस यूयू ललित का कार्यकाल आज (8 नवंबर को) पूरा हो रहा है। कार्यकाल के आखिरी दिन वे ईडब्ल्यूएस कोटा केस में फैसला सुनाएंगे। सीजेआई ललित फैसला सुनाने वाली 5 जजों की कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच के अध्यक्ष होंगे। इस बेंच में उनके साथ जस्टिस चंद्रचूड़ भी शामिल होंगे, जिन्हें 50वें सीजेआई के तौर पर 10 नवंबर से कार्यभार संभालना है। वे 9 नवंबर को शपथ लेंगे। सुप्रीम कोर्ट के दूसरे सबसे सीनियर जज जस्टिस ललित महज 74 दिनों के लिए ही सीजेआई बने। 8 नवंबर को रिटायर हो रहे सीजेआई ललित ने जून 1983 में एक एडवोकेट के रूप में नामांकन किया। उन्होंने दिसंबर 1985 तक बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की, फिर जनवरी 1986 में प्रैक्टिस को दिल्ली ट्रांसफर कर दिया। उन्हें अप्रैल 2004 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से सीनियर एडवोकेट के रूप में नॉमिनेट किया गया। >14

दिल्ली के डिप्टी सीएम का करीबी सरकारी गवाह बना, कोर्ट से मिल चुकी है बेल

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, मामले में सिसोदिया का एक सहयोगी सरकारी गवाह बन गया है। पिछले हफ्ते दिल्ली की एक अदालत से बिजनेसमैन दिनेश अरोड़ा को बेल भी मिल गई थी, जिसका सीबीआई ने विरोध नहीं किया था।

सोमवार को सीबीआई ने कोर्ट में एक याचिका दायर कर बताया कि अरोड़ा शराब घोटाला केस में सिसोदिया के खिलाफ सरकारी गवाह बन गए हैं। जांच एजेंसी ने बताया कि अरोड़ा ने हमें केस से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां मुहैया करवाई हैं। वे हमें पूरा सहयोग कर रहे हैं।

कौन है सिसोदिया का करीबी दिनेश अरोड़ा?

दिल्ली शराब घोटाला केस में सीबीआई ने 17 अगस्त को एफआईआर दर्ज की थी। एफआईआर के मुताबिक, बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम के डायरेक्टर अमित अरोरा, दिनेश अरोरा और अर्जुन पांडे सिसोदिया के करीबी थे। ये लोग शराब लाइसेंसियों से आर्थिक फायदा लेकर उसे आरोपी पुलिस अफसरों तक डायवर्ट करने में शामिल थे। सीबीआई ने यह आरोप भी लगाया कि राधा इंडस्ट्रीज के दिनेश अरोरा ने इंडोस्पिरिट्स के समीर महेंद्रु से एक करोड़ रुपये लिए थे। >14

कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष का विवादित बयान कहा हिंदू शब्द का मतलब जानकर शर्म आ जाएगी

बेंगलुरू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हिंदू शब्द को लेकर कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी राज्य अध्यक्ष सतीश जरकीहोली ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा है कि अगर आपको हिंदू शब्द के मायने पता चलेंगे तो आपको शर्म आ जाएगी।

इसका मतलब बहुत गंदा होता है। उन्होंने हिंदी में अपने भाषण के दौरान ये बातें कहीं। वहीं, उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। कर्नाटक के बेलगावी जिले के निप्पान्नी इलाके में रविवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए सतीश जारकीहोली ने हिंदू शब्द की उत्पत्ति पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू शब्द भारत का नहीं है। यह आपका कैसे हो गया हिंदू? इस पर चर्चा होनी चाहिए। मानव बंधुत्व संगठन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बोलते हुए सतीश जारकीहोली ने कहा कि इसे जबरन हम पर थोपा जा रहा है। हिंदी में दिए अपने भाषण में उन्होंने कहा कि हिंदू शब्द का मतलब बहुत ही

गंदा है। उन्होंने कहा कि यह फारसी का शब्द है। उनका यह वीडियो वायरल हो गया है। जिसके बाद वे राजनीतिक दलों खासकर भाजपा के निशाने पर आ गए हैं।

ठग सुकेश चंद्रशेखर का एलजी को तीसरा लेटर

लिखा मेरी जान को खतरा, सत्येंद्र जैन और डीजी से मिल रही धमकी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने फिर लेफ्टिनेंट गवर्नर वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। उसने दावा किया है कि मंत्री सत्येंद्र जैन और जेल डीजी संदीप गोयल की तरफ से उसे धमकी मिल रही है। जेल में उसकी जान को खतरा है। सुकेश ने एलजी को ये तीसरी चिट्ठी लिखी है। इसमें आम आदमा पार्टी और उसके बीच लेनदेन की पूरी जानकारी भी बताई है। साथ ही एलजी से मामले में सीबीआई जांच की मांग की है।

सुकेश की दूसरी चिट्ठी :

मंडोली जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने मीडिया के नाम एक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उसने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे। 3 पन्नों की चिट्ठी में सुकेश ने लिखा था, मैं अगर ठग हूं तो केजरीवाल महाठग हैं। उन्होंने राज्यसभा सीट के बदले मुझसे 50 करोड़ रुपये मांगे थे, जो मैंने दिए।

सुकेश ने लेटर में लिखा था, 2016 में एक डिनर पार्टी में अरविंद केजरीवाल भी आए थे। उनके निर्देश पर मैंने कैलाश गहलोत को असोला के एक फॉर्म हाउस पर जाकर 50 करोड़ रुपये दिए थे। बता दें कि कैलाश फिलहाल केजरीवाल सरकार में परिवहन मंत्री हैं। सुकेश ने कहा है कि जो भी जानकारी दी गई है, वह सच है और इसकी जांच कराई जा सकती है।

सुकेश की एलजी को तीसरी चिट्ठी

पहले भी सुकेश चंद्रशेखर ने लेफ्टिनेंट गवर्नर को चिट्ठी लिख आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को लेकर बड़ा दावा किया था। सुकेश ने कहा कि जेल में सुरक्षा और सहूलियत के नाम पर जैन ने 10 करोड़ रुपये वसूले थे। ये रकम उनके एक करीबी के जरिए ली गई थी। सुकेश ने दावा किया था कि उसने आप को भी 50 करोड़ रुपये दिए थे और बदले में पार्टी ने दक्षिण भारत में जिम्मेदारी सौंपने का वादा किया था।

सिसोदिया बोले, हार से डरी भाजपा, ठग का इस्तेमाल कर रही :

सुकेश के आरोप के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया का रिएक्शन सामने आया था। सिसोदिया ने कहा था, एमसीडी और गुजरात में बुरी तरह हार के डर से बीजेपी ने तिहाड़ में बंद एक ठग से डील की है।

वो रोज केजरीवाल के खिलाफ बेतुके आरोप लगाएगा और बदले में भाजपा उसके केस में उसे मदद करेगी। मैंने सुना है अगले हफ्ते उसे नड्डा भाजपा में शामिल करवाएंगे।

कौन है सुकेश चंद्रशेखर?

सुकेश चंद्रशेखर कर्नाटक के बेंगलुरू का रहने वाला है। कहा जाता है कि उसने लैविश लाइफस्टाइल जीने के लिए 17 साल की उम्र से ही लोगों को ठगना शुरू कर दिया था। बेंगलुरू में ठगी करने के बाद उसने चेन्नई और दूसरे शहरों में भी लोगों को निशाना बनाया। उसके निशाने पर टॉप पॉलिटिशियन, बिजनेसमैन से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटीज रहे हैं।

भारतीय समुद्री सीमा में नहीं घुस पाएगा जासूसी जहाज वांग-6

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना चीन के जासूसी जहाज युआन वांग-6 को देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन ईईजेड में नहीं घुसने देगी। यह जोन समुद्र में 200 नॉटिकल माइल (समुद्री मील) तक फैला है। हालांकि, वॉरशिप सहित विदेशी जहाजों को ईईजेड में स्वतंत्र रूप से सेलिंग कर सकते हैं, लेकिन इस जोन में भारतीय कानून के तहत किसी देश का बिना परमिशन सर्वे, रिसर्च बैन है।

युआन वांग-6 चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) का एक जासूसी जहाज है, जिसे ओडिशा तट से एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से भारत के मिसाइल टेस्ट को ट्रैक करने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में भेजा गया है। हालांकि, चीन ने वांग-6 को ऑफिशियली एक रिसर्च और सर्वे करने जहाज के तौर रजिस्टर्ड किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक बने अरुण कुमार जैन

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के अरुण कुमार जैन महाप्रबंधक नियुक्त किए गए हैं। श्री जैन को सोमवार को कैबिनेट की नियुक्ति समिति, भारत सरकार के आदेश का पालन करते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत और तैनात किया गया है। वे भारतीय रेलवे सेवा सिग्नल इंजीनियर्स (आईआरएसएसई) के 1986 बैच के अधिकारी हैं। दक्षिण मध्य रेलवे में, उन्होंने हैदराबाद मंडल के महाप्रबंधक (प्रभारी), अतिरिक्त महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर और मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के रूप में काम किया। डीआरएम के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और डिवीजन ने सुरक्षा और परिवर्तन सहित विभिन्न क्षेत्रों में चार

प्रदर्शन दक्षता शील्ड प्राप्त की। उन्होंने इनसीड, सिंगापुर, आईसीएलआईएफ, मलेशिया, आईएसबी, हैदराबाद, एसडीए बोकोनी, मिलान, आईएसबी, मोहाली में प्रबंधन प्रशिक्षण प्राप्त किया है। श्री जैन ने गोरखपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने भारतीय रेलवे में सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में अपना करियर शुरू किया। तीन दशकों से अधिक की सेवा में दौरान मध्य, उत्तर मध्य और दक्षिण मध्य रेलवे में कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) में भी काम किया है, जहां वे डिजिटल एक्सल काउंटर, सॉलिड स्टेट ब्लॉक, ट्रेन प्रोटेक्शन एंड वार्निंग सिस्टम (टीपीडब्ल्यूएस), ट्रेन कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम (टीसीएएस) जैसे एडवांस सिग्नलिंग सिस्टम विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में मुख्य सतर्कता अधिकारी और समूह महाप्रबंधक के रूप में भी काम किया है। महाप्रबंधक (प्रभारी), दक्षिण मध्य रेलवे के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, क्षेत्र ने सिकंदराबाद मंडल, कोंडापल्ली-विजयवाड़ा में सिकंदराबाद-काजीपेट-बल्हारशाह, काजीपेट-कोंडापल्ली खंडों में 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम अनुमेय गति प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है।

पीएम मोदी की गुजरात यात्रा

सामूहिक विवाह कार्यक्रम 'पापा की परी' में शामिल

वलसाड, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन की गुजरात यात्रा के तहत वलसाड जिले के नाना पोंढा पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित कर बीजेपी के चुनावी अभियान की शुरूआत की। इसके बाद शाम को भावनगर में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। इसमें आज 552 जोड़ों की शादी हुई। यहां उन लड़कियों की शादी करवाई गई, जिनके सिर से पिता का साया उठ चुका है। इसी के चलते इस विवाह कार्यक्रम को 'पापा की परी' नाम दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन की गुजरात यात्रा के तहत वलसाड जिले के नाना पोंढा पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, गुजरात में चुनाव की तारीख का ऐलान होने के बाद चुनाव प्रचार का यह मेरा पहला कार्यक्रम है। मेरी एबीसीडी ही ए फॉर आदिवासी से शुरू होती है और मुझे इस बात की खुशी है कि

मेरा पहला कार्यक्रम आदिवासियों भाई-बहनों के बीच ही रखा गया है। इसके लिए मैं बीजेपी नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं की बीजेपी इस चुनाव की शुरूआत आदिवासी भाईयों के आशीर्वाद से शुरू कर रही है।

आदिवासी बेटियां डॉक्टर-इंजीनियर बन रही हैं :

पीएम ने आगे कहा, दो दशक पहले की बात करें तो गुजरात कितना पिछड़ा था। राज्य में कई जगह न पानी था, न बिजली थी। इसके बाद गुजरात मे भयानक भूकंप भी आ गया। तब लोगों ने कहा था, गुजरात ने अब मौत की चादर ओढ़ ली है। लेकिन गुजरातियों ने हिम्मत नहीं हारी। एक होकर अपनी मेहनत के दम पर विकास के मामले में गुजरात को दुनिया के नक्शे में टॉप पर ला दिया है। गुजरात के विकास में आदिवासी भाई-बहनों ने दिन-रात एक कर दिए। गांवों के विकास के लिए सबसे ज्यादा काम आदिवासी भाई-बहनों ने ही किया है। इससे आज पूरे गुजरात का आदिवासी समाज विकास के रास्ते पर है। यहां की बेटियां, जो पहले स्कूल तक नहीं जाती थीं। आज वे डॉक्टर और इंजीनियर बन चुकी हैं।

गुजरात के किसान सेव उगा रहे हैं

पीएम ने आगे कहा कि कच्छ, बनासकांठा और पूरे उत्तर गुजरात के पानी की कितनी कमी थी। फसलों के लिए सिंचाई की बात तो दूर, पीने के लिए पानी तक नहीं मिलता था। लेकिन आज इन इलाकों में नर्मदा का पानी पहुंच चुका है। आज गुजरात के किसान गुजरात में सेव तक उगा रहे हैं।

पांच हिंदू नेताओं समेत छह को मिली बुलेट प्रूफ जैकेट

सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गई

लुधियाना (पंजाब), 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुधीर सूरी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के बाद पंजाब के हिंदू नेताओं की सुरक्षा की समीक्षा पंजाब सरकार ने की है। समीक्षा के बाद लुधियाना के पांच हिंदू नेताओं के साथ-साथ कट्टरपंथियों के खिलाफ जमकर बयानबाजी करने वाले गुरसिमरन सिंह मंड की जान को अधिक खतरा माना गया है। सरकार ने इन सभी को बुलेट प्रूफ जैकेट दी है। इसके अलावा इनके सुरक्षा कर्मचारियों में भी बढ़ोतरी की गई है। शिवसेना पंजाब के राष्ट्रीय चेयरमैन राजीव टंडन, अमित अरोड़ा, योगेश बक्शी, नीरज भारद्वाज, हरकिरत खुराना के साथ-साथ गुरसिमरन सिंह मंड को बुलेट प्रूफ जैकेट दी गई है। जिला प्रशासन की तरफ से हिंदू नेता अमित अरोड़ा की सुरक्षा कर्मचारियों की संख्या को भी बढ़ाया गया है।

इमरान खान पर हुए हमले के बाद पाक सुप्रीम कोर्ट सख्त

24 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज करने का आदेश

इस्लामाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान पर जानलेवा हमले के मामले में 24 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज करने आदेश दिया है। कोर्ट ने पंजाब प्रांत के पुलिस महानिरीक्षक से अब तक एफआईआर दर्ज न किए जाने का कारण पूछा है। कोर्ट ने कहा है कि अगर 24 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो कोर्ट मामले को स्वतः संज्ञान लेगा।

इसके अलावा कोर्ट ने पंजाब पुलिस को कानून के मुताबिक काम करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि इस मामले में कोई भी पंजाब पुलिस के काम में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

बता दें, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन पर हुए हमले के बाद एफआईआर दर्ज न किए जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि अधिकारी तब तक मामला दर्ज करने से

इनकार कर रहे हैं, जब तक कि वह शिकायत से एक सेना जनरल का नाम नहीं हटा देते।

गठित हो सकता है अदालती आयोग :

वहीं, इमरान खान की हत्या के प्रयास मामले की जांच के लिए अदालती आयोग का गठन किया जा सकता है। इसकी सिफारिश खुद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल से पूर्ण अदालती आयोग के गठन की मांग की है। बता दें, हमले के दूसरे दिन इमरान खान ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल नसीर पर हत्या की साजिश रचे जाने का आरोप लगाया था। इसके बाद शहबाज शरीफ ने खुद पर लगे आरोपों की जांच के लिए मुख्य न्यायाधीश के अलावा वरिष्ठ न्यायाधीशों सहित एक पूर्ण अदालती आयोग के गठन की सिफारिश की है। शनिवार को एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि वह इस संबंध में आधिकारिक पत्र भी लिखेंगे।

प्रधान न्यायाधीश कर सकते हैं विचार :

मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आधिकारिक पत्र का इंतजार कर रहा है। वहीं प्रधान न्यायाधीश इस मुद्दे पर अन्य न्यायाधीशों से विचार विमर्श भी कर सकते हैं।

हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री प्रधान न्यायाधीश से आयोग के गठन की मांग नहीं कर सकते हैं। अदालती आयोग का अधिकार प्रधान न्यायाधीश का होता है।

बात दें, बीते दिनों पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमला किया गया था। यह हमला उस वक्त हुआ जब इमरान खान हकीकी आजादी मार्च निकाल रहे थे। इस दौरान दो बंदूकधारियों ने उन पर गोलियों की बौछार कर दी।

कल से खुलेंगे दिल्ली में सरकारी स्कूल

निजी तोड़फोड़ और निर्माण कार्य पर लगी रहेगी रोक

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एलान किया है कि 9 नवंबर से प्राइमरी स्कूल खोले जाएंगे और उसके ऊपर की कक्षाओं में ओपन एक्टिविटी पर लगे प्रतिबंध को भी हटाया जा रहा है। वहीं, निजी तोड़फोड़ और निर्माण कार्य पर रोक लगी रहेगी। बीएस-3 पट्रोल और बीएस-4 डीजल की गाड़ियों पर बैन जारी रहेगा। दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले दो दिनों से दिल्ली के अंदर प्रदूषण में तेजी के साथ सुधार देखा जा रहा है। दिल्ली में लगे फेज 4 के प्रतिबंधों को हटाया जा रहा है।

अंधेरी में दिखी उद्धव ठाकरे को रोशनी

मुश्किल वक्त में बूस्टर डोज; कैसे एकनाथ शिंदे को झटका

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अंधेरी पूर्व सीट पर हुए उपचुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट की उम्मीदवार रितुजा लटके ने शानदार जीत ने सियासी समीकरण बिगाड़ दिए हैं। इससे उद्धव ठाकरे मजबूत होकर उभरते दिख रहे हैं, जिन्हें एकनाथ शिंदे की बगावत के चलते कमजोर माना जा रहा था। इसके अलावा जीत का अंतर एकनाथ शिंदे गुट के लिए झटका माना जा रहा है। खासतौर पर बीएमसी चुनाव से पहले मुंबई में विस्तार के उनके सपनों को झटका लगेगा। इस उपचुनाव में रितुजा लटके को 66,530 वोट मिले थे। ये वोट 2019 में रमेश लटके को मिले वोट से ज्यादा हैं।

ऐसे में अंधेरी उपचुनाव उद्धव ठाकरे की उम्मीदों को परवान चढ़ाने वाला है, जो बीएमसी चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। अंधेरी उपचुनाव को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति को समझने वालों का कहना है कि नतीजे ने दिखाया है कि शिवसेना में विभाजन के बाद भी पार्टी में शाखाओं का नेटवर्क बरकरार है।

दिलचस्प बात यह है कि परिणाम से पता चलता है कि विधायक और बड़े नेता भले ही शिंदे समूह में चले गए हों, लेकिन मुंबई में सामान्य शिवसैनिक अभी भी उद्धव ठाकरे का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि कुछ एक्सपर्ट्स के मुताबिक महाविकास अघाड़ी ने यह उपचुनाव एक साथ लड़ा था, फिर भी रितुजा लटके को कांग्रेस और एनसीपी से कितने वोट मिले, इस पर अभी संशय बना हुआ है।

एनसीपी और कांग्रेस के वोट कितने ट्रांसफर, इस पर है संशय

इससे पहले दशहरे की रैली में भी शिवसेना के उद्धव और शिंदे गुटों ने शक्ति प्रदर्शन किया था। इस दौरान उद्धव ठाकरे की रैली में भी बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। तब कहा गया था कि विपक्ष में रहने और विभाजन के बाद भी जिस तरह से उद्धव की रैली में भीड़ जुटी है, उससे उनकी ताकत का अंदाजा लगा है। महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने घोषणा की थी कि वे अंधेरी उपचुनाव एक साथ लड़ेंगे। हालांकि, कांग्रेस और एनसीपी के कितने वोट लटके को ट्रांसफर किए गए, इसे लेकर संशय है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक अंधेरी उपचुनाव में रितुजा लटके को कांग्रेस और एनसीपी के वोट जरूर मिले हैं। 2019 के चुनाव में 53 फीसदी मतदान हुआ था। हालांकि उपचुनाव में सिर्फ 31.74 फीसदी वोटिंग हुई।

भाजपा ने खेला नोटा का खेल मिले 12 हजार से ज्यादा वोट

कम मतदान प्रतिशत के बावजूद रितुला लटके को रमेश लटके से ज्यादा वोट मिले हैं। इस संभावना को मानकर भी कि भाजपा ने पर्दे के पीछे से नोटा का खेल खेला, नोटा को करीब 12 हजार वोट मिले। इससे साफ है कि भाजपा का भी एक वोटबैंक बना हुआ है। इस तरह यदि यह नतीजा किसी के लिए झटका माना जा सकता है तो वह एकनाथ शिंदे गुट है। अंतिम समय में भाजपा ने अपने उम्मीदवार मुरजी पटेल का नाम वापस ले लिया था।

बांधवगढ़ में एक और बाघ की मौत

इस साल में अब तक छह मौतें

उमरिया, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उमरिया जिले के राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार को एक और बाघ की मौत हो गई। विभाग के गश्ती दल को पांच नवंबर की सुबह करीब साढ़े छह बजे धमोखर परिक्षेत्र की बड़वार बीट मे कंदुहाई हार के पास इसका शव मिला था। पार्क प्रबंधन ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने श्वान एवं गश्ती दल के सांथ आसपास के क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। बाघ के समस्त अंग सुरक्षित पाए गए। मृत बाघ की आयु 13 से 14 वर्ष थी। इससे उसकी मृत्यु का कारण वृद्धावस्था बताया जा रहा है। शव का पीएम चिकित्सा दल द्वारा क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली के प्रतिनिधि के समक्ष किया गया। फॉरेन्सिक जांच हेतु विसरा एकत्रित करने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

जम्मू कश्मीर में कैंसर के 40 % मामले तंबाकू पदार्थों से जुड़े

जम्मू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तंबाकू पदार्थों और धूम्रपान से तौबा करके कैंसर से बचा जा सकता है। जम्मू कश्मीर में मिल रहे कुल कैंसर के मामलों में 40 प्रतिशत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से तंबाकू पदार्थों से जुड़े हुए हैं। युवाओं में तंबाकू और धूम्रपान का बढ़ता शौक उन्हें मौत के मुंह तक ले जा रहा है। इस लत में फंसकर युवा मुंह और गले के कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। जम्मू संभाग में ही हर साल 1700 से 1800 नए कैंसर के मामले मिल रहे हैं। क्षेत्रीय कैंसर इकाई जीएमसी जम्मू के एचओडी डॉ। आशुतोष गुप्ता के अनुसार जिन घरों में पुरुष अपने धूम्रपान के शौक को पूरा कर रहे हैं, वे अपने साथ आसपास के वातावरण में महिलाओं और अन्य सदस्यों को भी कैंसर की बीमारी दे रहे हैं।

तकनीकी खामी के चलते एयरएशिया की फ्लाइट रोकी गई

पुणे से बेंगलुरु भर रही थी उड़ान

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु जा रहे एयरएशिया इंडिया के एक विमान को रविवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने से ऐन पहले रोक दिया गया। विमान ए-320 में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। एयरएशिया इंडिया ने एक बयान में पुष्टि की कि उसकी पुणे-बेंगलुरु की उड़ान को तकनीकी समस्या के कारण रोकनी पड़ी। इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि पुणे से बेंगलुरु जाने वाली एयरएशिया इंडिया की उड़ान i5-1427 ने अपना टेक-ऑफ रद्द कर दिया और तकनीकी खराबी के कारण रविवार को वापस लौट गई। एयरएशिया इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 'एयरएशिया इंडिया को देरी के कारण मेहमानों को हुई असुविधा के लिए खेद है।

बांदीपोरा में आईईडी विस्फोट मामले में दो हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

सोपोर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के जिला सोपोर के बांदीपोरा में आईईडी विस्फोट मामले में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने इस मामले में दो हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास दो अन्य आईईडी भी बरामद की गई हैं। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि बांदीपोरा के केनुसा में आईईडी विस्फोट मामले में पुलिस ने दो हाइब्रिड आतंकी को गिरफ्तार किया है। इरशाद गनी उर्फ शाहिद और वसीम राजा को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से डेटोनेटर के साथ दो रिमोट कंट्रोल आईडी भी बरामद की गई हैं। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

महिला और दो बच्चियों की हत्या, बेड पर मिले शव

रोहतक (हरियाणा), 7 नवंबर (एजेंसियां)। रोहतक की कलानौर अनाज मंडी में एक आढ़ती की पत्नी और उसकी दो बेटियों की गला घोंटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। सोमवार सुबह बेड के ऊपर निंपी (31), उसकी 10 साल की बेटी अवनी और 8 साल की बेटी अर्वतिका का शव मिला। पुलिस ने पूछताछ के लिए महिला के पति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है, जो खाद-बीज की दुकान चलाता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुलिस को सुबह सूचना मिली कि कलानौर अनाज मंडी में एक आढ़ती के मकान के अंदर बेड पर तीन शव पड़े हैं और मौके पर भीड़ जमा है।

'वसूली भाई ने महाठग को भी ठग लिया'

मीनाक्षी लेखी ने सुकेश चंद्रशेखर के पत्र के बाद सत्येंद्र जैन पर बोला हमला

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद मीनाक्षी लेखी ने अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) की सराकर पर निशाना साधा है। लेखी ने कहा कि ठग सुकेश चंद्रशेखर के कथित पत्र में जेल में बंद दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन पर उन्हें धमकी देने का आरोप लगाया गया है। 'वसूली भाई' ने 'महाठग' को ही ठग लिया है। लेखी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्येंद्र जैन जेल के अंदर रंगदारी का धंधा चला रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में दिल्ली सरकार ने जो भी स्कीम बनाई वह स्कैम में तो बदला ही, लेकिन जब उनके मंत्री सत्येन्द्र जैन जेल के अंदर बंद हुए तो वहां भी भ्रष्टाचार करने से पीछे नहीं हटे। मैं दिल्ली सरकार से सत्येंद्र जैन को किसी और जेल में शिफ्ट करने की मांग करती हूं। केजरीवाल सरकार बताए कि 'आप' ने ठग सुकेश चंद्रशेखर से 50 करोड़ रुपये क्यों लिए? केजरीवाल जी का कार्यालय भ्रष्टाचार से भरा है और शासन से मुक्त है। लेखी ने कहा कि 'आप' के नेता दूसरे राज्यों में जाकर दिल्ली की सच्चाई बताने की जगह झूठा प्रचार करते हैं। वह बताते क्यों नहीं कि वे दिल्ली में एक ऐसी सरकार चला रहे हैं, जिसका हर विभाग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा हुआ है।

मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि सत्येंद्र जैन और तिहाड़ के पूर्व डीजी संदीप गोयल उनकी शिकायत सार्वजनिक होने के बाद उन्हें धमकी दे रहे हैं।

सुकेश के वकील ने इस पत्र की पुष्टि की है, जो वर्तमान में दिल्ली की जेल में बंद है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और मनी लॉन्ड्रिंग के तहत भ्रष्टाचार के कई मामलों का सामना कर रहा है, उसने आरोप लगाया है दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन और पूर्व तिहाड़ डीजी दिल्ली के उपराज्यपाल को मेरी शिकायत सार्वजनिक होने के बाद मुझे धमका रहे हैं। सुकेश ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए उन पर सवाल खड़े किए हैं।

उसने दावा किया, केजरीवाल जी आपने मुझे सीटों के बदले में पार्टी को 500 करोड़ रुपये का योगदान देने के लिए 20-30 व्यक्तियों को लाने के लिए क्यों मजबूर किया? सुकेश ने आगे पूछा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने उनसे 50 करोड़ रुपये क्यों लिए और उन्हें राज्यसभा सीट की पेशकश की।

पत्र में आरोप लगाया गया है, केजरीवाल जी, आपके हिसाब से मैं देश का सबसे बड़ा ठग हूं, फिर किस आधार पर आपने मुझसे 50 करोड़ रुपए लिए और मुझे राज्यसभा की सीट देने की पेशकश क्यों की? तो इससे आपको क्या फर्क पड़ता है?"

पत्र में कहा गया है, केजरीवाल जी और सत्येंद्र जैन जी, जेल प्रशासन के माध्यम से मुझे धमकाना और धमकाना बंद करें। मुझे आगे बढ़ने और विस्तृत सीबीआई जांच की मांग करने से कोई नहीं रोक सकता।

मानवता शर्मसार

कूड़ेदान में मिली नवजात, बच्ची के शरीर में मिले गंभीर चोट के निशान

बालाघाट, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बालाघाट जिले के लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम मोहगांव (धपेरा) में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। गांव में एक ग्रामीण को बाड़ी के कूड़ेदान में एक नवजात बच्ची मिली है। बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है, उसके शरीर में कई जगह चोट के निशान हैं, वहीं बच्ची का वजन भी बहुत कम है। जानकारी के अनुसार मोहगांव (धपेरा) में रहने वाले एक ग्रामीण की बाड़ी के पास में एक नवजात शिशु मिला, जिसकी जानकारी पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दी गई। पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और आनन-फानन में नवजात कन्या शिशु को दस्तयाब कर जिला अस्पताल के एसएनसीयू में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

एसएनसीयू प्रभारी डॉ. निलय जैन ने बताया कि नवजात शिशु की हालत बहुत गम्भीर है। उसके शरीर पर चोट के निशान हैं। एक हाथ में फेक्चर है व एक हाथ की तीन उंगलियां गायब हैं। जिसे किसी ने कुतर दिया गया है। फिलहाल नवजात कन्या शिशु को निगरानी में रखा गया है। बता दें, बीते दिनों इससे पहले एक नवजात बच्ची मुरैना जिले में भी खेत के किनारे लगी झाड़ियों में मिली थी, बच्ची को सर्द मौसम में बिना कपड़ों के लावारिस हालत में छोड़ दिया गया था।

क्या चीन ने किडनैप किए दो भारतीय युवक

महीनों से नहीं मिली कोई खबर, परिजनों ने केंद्र सरकार से जल्द खोजने की लगाई गुहार

ईटानगर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में भारत-चीन सीमा पर 24 अगस्त को लापता हुए दो युवकों का अभी तक पता नहीं चल सका है। करीब 3 महीने से लापता 33 साल के बेटिलम टिकरो और 35 साल के बेइंग्सो मन्यु 19 अगस्त को घर से औषधीय पौधों की तलाश में पहाड़ों की ओर निकल गए थे, जिन्हें आखिरी बार 24 अगस्त को कुछ साथी ग्रामीणों ने देखा था। दोनों युवक अपने साथ बिस्तर और खाद्य पदार्थ ले गए थे जो 15-20 दिनों तक चल सकते थे। जब दोनों डेढ़ माह से अधिक समय बाद भी नहीं लौटे तो परिजनों ने 9 अक्टूबर को गांव खुपा थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। लापता युवकों के परिवार के सदस्यों को संदेह है कि वे गलती से भारतीय क्षेत्र को पार कर गए होंगे और चीन में प्रवेश कर गए होंगे, जहां उनका चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा अपहरण कर लिया गया होगा। क्योंकि पांच युवकों का अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले से सितंबर 2020 में पीएलए द्वारा अपहरण कर लिया गया था और कुछ हफ्तों के बाद रिहा कर दिया गया था।

पुलिसकर्मी का एक महीने के बाद दादरी में मिला कंकाल

चरखी दादरी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में एक कंकाल मिला है, जो अगस्त से लापता एक पुलिसकर्मी के होने की आशंका है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कंकाल के पास मिले फटे हुए कपड़ों और मोबाइल के आधार पर मृतक की पहचान जसबीर के तौर पर की गई है, जो भिवानी जिले के तोशाम पुलिस थाने में तैनात था। जसबीर 26 अगस्त को तोशाम पुलिस थाने से एक बंदूक के साथ निकला था और तब से वह लापता था। इस संबंध में एक शिकायत भी दर्ज कराई गई थी।

आखिर क्यों नहीं छोड़े जा रहे भारत के आठ पूर्व नौसेना अधिकारी

कतर सरकार नहीं दे रही जवाब, परिवार चिंतित

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कतर की राजधानी दोहा में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को हिरासत में क्यों रखा गया है? इस बारे में कतर प्राधिकरण से अभी तक कोई जवाब नहीं देने के कारण परिवार के सदस्य बहुत अधिक चिंतित दिखाई दे रहे हैं। हिरासत में लिए गए लोगों में कमांडर (सेवानिवृत्त) पूर्णेंदु तिवारी हैं, जो एक भारतीय प्रवासी हैं, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कंपनी की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार पूर्णंदू तिवारी भारतीय नौसेना में कई बड़े जहाजों की कमान संभाल चुके हैं।

तिवारी की बहन डॉक्टर मीतू भार्गव ने जताई चिंता

इधर तिवारी की बहन डॉक्टर मीतू भार्गव ने कहा कि हमें बहुत अधिक चिंता हो रही है। हमें यह जवाब नहीं मिल पा रहा कि आखिर मेरे भाई को किस आरोप के तहत हिरासत में लिया गया है? उन्हें हिरासत में लिए हुए 70 दिन हो गए हैं। भारत सरकार को जल्द से जल्द रिहाई का प्रयास करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय की कोशिश जारी

वहीं विदेश मंत्रालय (एमईए) ने भरोसा देते हुए कहा कि दोहा में भारतीय दूतावास कतर से आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों की जल्द रिहाई और प्रत्यावर्तन के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कतर सरकार की ओर से काउंसलर एक्सेस मिलने के बाद से हमने उनलोगों का हाल जाना है लेकिन सरकार को अभी इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी है कि आखिर किस आरोप में इन्हें गिरफ्तार किया गया है।

ये सभी कतर की एक निजी कंपनी में कर रहे थे काम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेवानिवृत होने के बाद ये सभी नौसैनिक कतर की एक निजी कंपनी में काम कर रहे थे। यह कंपनी कतरी एमिरी नौसेना को ट्रेनिंग और अन्य सेवाएं प्रदान करती है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, कंपनी का नाम दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एवं कंसल्टेंसीज सर्विसेज है। कंपनी खुद को कतर रक्षा, सुरक्षा एवं अन्य सरकारी एजेंसी की स्थानीय भागीदार बताती है।

घरवाले शादी का कर रहे थे विरोध

घर से भागकर गोवा पहुंचा कपल, गेस्ट हाउस में जहर खाकर दी जान

पणजी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। गोवा में पति-पत्नी के जहर खाकर सुसाइड करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि उनके परिवार वाले उनकी शादी का विरोध कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। माना जा रहा है कि दोनों को उनके परिवार के लोग लगातार परेशान कर रहे थे। ये दोनों महाराष्ट्र के नासिक के रहने वाले थे। इनकी पहचान 21 साल के किशोर अहेर और 22 वर्षीय सोनाली अहेर के तौर पर हुई है। किशोर और सोनाली साउथ गोवा के कोलवा में स्थित एक गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। दोनों ट्रेन से यहां पहुंचे थे। नवंबर को इनकी तबीयत खराब पाए जाने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पति की उसी दिन मौत हो गई। हालांकि, पत्नी उस वक्त बोलने की हालत में थी। अस्पताल में ही पुलिस ने उसका बयान दर्ज किया,

'अगर तुममें हिम्मत है तो सड़क पर मेरे ऊपर हमला करो'

राज्यपाल ने केरल सरकार को दी चुनौती

तिरुवनंतपुरम, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, वाम दलों और डीएमके नेता के सहयोगियों के साथ 15 नवंबर को राजभवन के सामने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। सांसद तिरुचि शिवा भी इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। वहीं अब इस प्रदर्शन को लेकर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और राज्य सरकार के बीच जुबानी जंग भी शुरू हो गई है। राज्यपाल ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि 15 नवंबर को मेरी अनुपस्थिति में मार्च न निकालें। मार्च उस दिन आयोजित करें जब मैं राजभवन में रहूं। मैं वहां आऊंगा और अगर आपमें हिम्मत है तो सार्वजनिक बहस करें।

राज्यपाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुलपतियों को उनके कर्तव्य करने से रोका जा रहा है, कानून और व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। मुझे 'गंभीर परिणाम' भुगतने की धमकी दी जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने संवैधानिक तंत्र के पतन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मैं उनसे आग्रह करूंगा कि आगे बढ़ो, और समस्याएं पैदा करो, राजभवन में घुसो, अगर तुममें हिम्मत है, तो सड़क पर मुझ पर हमला करो। सीएम मुझे पहचानने से इंकार कर रहे हैं लेकिन मैं उन्हें पहचानता हूं।

राज्यपाल ने नौ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफे की मांग की थी

बता दें कि यूजीसी के नियमों के विपरीत एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति (वीसी) की नियुक्ति को रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के साथ, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार 24 अक्तूबर को राज्य में नौ विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफे की मांग की थी।

रोहतक में नकली नोट बनाने वाले 2 गिरफ्तार

रोहतक, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में नकली नोट चलाने का प्रयास करते दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 500 व 2000 के नकली नोट भी मिले हैं। वहीं नकली नोट छापने के लिए प्रयोग किया गया कलर प्रिंटर व कागज बरामद किए हैं। पहले भी नकली नोट बनाने के मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं।

एक आरोपी ने जूस पीने के बहाने 500 रुपए का नकली नोट चलाना चाहा, लेकिन रेहड़ी वाले ने नकली नोट को पहचान लिया। जब तक वह आरोपी को पकड़ पाता, उससे पहले आरोपी मौका पाकर वहां से फरार हो गया। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने सूचना मिलते ही कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू किया।

मोरबी ब्रिज हादसे का गुजरात हाईकोर्ट ने स्वत: लिया संज्ञान, 14 नवंबर को होगी सुनवाई

अहमदाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने मोरबी ब्रिज हादसे का स्वतः संज्ञान लिया है और एक सप्ताह के भीतर पूरी घटना की रिपोर्ट मांगी है। गृह विभाग, शहरी आवास, मोरबी नगर पालिका, राज्य मानवाधिकार आयोग सहित राज्य सरकार के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी।

हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया था

गुजरात के मोरबी में छठ पूजा के मौके पर रविवार को हुए हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस हादसे में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हो गए । हादसा मच्छू नदी पर केबल ब्रिज टूटने की वजह से हुआ था। मोरबी पुलिस ने अब तक तीन सुरक्षा गार्ड, दो टिकट बुकिंग क्लर्क, दो ठेकेदार और ओरेवा कंपनी के दो मैनेजरों समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है।

25 अक्टूबर को हुआ था पुल का उद्घाटन

पिछले 7 महीने से यह पुल मरम्मत के लिए बंद था। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक पुल की मरम्मत और देखभाल का काम एक प्राइवेट कंपनी को 15 साल की लीज पर दिया गया था। लेकिन इस कंपनी ने पुल को जनता के लिए खोलने से पहले कोई फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं लिया। गुजराती नव वर्ष दिवस (25 अक्टूबर) पर कंपनी के मालिक जयसुखभाई पटेल की पोती ने पुल का उद्घाटन किया था। शनिवार को जयसुखभाई पटेल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया था कि मरम्मत के बाद यह पुल अब इतना मजबूत हो गया है कि इसे कोई भी अगले 8 से 10 वर्षों तक हिला नहीं सकता ।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 8 नवंबर, 2022

सुविचार

जहाँ बुद्धि प्रयोग करने की आवश्यकता है, वहाँ बल प्रयोग करने से कोई लाभ नहीं होता

सीसीएस पुलिस ने 9 सदस्यीय अंतरराज्यीय गिरोह को किया गिरफ्तार

नलगोंडा, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस, नलगोंडा ने एक अंतरराज्यीय गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया, जो जिले के नारकेटपल्ली में बसों में चोरी कर रहे थे और उनसे 10 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार लोगों में ताज मोहम्मद (42), सरपराज सलमानी (50), थानवीर (38), वसीम (30), शाजाद (32), शाहिद (37), मोहम्मद रिजवान (27), गुफरान (23) और वसीम (36) उत्तर प्रदेश से शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक रेमा राजेश्वरी ने कहा कि सीसीएस पुलिस की दो टीमों ने 7 सितंबर को चित्याल में एक बस में एक यात्री के बैग से 30 लाख रुपये की चोरी का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी थी, और चीतल की मदद से और नारकेटपल्ली पुलिस ने रविवार शाम नौ सदस्यों को नारकेटपल्ली के बाहरी इलाके में एक होटल से गिरफ्तार किया। दो आरोपी ताज मोहम्मद और सरपराज पहले बेंगलुरु, चेन्नई, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, गुंटूर, कोडाद, नलगोंडा, नारकेटपल्ली और हैदराबाद में बस स्टेशनों पर यात्रियों के बैग से नकदी और सोने की चोरी में शामिल थे। उन्होंने नौ महीने जेल में बिताए थे और तीन महीने पहले रिहा होने के बाद अन्य छह के साथ एक गिरोह बनाया था।

मुनुगोडु के नए विधायक प्रभाकर ने सीएम से की मुलाकात

वादों को पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए : केसीआर

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु उपचुनाव में जीते टीआरएस पार्टी के विधायक कूसुकुंटला प्रभाकर रेड्डी ने सोमवार को प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से शिष्टाचार मुलाकात की।

मुनगोडु विधायक कूसुकुंटला प्रभाकर रेड्डी ने उन्हें मौका देने और उनकी सफलता का कारण बनने के लिए सीएम केसीआर को धन्यवाद दिया। इस मौके पर सीएम केसीआर ने कुसुकुंटला को बधाई दी और उन्हें शॉल पहनाकर आशीर्वाद दिया।

इस मौके पर सीएम केसीआर ने पार्टी नेताओं को मुनगोडु उपचुनाव में सफलता के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए बधाई दी। सीएम ने कहा कि लोगों ने पार्टी और नेतृत्व के भरोसे टीआरएस प्रत्याशी को जिताया हैं। सीएम केसीआर ने सुझाव दिया कि मुनगोडु निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को दिए गए वादों को पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए। सीएम केसीआर ने मंत्री जगदीश रेड्डी को अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने और तदनुसार योजना तैयार करने का निर्देश दिया। संयुक्त नलगोंडा जिला मंत्री जी. जगदीश रेड्डी के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों, पार्टी के कई नेताओं ने सीएम केसीआर से मुलाकात की।

सीएम केसीआर से मिलने वालों में मंत्री जगदीश रेड्डी, विधायक ग्यादारी किशोर, कंचरला भूपाल रेड्डी, चिरुमर्ति लिंगय्या, गोंगिडी सुनीता, बोल्लम मल्लैया यादव, आशन्नगारी जीवन रेड्डी, पैल्ल शेखर रेड्डी, सैदिरेड्डी, रवींद्र कुमार नाइक, भास्कर राव, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, एगे मल्लेशम, एमसी कोटिरेड्डी, पार्टी नेता सोमा भरत कुमार, उमा माधवरेड्डी, चेयरमैन दुदिमेटला बलाराजू, मेडे राजीव सागर, ए संदीप रेड्डी, मंदाडी सैदिरेड्डी, चाडा किशन रेड्डी, वेमरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी, शंकर और अन्य थे।

मुनुगोडु में टीआरएस ने एमआईएम और वामदलों के समर्थन से जीता उपचुनाव : इटेला

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज दावा किया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी ने एमआईएम और वाम दलों के समर्थन के कारण ही मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव जीता। उन्होंने यह भी दावा किया कि स्थानीय पुलिस ने सत्तारूढ़ दल की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, इटेला ने कहा कि मुनुगोडु में हार का सामना करने के बावजूद भाजपा अविभाजित नलगोंडा जिले में फली-फूली। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं का भाजपा में शामिल होना नहीं रुकेगा। उन्होंने टीआरएस पार्टी को घटिया चिराग बताया। हारे हुए पार्टी उम्मीदवार कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि रेड्डी ने चुनाव हारने के बाद भी सम्मानजनक व्यवहार किया।

उन्होंने दावा किया कि कुल 18,900 टीआरएस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार की जीत के लिए कड़ी मेहनत की और कहा कि सत्तारूढ़ दल ने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक पांच गांवों के लिए एक एसआई भी तैनात किया है। भाजपा नेता ने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं से पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि उसने जीएचएमसी चुनावों में सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए। उन्होंने मजाक उड़ाया कि 2014 के विधानसभा चुनाव के बाद सीएम केसीआर ने पैसे और पुलिस में अपना विश्वास बनाए रखा था। उन्होंने कहा कि भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में खम्मम जिले में भी खिलेगी।

पुलिस का गोदाम पर छापा, हुक्का के बर्तन बरामद

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस कमिश्नर की सेंट्रल ज़ोन टास्क फोर्स ने एबिड्स में स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गोदाम से हुक्का बर्तनों का विशाल भंडार, विभिन्न प्रकार के हुक्का स्वाद, कोयले, फिल्टर, पाइप, हीटर मिले है। पुलिस ने दो आरोपियों आसिफ रजा निवासी अयप्पा सोसाइटी, माधापुर, मोहसिन निवासी एबिड्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम को हुक्का फ्लेवर 300 किलोग्राम लगभग, विभिन्न प्रकार के चार कोयला बक्से 300 किलोग्राम लगभग, हुक्का बर्तन 600 लगभग, छोटे हीटर 36, मैजिक फॉयल 3 कार्टून, फिल्टर पाइप 4 बैग, डिस्पोजेबल शीश नली पाइप 1 कार्टून मिला है। बरामद सामान का मूल्य करीब 70 लाख बताया जा रहा है। पूछताछ करने पर आसिफ रजा ने खुलासा किया कि वह परिवहन के माध्यम से उत्तर प्रदेश और मुंबई से अवैध रूप से हुक्का सामान खरीद रहा है और उसे गोदाम परिसर में डंप कर रहा था। इसके बाद मोहसिन की मदद से जरूरतमंद ग्राहकों को आपूर्ति कर रहा है। अनुमति के बारे में पूछे जाने पर वह कोई वैध लाइसेंस यानी खाद्य सुरक्षा लाइसेंस (एफएसएसएआई), व्यवसाय पंजीकरण, जीएसटी पंजीकरण, दुकान और प्रतिष्ठान लाइसेंस दिखाने में विफल रहा।

अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा द्वारा माता की चौकी व अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा द्वारा माता की चौकी एवं महा अन्नकूट प्रसाद का आयोजन भाग्यश्री फंक्शन हॉल, चैतन्यपूरी पर किया गया। सांय के समय गणेशजी, माता दुर्गा, शिवजी, हनुमानजी, खाटू श्यामजी एवं महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

माता के इस भव्य दरबार में कई प्रमुख लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी, जिसमें विशिष्ट अतिथियों के रूप में तेलंगाना विधानसभा परिषद के सदस्य बोग्गरपू दयानंद, डिप्टी कमिश्नर लेबर श्यामसुंदर जाजू, अग्रवाल समाज, तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, नामधारी समूह प्रमुख लॉयन सूरत सिंह मल्होत्रा, विशेष अतिथि के रूप में पार्षद गड्डीअन्नरम् और बद्दम प्रेम महेश्वर रेड्डी, सम्माननीय अतिथियों के रूप में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता, सह-मंत्री सतीश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष राकेश जालान के साथ ही सीनियर एडवोकेट श्याम अग्रवाल, उद्योगपति और समाजसेवी धीरज खेतान, हरियाणा नागरिक संघ के कोषाध्यक्ष सतीश बंसल एवं अन्य शामिल थे। उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा को इस आयोजन की सफलता के लिए बधाइयां दी। समाज अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने कोत्तापेट शाखा को भविष्य में भी इसी तरह के आयोजन करते हुए अग्रवाल समाज, तेलंगाना का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा ने सहयोगी शाखा के रूप में अध्यक्षा नीती अग्रवाल और अन्य पदाधिकारीयों के सौजन्य से अपनी अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज, तेलंगाना की हबसीगुडा, वनस्थलीपुरम, मलकपेट, नाचारम, मोतीनगर, मूसारामबाग सहित कई अन्य शाखाओं के पदाधिकारी, सदस्य और अन्य लोगों ने उपस्थित रह कर माता रानी के भजन और प्रसाद कालाभ प्राप्त किया। सभी उपस्थित लोगों का कोत्तापेट शाखा की ओर से अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, मंत्री ललित बंसल, कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल और कार्यकारिणी सदस्य अरुण गोयल ने स्वागत और आभार प्रदर्शन किया। माता के दरबार में मंत्रमुग्ध करने वाले माता के भजनों की प्रस्तुति मलकपेट स्थित श्याम दीवाने संस्था के प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय भजन-गायक प्रतीक दाहिमा एवं सागर व्यास द्वारा हुई जिससे दरबार में उपस्थित सभी भक्तों का मन मोहित हो उठा। भजन कार्यक्रम में श्याम दीवाने संस्था के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, अशोक सिंघानिया, चेयरमैन रमाकांत गोयल, वाइस चेयरमैन अनिल संघी, संस्थापक मैनेजिंग ट्रस्टी प्रवीण अग्रवाल, मंत्री गोपाल सिंघानिया, कोषाध्यक्ष रूपेश सिंघानिया एवं अन्य भी सदस्य उपस्थित थे। माता के दरबार में लगभग 1400 भक्तों ने अपनी हाजिरी लगाई और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, मंत्री ललित बंसल, कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य अरुण गोयल, उषा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मयूर जिंदल और शाखा के कई सदस्य सपरिवार शामिल होते हुए।

बंडी संजय से मिलीं राजा सिंह की पत्नी

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधायक राजा सिंह की पत्नी ने आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार से मुलाकात की। पति की रिहाई के लिए कोर्ट केस लड़ रही उषा बाई राजा सिंह की गिरफ्तारी के बाद पहली बार प्रदेश पार्टी मुख्यालय पहुंचीं। उन्होंने संजय से राजा सिंह को जेल से बाहर लाने में मदद करने का आग्रह किया। बंडी संजय ने पार्टी आलाकमान को पत्र लिखकर पार्टी विधायक पर लगे निलंबन को हटाने का आग्रह किया। पता चला है कि पार्टी आलाकमान अब राजा सिंह का निलंबन हटाने की योजना बना रहा है क्योंकि वह पार्टी विधायक के जवाब से संतुष्ट है। पार्टी नेताओं का कहना है कि संजय न केवल राजा सिंह के निलंबन को पार्टी से वापस लेने के प्रयास कर रहे हैं, बल्कि पार्टी की कानूनी टीमों के साथ भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। बीते 22 अगस्त को अपलोड किए गए एक यू ट्यूब वीडियो में पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ उनकी विवादास्पद और अपमानजनक टिप्पणी के बाद राजा सिंह को पीडी अधिनियम के तहत जेल भेज दिया गया था। उनके वीडियो ने देश भर में हंगामा खड़ा कर दिया और अंततः उनकी गिरफ्तारी और पार्टी से निलंबन का कारण बना।

बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 का समारोह आज एक उच्च स्तर पर संपन्न हुआ। पुलिस आयुक्त राचकोंडा कमिश्नरेट महेश एम. भागवत ने समापन समारोह के एक भाग के रूप में 'एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत' पर मुख्य भाषण दिया।

बीडीएल के सतर्कता विभाग द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक समाचार पत्र 'चेतना' मुख्य अतिथि महेश भागवत पुलिस आयुक्त राचकोंडा कमिश्नरेट, तेलंगाना द्वारा डॉ. एन श्रीनिवासुलु, निदेशक (वित्त), बीडीएल, वेन्नम उपेंद्र, आईपीओएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में जारी किया गया। सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए, जिनका उद्देश्य कंपनी के कर्मचारियों, उनके परिवारों और स्कूली छात्रों को सतर्कता के बारे में जागरूक करना था। सप्ताह के दौरान, एक विक्रेता बैठक आयोजित की गई जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से 100 से अधिक फर्मों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के बारे में ग्राम पंचायत में जागरूकता फैलाने के उपाय के रूप में तेलंगाना राज्य के मेडचल जिले के कीसरा मंडल, मलकाजगिरी के यादगरपल्ली गांव में एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। समाज के विभिन्न तबकों के बीच सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शंकरपल्ली के पास बुलकापुर गांव में एक वॉकथॉन भी आयोजित किया गया।

अमरावती राजधानी पर पहली आपत्ति मेरी : अरुण कुमार

विजयवाड़ा, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व कांग्रेस सदस्य उंडवल्ली अरुण कुमार ने दावा किया कि उन्होंने सबसे पहले अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में नामित करने पर आपत्ति जताई थी। वरिष्ठ राजनेता ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू थे, जिन्होंने अमरावती को राज्य की राजधानी के नाम के रूप में प्रस्तावित किया था और तत्कालीन विपक्षी वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इस पर सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने दावा किया कि अगर वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आपत्ति जताई होती तो किसान अपनी जमीन की पेशकश नहीं कर पाते। श्री उंदावल्ली ने कहा कि इस विकास के बाद ही, अमरावती के किसान राज्य की राजधानी के विकास के लिए अपनी भूमि दान करने के लिए आगे आए हैं।

तेरापंथ भवन में आंध्रा-तेलंगानास्तरीय कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वाधान में, हैदराबाद तेरापंथ महिला मंडल के द्वारा ,आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन डी.वी. कॉलोनी में आंध्रा तेलंगाना स्तरीय कार्यशाला क्षितिज का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम तीन सत्र में आयोजित किया गया। महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती अनीता गिडीया ने सभी आगंतुक भाई बहनों का स्वागत करते हुए क्षितिज कार्यशाला पर अपने विचार व्यक्त किए। सभा अध्यक्ष बाबूलाल बैद ने कार्यशाला के प्रति अपनी शुभकामनाएं संप्रेषित की। साध्वी प्रमुखा श्री जी द्वारा प्राप्त संदेश का वाचन आंध्रा तेलंगाना सहप्रभारी वंदना जी ने किया। साध्वी श्री संप्रति प्रभाजी ने कहा कि हम अच्छी आदतों को अपने स्वभाव में शामिल करें ताकि उसका प्रभाव अच्छा पड सके। नवयुवती मंडल व कन्या मंडल की जानदार प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को शानदार बना दिया। अभातेममं सहमंत्री नीतू ओस्तवाल, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता बरलोटा ने बताया कि स्वभाव का प्रभाव हमारे दैनिक जीवन पर कैसे पड़ता है। आंध्रा तेलंगाना प्रभारी बीना बैद ने ग्रिटीट्यूड विषय पर अपने सशक्त विचार व्यक्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्षा अभातेममं श्रीमती नीलम सेठिया ने क्षितिज और स्वभाव का प्रभाव इन दोनों विषयों को छूते हुए बताया कि क्षितिज का अर्थ होता है जहां आकाश और धरती का मिलन होता है। हकीकत में देखा जाए तो धरती और आकाश का मिलन कभी होता ही नहीं है। यह केवल आभास मात्र है। साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जने सभा को संबोधित करते हुए कहा हर व्यक्ति आसमां को छूना चाहता है। अपने सपनों को सच में बदलना चाहता है। विकास की रफ्तार को गति देने के लिए जरूरी है सबसे पहले हम अपना लक्ष्य का निर्धारण करें। आभार ज्ञापन एवं मंचासीन संचालन मंत्री श्वेता सेठिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन साध्वी श्री कल्पयशा जी ने किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, ZUBAIR SALAUDDIN, R/O.24-240/1, RANGA REDDY NAGAR, QUTBULLAPUR, HYD, T.S. CHANGED MY NAME AS MOHAMMED ZUBAIR SALAUDDIN S/O.MOHAMMED NIZAMUDDIN.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सांसद वेंकट ने पार्टी आलाकमान द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के सांसद और पूर्व मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज कहा कि उन्होंने दो दिन पहले पार्टी आलाकमान द्वारा उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि पार्टी नेता तारिक अनवर उनके जवाब को पढ़ने के लिए उपलब्ध नहीं थे। वेंकट रेड्डी ने कहा कि वह काम के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। पार्टी नेता राहुल गांधी की पदयात्रा से उनकी अनुपस्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तो वे पदयात्रा में कैसे शामिल हो सकते हैं? उन्होंने साफ किया कि पार्टी आलाकमान से क्लीन चिट मिलने के बाद ही वह पदयात्रा में हिस्सा लेंगे। वेंकट रेड्डी के छोटे भाई, कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने न केवल अपने विधायक पद से इस्तीफा दिया, बल्कि भाजपा में शामिल होने के लिए कांग्रेस पार्टी से भी इस्तीफा दे दिया। भाजपा में शामिल होने के बाद, उन्होंने अपने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में भगवा पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के उम्मीदवार के. प्रभाकर रेड्डी से हार गए। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि वेंकट रेड्डी ने अपने भाई की मदद करने के लिए उपचुनाव प्रचार में पार्टी उम्मीदवार पलवई श्रावंती की दलीलों को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने उपचुनाव पूरा होने तक खुद को मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र से दूर रखा।

कुमावत समाज, हैदराबाद-सिकन्दराबाद (तेलंगाना) का दीपावली स्नेह मिलन का कार्यक्रम में धर्मीचन्द कुमावत, भंवरलाल अलोदिया, प्रकाश बाकरेचा, रूपाराम भोपा, नारायणलाल घोडावड, शंकरलाल माननिया, रामचन्द्र रेणवाल, कानाराम हांगर, रामकिशोर भडलीवाल, मोतीराम रेड, नेमीचन्द रेड, सोहनलाल माननिया, धर्माराम बाकरेचा, पेमाराम मावर, शंकरलाल हिन्दड, मांगीलाल दुबलदिया, धर्माराम घोडावड, पप्पुराम हांगर, नवरतन मालीवाड, भीकाराम बाकरेचा, माणकचन्द मालीया एवं अन्य।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण के 'सुप्रीम' फैसले पर बिहार में घमासान

सुशील मोदी बोले- किस मुंह से सवर्णों के वोट मांगेगी आरजेडी

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर आए फैसले को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। बीजेपी सांसद एवं पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने कहा कि आरजेडी ने संसद के दोनों सदनों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण का विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर मुहर लगा दी है। अब तेजस्वी यादव की पार्टी किस मुंह से सवर्णों के वोट मांगने जाएगी।

बीजेपी नेता सुशील मोदी ने सोमवार को कहा कि गरीब सवर्णों के आरक्षण के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी बहुमत से मुहर लगाई है। संविधान के 103वें संशोधन के

तहत जब ईडब्ल्यूएस आरक्षण का प्रस्ताव लाया गया तो राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों में इसका विरोध किया था।

सुशील मोदी ने कहा कि आरजेडी सांसदों ने इसके खिलाफ वोटिंग भी की थी। अब उसपर देश की शीर्ष अदालत ने भी मुहर लगा दी है। अब आरजेडी किस मुंह से ऊंची जातियों से वोट मांगने जाएगी। उसे जनता को जवाब देना पड़ेगा कि आरक्षण का विरोध क्यों किया था।

दूसरी ओर महागठबंधन में शामिल नीतीश कुमार की जेडीयू, कांग्रेस और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। बता दें कि शीर्ष अदालत की पांच जजों वाली बेंच ने सोमवार को अहम फैसला सुनाते हुए 3-2 के मत से 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस आरक्षण को बरकरार रखा।

12वीं पास छात्राओं को मिलती है 30 हजार की आर्थिक सहायता

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यूपी सरकार ने एक वित्तीय सहायता योजना शुरू की है। इसके तहत सरकार 12वीं बोर्ड की परीक्षा पास करने वाली लड़कियों को 30 हजार रुपये देती है। इस योजना का नाम है यूपी कन्या विद्या धन योजना। योजना के मुताबिक ये छात्रवृति उन लड़कियों को प्रदान की जाएगी जिन्होंने सीबीएसई या यूपी बोर्ड से 12वीं की परीक्षा पास की है। जो लड़कियां महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायता से शिक्षा प्राप्त कर रही हैं उन्हें ये वित्तीय सहायता दी जाएगी ताकि वो अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें। इस योजना के लिए केवल यूपी बोर्ड, भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड आवेदन कर सकती हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र में प्रियंका चोपड़ा ने बच्चों से की बात

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री व यूनिसेफ की गुडविल एंबेसडर प्रियंका चोपड़ा दो दिन के लिए लखनऊ में हैं। इस दौरान वह कई सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करेंगी। सोमवार की सुबह वह निगोहां के लालपुर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं और बच्चों के पोषण आहार के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने गांव की आरती से बात की और पूछा कि बच्चे को पोषण आहार के रूप में क्या खिलाती हैं? आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का वजन व लंबाई भी नापी गई। इसके लिए 11 बच्चे आए थे।

वहीं, केंद्र के बाहर प्रियंका की एक झलक पाने के लिए ग्रामीणों की भीड़ लगी हुई थी।

इसके पहले प्रियंका चोपड़ा बिजनौर रोड स्थित औरंगाबाद के

प्रियंका चोपड़ा

पोषण आहार की ली जानकारी

प्राथमिक विद्यालय गईं और स्कूली गतिविधियों में शामिल हुईं। उन्होंने बच्चों से बात की और खानपान की जानकारी ली।

प्रियंका चोपड़ा के कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीण महिलाएं और बच्चे भी उनसे मिलकर काफी खुश हुए।

प्रियंका को 2016 में 'ग्लोबल यूनिसेफ गुडविल एंबेसडर' के रूप में नियुक्त किया गया। वह बच्चों के अधिकारों तथा लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मीडिया पैनल चर्चाओं में भी भाग लेती रहती हैं। वह भारत में जिन प्रमुख यूनिसेफ अभियानों से जुड़ी हुई हैं, उनका लक्ष्य किशोरियों और युवतियों को जीवन कौशल, उद्यम और नेटवर्किंग के कौशल का प्रशिक्षण देकर उन्हें मजबूत बनाना है। उन्होंने यूनिसेफ के अभियानों का प्रचार करने में भी मदद की है।

पुलिस को बनाया बंधक

मोतिहारी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में मारपीट की सूचना पर पहुंची 112 पुलिस की गाड़ी को ग्रामीणों द्वारा बंधक बनाने का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। ढाका थाना क्षेत्र के करसहिया गांव की बताई जा रही है। उक्त गांव में दो भाई रमेश साह और इंदेश साह के बीच पूर्व से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था। इसी को लेकर रविवार को पंचायती बुलाई गई थी, पंचायती के दौरान दोनों भाई में मार शुरू हो गया।

इसी बीच वहा मौजूद किसी ने 112 पर फोन कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद तुरंत वहा पुलिस की गाड़ी पहुंची। मामले को शांत कराने में जुट गई। रमेश साह की पत्नी ने आरोप लगाया कि पुलिस इंदेश के लिए काम कर रही हैं। उसके कहने पर हम लोगों के साथ मारपीट कर रही हैं।

बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

घर के सामने सिर और चेहरे पर मारी गोली, लोगों ने पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

कटिहार, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कटिहार में बदमाशों ने बीजेपी नेता संजीव मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। सोमवार सुबह 7 बजे उन्हें गोली मारी गई। सिर और चेहरे में गोली लगने की वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश पहले से घात लगाकर बैठे थे। जैसे ही वो घर से बाहर निकले उन्हें गोली मार दी। बलरामपुर के तेलता थाना क्षेत्र के तेलता हाई स्कूल के पास वारदात को अंजाम दिया गया है। फायरिंग के बाद बदमाश वहां से भाग निकले।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर उतरे गए। पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। लोगों ने सड़क पर बांस-बल्ली लगाकर जाम कर दिया। परिजनों का कहना है कि 10 महीने पहले भी पूर्व जिला परिषद सदस्य संजीव मिश्रा को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। गोली की आवाज सुन आसपास के लोगों ने गंभीर स्थिति में पूर्णिया मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। कई दिन तक इलाज के बाद उनकी जान बची थी। लेकिन उस समय पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। गोली चलाने वाले खुलेआम घूम रहे हैं।

बता दें कि संजीव मिश्रा बिहार-बंगाल के बॉर्डर में बसे सुदूर इलाके में वर्षों से भाजपा की राजनीति को बुलंद करते रहे हैं। इससे पहले भी विधान परिषद चुनाव के दौरान उन पर जानलेवा हमला किया गया था और इसके बाद सोमवार की सुबह उनको घर के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। संजीव मिश्रा कटिहार विधान पार्षद अशोक अग्रवाल के बेहद नजदीकी बताए जाते हैं।

महिला प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

पुलिस ने कहा- कर रही थीं पत्थरबाजी, वीडियो वायरल

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें महिला पुलिसकर्मियों के होने के बावजूद पुरुष पुलिसकर्मी धरना दे रही महिलाओं को बड़ी बेरहमी से लाठी से मारते नजर आ रहे हैं। यह वायरल वीडियो यूपी के अंबेडकरनगर का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक शनिवार 5 नवंबर को अंबेडकर प्रतिमा पर कुछ लोगों ने कालिख पोत डाली थी। इस घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला अंबेडकरनगर के जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में वाजिदपुर मोहल्ले का बताया जा रहा है। जहां महिलाएं कालिख पोते जाने के विरोध में सड़क पर उतर आई थी। जिसके बाद विवाद बढ़ गया।

पुलिस ने क्या बताया ?

जनपद अंबेडकर नगर पुलिस के मुताबिक शनिवार दिनांक 5 नवंबर को जलालपुर के वाजिदपुर गांव में अंबेडकर की प्रतिमा पर कुछ अराजक तत्वों द्वारा कालिख पोतने का मामला सामने आया था। जिसके बाद मामला दर्ज कर संबंधित लोगों को खोजने के प्रयास

हो रहे थे। भूमि के विवाद को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था और यह निष्कर्ष निकाला गया था कि भूमि को चारदीवारी कर पार्क बना दिया जाए लेकिन रविवार 6 नवंबर को नगरपालिका द्वारा चारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू करने के दौरान स्थानीय महिलाओं द्वारा उत्तेजनापूर्ण कारवाई करते हुए स्थानीय पुलिस पर पथराव किया गया। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गयी और तहसीलदार जलालपुर के स्थानीय वाहन के साथ तोड़फोड़ की गयी। जिसके बाद जिलाधिकारी जलालपुर की मौजूदगी में हल्का बल प्रयोग किया गया। भीड़ में मौजूद लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

वायरल वीडियो में साफ तौर पर पुरुष पुलिसकर्मी महिलाओं के ऊपर लाठियां बरसाते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे में मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना पर ट्वीट करते हुए भीम आर्मी के चीफ चंद्र शेखर आजाद ने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए लिखा है अंबेडकर नगर में बाबा साहब की मूर्ति के पास नींव खुदाई का विरोध कर रही महिलाओं पर योगी की पुलिस ने बर्बरता के साथ लाठियां भांजी। एक तरफ़ मोदी जी महिला सम्मान की बात करते है तो दूसरी तरफ़ यूपी की भाजपा सरकार महिलाओं का सम्मान लाठियों से पीट कर करती है। कथनी और करनी का सच सामने है।

कुढ़नी में भी तेजस्वी की आरजेडी का खेल खराब करेंगे ओवैसी

एआईएमआईएम का उपचुनाव लड़ने का ऐलान

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की कुढ़नी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की आरजेडी का खेल बिगाड़ेंगे। एआईएमआईएम ने कुढ़नी में उपचुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। हाल ही में गोपालगंज में हुए चुनाव में भी ओवैसी की पार्टी ने उम्मीदवार उतारा था और 12 हजार से ज्यादा वोट हासिल कर आरजेडी को नुकसान पहुंचाया।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल इमान ने कहा है कि उनकी पार्टी ने कुढ़नी उपचुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। विधानसभा क्षेत्र में इसके लिए सर्वे किया जा रहा है। मजबूत उम्मीदवार की तलाश जारी है। जल्द ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

कुढ़नी में 5 दिसंबर को वोटिंग

मुजफ्फरपुर जिले की कुढ़नी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 5 दिसंबर को मतदान होगा।

वोटों की गिनती 8 नवंबर को होगी। नामांकन की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हो जाएगी। आरजेडी के अनिल साहनी के एलटीसी घोटाले में सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई, जिसके बाद कुढ़नी में उपचुनाव की नौबत आई है। महागठबंधन से इस सीट पर आरजेडी के ही किसी उम्मीदवार को टिकट दिए जाने की संभावना है। गोपालगंज और मोकामा में इस महीने हुए उपचुनाव से पहले डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने ओवैसी की पार्टी को बीजेपी की बी टीम करार दिया था। इस पर सियासी घमासान मचा और ओवैसी ने पलटवार करते हुए तेजस्वी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे दी थी।

एक दिन पहले जारी हुए उपचुनाव के नतीजों में गोपालगंज सीट पर आरजेडी प्रत्याशी को बीजेपी से महज 1789 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इसी सीट पर एआईएमआईएम के प्रत्याश अब्दुल सलाम को 12 हजार से ज्यादा वोट मिले। चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि ओवैसी की पार्टी ने आरजेडी के वोटबैंक में सेंधमारी की, नहीं तो चुनाव नतीजे तेजस्वी यादव की पार्टी के पक्ष में हो सकते थे।

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका, याचिका खारिज

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है और अब्दुल्ला आजम की याचिका ख़ारिज कर दी है।

बता दें कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में रामपुर की सुआर विधानसभा क्षेत्र से अब्दुल्ला आजम के विधायक के तौर पर चुनाव को रद्द करने के आदेश दिए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला आजम की तरफ से पेश किए गए जन्म प्रमाण पत्र को फर्जी पाया था और उनकी सदस्यता को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने पाया था कि 2017 में चुनाव लड़ने के दौरान अब्दुल्ला आजम की उम्र 25 साल के कम थी।

अब्दुल्ला आजम खान के वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई के दौरान कहा था कि एम्स में भी जन्म प्रमाणपत्र को डायरेक्टर या

डिपार्टमेंट के हेड वेरीफाई नहीं करते हैं। सर्टिफिकेट पर इंट्री सीनियर डॉक्टर या डिपार्टमेंट का हेड नहीं करता है। सर्टिफिकेट पर इंट्री रेज़ीडेंट डॉक्टर या कोई अन्य करता है। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब्दुल्ला आजम पर 2017 में विधानसभा चुनाव लड़ते समय अपनी उम्र अधिक बताने के साथ गलत शपथपत्र देने का आरोप है। इस मामले में अब्दुल्ला के ख़िलाफ़ याचिका चुनाव में उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार रहे काज़िम अली ख़ान ने दायर की थी। काजिम अली खान 2017 विधानसभा चुनाव में सुआर विधानसभा सीट से बीएसपी के उम्मीदवार थे।

बता दें कि आजम खान को भी हेट स्पीच मामले में दोषी पाया गया है और उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। यानी आजम खान 42 साल बाद किसी भी सदन के सदस्य नहीं रहेंगे। आजम खान को तीन वर्ष की सजा भी सुनाई गई है। मई महीने में ही आजम खान सीतापुर जेल से छूटे थे। 28 महीने से वे जेल में बंद थे। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने आजम खान का केस लड़ा था और सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिली थी।

26 नवंबर को लखनऊ में बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे किसान

राकेश टिकैत का ऐलान

प्रयागराज, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने 26 नवंबर को लखनऊ में किसानों के बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भाकियू योगी सरकार के विरोध में राज्यपाल का घेराव करेगी। टिकैत ने कहा कि 26 जनवरी 2020 को किसान आंदोलन की शुरुआत हुई है। इसके बाद 26 जनवरी 2023 को देश के सभी प्रदेशों की राजधानियों में कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि यह क्रांति दिवस है, हम सरकार को इसकी याद दिलाएंगे। प्रयागराज में रविवार को आयोजित किसान महापंचायत में टिकैत बीजेपी सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार विशेष प्रकार के सरसों के तेल की इजाजत दे रही है। इसके दो प्लांट उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर और राजस्थान के भरतपुर में प्लांट लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जहरीला सरसों है। हमारी सरकार जल्द ही विदेश से सरसों लाने के लिए व्यवस्था बनाएगी।

गोला गोकर्णनाथ की हार के बाद मायावती ने सपा के जख्मों पर छिड़का नमक

पूछा-अब कौन सा बहाना बनाएंगे अखिलेश

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी की गोला गोकर्णनाथ सीट पर समाजवादी पार्टी की करारी हार को लेकर ट्वीट के जरिए अखिलेश यादव पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि गोला में बीएसपी मैदान में नहीं थी। अब सपा अपनी इस हार के लिए कौन सा बहाना बनाएगी?

दरअसल, यूपी के पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से ही बसपा और समाजवादी पार्टी के बीच वोटरों को संदेश देने की होड़ लगी है। इसमें समाजवादी पार्टी जहां बीएसपी पर बीजेपी से मिलीभगत कर जानबूझकर ऐसे उम्मीदवार खड़े करने का आरोप लगा रही है जो सपा कैंडिडेट को नुकसान और बीजेपी को फायदा पहुंचाए तो वहीं बीएसपी कह रही है कि मुसलमानों के एकतरफा सपा के पक्ष में मतदान करने की वजह से यूपी चुनाव में हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण हो गया। इसी वजह से बीजेपी दोबारा बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब रही और बीएसपी को अब तक की सबसे बुरी हार (2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में बीएसपी को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली है) का सामना करना पड़ा।

मायावती की कोशिश वोटरों, खासकर मुस्लिम वोटरों को यह

समझाने की है कि यूपी में बीएसपी ही वो पार्टी है जो बीजेपी को हरा सकती है इसलिए सपा को वोट देने का कोई फायदा नहीं है। उधर, समाजवादी पार्टी लगातार बीएसपी को बीजेपी से मिलीभगत करने वाली पार्टी बता रही है। इस साल जून में आजमगढ़ संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की हार के बाद भी अखिलेश यादव ने बीएसपी को खासतौर पर जिम्मेदार ठहराया था। बता दें कि बसपा ने आजमगढ़ से शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को उतारा था। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि बसपा जानबूझकर ऐसे प्रत्याशी खड़े करती है जिससे सपा के वोट बंट जाएं और बीजेपी को फायदा हो। गोला गोकर्णनाथ उपचुनाव में बसपा और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किए थे। पिछले चुनाव में यहां बीजेपी को 48.65 प्रतिशत, सपा को 37.40 प्रतिशत, बीएसपी को 10.37 प्रतिशत और कांग्रेस को 1.35 प्रतिशत वोट मिले थे। सपा को उम्मीद थी कि पिछली बार कांग्रेस और बीएसपी को वोट देने वाले ज्यादातर वोटर इस बार उसका साथ देंगे लेकिन छह नवम्बर को आए उपचुनाव के नतीजों ने इस सारे गणित पर पानी फेर दिया। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस बार पिछले चुनाव के मुकाबले करीब 36 हजार कम लोगों ने मतदान किया।

इससे यह संकेत मिलता है कि बीएसपी और कांग्रेस के वोटर नहीं निकले और सपा के वोटरों ने भी पहले जैसा उत्साह नहीं दिखाया।

बहरहाल, समाजवादी पार्टी गोला में अपनी हार की समीक्षा के साथ आगामी 5 दिसम्बर को मैनपुरी संसदीय सीट और रामपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इधर, मायावती ने मैनपुरी चुनाव को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

अखिलेश ने सैफई में नेताओं-कार्यकर्ताओं संग किया मंथन, मैनपुरी से प्रत्याशी का नाम तय

मायावती ने अपने पहले ट्वीट में लिखा-'यूपी के खीरी का गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उपचुनाव भाजपा की जीत से ज्यादा सपा की 34,298 वोटों से करारी हार के लिए काफी चर्चाओं में है। बीएसपी जब अधिकांशतः उपचुनाव नहीं लड़ती है और यहाँ भी चुनाव मैदान में नहीं थी, तो अब सपा अपनी इस हार के लिए कौन सा नया बहाना बनाएगी?' बसपा सुप्रीमो ने दूसरे ट्वीट में लिखा-'अब अगले महीने मैनपुरी लोकसभा व रामपुर विधानसभा के लिए उपचुनाव में, आजमगढ़ की तरह ही, सपा के सामने अपनी इन पुरानी सीटों को बचाने की चुनौती है। देखना होगा कि क्या सपा ये सीटें भाजपा को हराकर पुनः जीत पाएगी या फिर वह भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है, यह पुनः साबित होगा।'

मुलायम के बाद चुनौतियां बेशुमार

मैनपुरी में सबसे कठिन परीक्षा को अखिलेश कितने तैयार?

मैनपुरी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, बीते 10 अक्टूबर को पिता और पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से ही कई नई चुनौतियों से घिरे नज़र आ रहे हैं। छह नवम्बर को गोला गोकर्णनाथ सीट पर पार्टी की हार ने जून में आजमगढ़ और रामपुर संसदीय सीट पर हुई हार की टीस को बढ़ा दिया है। इस बीच पिता मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी संसदीय सीट और हेट स्पीच मामले में आजम खां को तीन साल की सजा मिलने के बाद विधानसभा से उनकी सदस्यता समाप्ति के चलते खाली हुई रामपुर विधानसभा सीट पर 5 दिसम्बर को मतदान का ऐलान हो गया है। इस बार रामपुर का रण भी सपा के लिए मुश्किलों भरा है लेकिन मैनपुरी में तो यादव परिवार की सियासी ताकत की सबसे बड़ी परीक्षा होने वाली है। इस सीट पर मुलायम सिंह यादव पिछले 33 साल से जबरदस्त पकड़ बनाए हुए थे। कभी खुद कभी परिवार या पार्टी के किसी सदस्य को वह यहां से सांसदी जिताते रहे। अब तक हुए उपचुनावों में भी समाजवादी पार्टी यहां अजेय रही। ऐसे में यदि कहीं इस बार गढ़ में नतीजे अनुकूल नहीं रहे तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रही समाजवादी पार्टी को लेकर सियासी गलियारों में संदेश अच्छा नहीं जाएगा। इसका असर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल और तैयारी पर भी पड़ सकता है। मैनपुरी लोकसभा सीट के लिए 5 दिसम्बर को तीसरी बार उपचुनाव होने जा रहा है। इसके पहले 2004 में इस सीट पर तब उपचुनाव हुआ था जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के लिए मैनपुरी के सांसद मुलायम सिंह यादव ने इस्तीफा दिया। उपचुनाव हुआ तो धर्मेंद्र यादव सांसद चुने गए। दूसरी बार 2014 में मुलायम मैनपुरी और आजमगढ़ से चुनाव जीते तो उन्होंने मैनपुरी से इस्तीफा दे दिया। उपचुनाव हुआ तो तेजप्रताप यादव को सांसद बनने का मौका मिला और अब मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी के लोगों को उपचुनाव का सामना करना पड़ रहा है। 2004 में मैनपुरी के सांसद मुलायम सिंह यादव ने इस्तीफा दिया तो सैफई के ब्लाक प्रमुख रहे धर्मेंद्र यादव को उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा गया। इस चुनाव में भारी हंगामा हुआ। धांधली के आरोप लगे। विवाद इस कदर हुआ कि विपक्ष की शिकायत पर आयोग को ये उपचुनाव ही कैंसिल करना पड़ा।

कटिहार की हवा सबसे जहरीली

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में मौसम सर्द होता जा रहा है। शाम को और सुबह में धुंध और कोहरे की शुरूआत हो चुकी है। इसके बावजूद पिछले कुछ दिनों की तुलना में हवा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। कई शहरों में हवा में जहर और घातक पदार्थों की मात्रा बढ़ी है। लेकिन अधिकतर इलाकों में सुधार हुआ है। इस बीच राजधानी पटना में एक इलाके की हवा आज भी मानव स्वास्थ्य के लिए घातक है।

अंबेडकर प्रतिमा लगाने पर बरेली में बवाल

भीड़ ने किया पथराव, पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर खदेड़ा

बरेली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में बिना अनुमति रात में लगाई गई अंबेडकर प्रतिमा को हटाने गई पुलिस और नगर पंचायत की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। इसके बाद यहां बवाल हो गया। छतों से भी पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके गए। इस पर पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को खदेड़ दिया। मौके पर बड़ी तादात में पुलिस बल तैनात किया गया है। सिरौली के मोहल्ला साहूकारा में रविवार रात कुछ लोगों ने गुपचुप तरीके से ग्राम समाज की जमीन पर अंबेडकर प्रतिमा स्थापित कर दी। सुबह जब लोगों को इसकी जानकारी मिली तो विरोध शुरू हो गया। सूचना पर सीओ अजय गौतम और एसडीएम एन राम मौके पर पहुंचे। भीम आर्मी और वहां के एक अन्य स्थानीय नेता को थाने में बैठाकर बात की गई। उन लोगों ने प्रतिमा हटाने की हामी भरी और अनुमति लेने के बाद ही स्थापित करने की बात कही। इसके बाद जब पुलिस मूर्ति हटाने पहुंची तो समझौते में बैठने वाले लोग गायब हो गए और महिलाएं सामने आकर विरोध करने लगीं। नगर पंचायत के कर्मचारी जब प्रतिमा हटाने लगी तो महिलाओं ने पथराव शुरू कर दिया और वहां बवाल हो गया। इस पर पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को खदेड़ दिया। अब नगर पंचायत की टीम मूर्ति को हटाने के बाद चबूतरा हटाने का काम कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा मौत की सज़ा का फ़ैसला

तीनों दोषियों की रिहाई के आदेश

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2012 के छावला रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने तीनों दोषियों की मौत की सजा का फैसला पलट दिया है और इनकी रिहाई का आदेश दिया है। इस केस को दूसरा निर्भया केस कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को रद्द किया है। जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। बता दें रवि कुमार, राहुल और विनोद को अपहरण, बलात्कार और हत्या के विभिन्न आरोपों के तहत दोषी ठहराया गया था। 7 अप्रैल 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने तीन दोषियों की मौत पर फैसला सुरक्षित रखा था। सुप्रीम कोर्ट को तय करना था कि तीनों की मौत की सजा बरकरार रखी जाए या नहीं। जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने सभी पक्षों की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। दिल्ली पुलिस ने मौत की सजा कम करने की अर्जी का विरोध किया था। पुलिस की ओर से एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि ये अपराध सिर्फ पीड़िता के साथ नहीं बल्कि पूरे समाज के साथ हुआ है। दोषियों को कोई रियायत नहीं दी जा सकती क्योंकि उन्होंने ऐसा वहशियाना अपराध किया है। दोषियों ने ना केवल युवती से सामूहिक बलात्कार

किया बल्कि उसके मृत शरीर का अपमान भी किया। दिल्ली की द्वारका अदालत ने फरवरी 2014 में तीन लोगों को 2012 में 19 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार और हत्या के लिए दोषी ठहराया था और मौत की सजा सुनाई थी। पीड़िता का क्षत-विक्षत शरीर हरियाणा के रेवाड़ी में एक खेत में मिला था। उस पर कार के औजारों व अन्य चीजों से बेदर्दी से हमला किया गया था। रवि कुमार, राहुल और विनोद को अपहरण, बलात्कार और हत्या के विभिन्न आरोपों के तहत दोषी ठहराया गया था।

26 अगस्त 2014 को दिल्ली हाईकोर्ट ने मौत की सजा की पुष्टि करते हुए कहा कि वे शिकारी थे जो सड़कों पर घूम रहे थे और शिकार की तलाश में थे।तीनों दोषियों ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस बीच, पीड़ित परिवार ने दोषियों द्वारा किए गए अपराध के बारे में पीठ को सहायता प्रदान करने के लिए एक हस्तक्षेप आवेदन दायर किया था

अभियोजन पक्ष यानी दिल्ली पुलिस के अनुसार, अपराध प्रकृति में बर्बर था क्योंकि उन्होंने पहले युवती का अपहरण किया, उसके साथ बलात्कार किया, उसकी हत्या की और उसके शव को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के रोधई गांव में एक खेत में फेंक दिया। अभियोजन पक्ष ने कहा, तीन लोगों ने नौ फरवरी 2012 की रात कुतुब विहार इलाके में उसके घर के पास से एक कार में युवती का अपहरण कर लिया था, जब वह काम से लौट रही थी। अभियोजन पक्ष ने कहा था कि रवि कुमार ने अन्य दो आरोपियों की मदद से अपराध को अंजाम दिया क्योंकि लड़की ने रवि कुमार के दोस्ती के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

बड़े बाड़े में चीतों ने किया पहला शिकार

चार बार नाकाम रहने के बाद उठाया दावत का लुत्फ

श्योपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कूनो नेशनल पार्क से अच्छी खबर आई है। रात को नामीबिया से लाए गए दो चीतों को बड़े बाड़ों में छोड़ा गया था। रविवार को चीतल के झुंड देखकर उन्होंने चार-पांच बार शिकार के लिए घात लगाई, लेकिन हर बार नाकाम रहे। हालांकि, बाद में उन्हें सफलता मिली। कूनो नेशनल पार्क के अधिकारी इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि चीतों को 24 घंटे के अंदर चीतल का शिकार करने में सफलता मिली है।

अब धीरे-धीरे अभ्यस्त हो जाएंगे

वन्य प्राणी विशेषज्ञों का दावा है कि चीतों के शिकार के शुरुआती प्रयास नाकाम रहे तो यह सामान्य है। उन्हें उम्मीद थी कि दो-तीन दिन में पहला शिकार कर लेंगे। हालांकि, यह अच्छी बात है कि 24 घंटे के भीतर ही उन्होंने पहला शिकार कर लिया है।

छोड़ने पर सहमे हुए थे चीते

शनिवार शाम को दोनों मेल चीतों को बड़े बाड़े में छोड़ा तो सहमे से दिखाई दिए। कुछ देर बाद दोनों खुले मैदान में दौड़ते दिखाई दिए। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीतों का वीडियो जारी किया था। उन्होंने लिखा था कि, "बढ़िया खबर! मुझे जानकारी दी गई है कि अनिवार्य क्वारेंटाइन के बाद दो चीतों को कूनो के प्राकृतिक-वास में अनुकूलन के लिए एक बड़े बाड़े में छोड़ दिया गया है। अन्य चीतों को भी जल्द ही उस बाड़े में छोड़ दिया जाएगा। मुझे यह जानकर भी खुशी हुई कि सभी चीते स्वस्थ हैं, सक्रिय हैं और अच्छी तरह से तालमेल बिठा रहे हैं।" बता दें, आठ में से दो चीतों को शनिवार 5 नवंबर को छोटे बाड़े से बड़े बाड़े मेंस छोड़ा गया था।

इंदौर में आधी रात को लड़कियों का उत्पात, चार ने एक को पीटा, वीडियो हुआ वायरल

इंदौर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के एलआईजी तिराहे पर आधी रात को लड़कियों ने जमकर उत्पात मचाया। चार लड़कियों ने एक लड़की को बेरहमी से पीटा। उसका मोबाइल भी सड़क पर पटक-पटकर तोड़ दिया। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है। पुलिस ने इस मामले में कोई शिकायत नहीं मिलने की बात कही है। दो महीने पहले जिला प्रशासन ने इंदौर के बीआरटीएस कॉरिडोर के बाजारों को 24 घंटे खुला रखने की छूट दी थी। इसके साइड इफेक्ट्स नजर आने लगे हैं। रात को पुलिस की गश्त कम होती है। दो दिन पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें एलआईजी तिराहे पर तीन लड़कियां एक लड़की को पीटती नजर आ रही है। लड़कियों के बीच विवाद का वहां मौजूद तमाशबीनों ने वीडियो बनाया।

फिलहाल इस मामले में अभी तक पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया है। वीडियो में दिख रहा है कि तीन लड़कियां एक लड़की को बेरहमी से लात-घूंसों से पीट रही है। सड़क पर पड़ी बेसुध लड़की उनका विरोध करने की स्थिति में नजर नहीं आ रही थी। एक लड़की ने पीड़ित लड़की का मोबाइल भी तोड़ दिया।

उन्नाव गैंगरेप मामला

अदालत ने तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ आरोप तय करने का दिया आदेश, लापरवाही आई सामने

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने उत्तर प्रदेश के तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ आरोप तय करने के मामले में आगे बढ़ने का आदेश दिया है, जिन्होंने 2017 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के खिलाफ नाबालिग के आरोपों को दर्ज करने में विफल रहने पर बलात्कार के मामले को शुरू में संभाला था। अदालत ने हाल ही में उन्नाव में सफीपुर के सर्कल ऑफिसर के रूप में तैनात कुंवर बहादुर सिंह की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सीबीआई द्वारा दायर मामले से आरोप मुक्त करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि पीड़िता की शिकायत दर्ज नहीं करने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 166 ए के तहत मामला दर्ज किया गया था कि सेंगर ने 4 जून, 2017 को उसके साथ बलात्कार किया था। मुख्यमंत्री कार्यालय में अपनी शिकायत के बाद भी निष्क्रियता का सामना करते हुए, पीड़िता ने 8 अप्रैल, 2018 को

लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह करने का प्रयास किया, जो राज्य में एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन गया। अदालत ने माखी थाने के पूर्व एसएचओ डीपी शुक्ला और उपनिरीक्षक दिग्विजय सिंह के खिलाफ भी आरोप तय करने के मामले में आगे बढ़ने का आदेश दिया है। पीड़िता ने 17 अगस्त 2017 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिए अपने आवेदन में आरोप लगाया था कि उसी साल 4 जून को सेंगर ने उसके साथ बलात्कार किया और बाद में 11 जून को तीन अन्य लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया, लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। उसकी शिकायत मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर दर्ज कर जांच के लिए कुंवर बहादुर सिंह को भेज दी गई है। सीबीआई जांच से पता चला है कि पीड़िता कुंवर बहादुर सिंह के सामने पेश हुई थी और उसने स्वीकार किया था कि उसने शिकायत की थी। सिंह ने शिकायत डीपी शुक्ला को भेजी थी, जिन्होंने इसे जांच करने वाले दिग्विजय सिंह को सौंप दिया था। 24 अगस्त, 2017 को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में, दिग्विजय सिंह ने कहा कि माखी पुलिस स्टेशन में 11 जून, 2017 की घटना का जिक्र करते हुए पहले ही एक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप पत्र पहले ही दायर किया जा चुका है।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि इन अधिकारियों ने लोक सेवक होने के नाते न तो ठीक से पूछताछ की और न ही आरोपों की उचित जांच सुनिश्चित की, विशेष रूप से सेंगर के खिलाफ बलात्कार की शिकायत से संबंधित। सेंगर को सीबीआई की विशेष अदालत ने 4 जून, 2017 को रोजगार की तलाश में अपने घर आई नाबालिग से बलात्कार के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है।

आदमपुर में कांग्रेस पर भारी पड़ी गुटबाजी

भूपिंदर हुड्डा को झटका और हाईकमान को संदेश

आदमपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 6 राज्यों में 7 सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका लगा है। उसे तेलंगाना में मुनुगोदे सीट पर करारी हार झेलनी पड़ी है, जिसे उसने 37000 वोटों से जीता था। इसके अलावा हरियाणा की आदमपुर विधानसभा सीट पर भी कांग्रेस को हार मिली है, जो लंबे समय तक उसका गढ़ रही है। आदमरपुर सीट पर हार ने कांग्रेस की रणनीति और उसकी एकता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इसकी वजह यह है कि आदमपुर उपचुनाव की पूरी कमान भूपिंदर सिंह हुड्डा ग्रुप के हाथों में थी और कुमारी शैलजा जैसे वरिष्ठ नेता यहां प्रचार से भी गायब रहे। ऐसे में इस हार को भूपिंदर सिंह हुड्डा को झटके और हाईकमान को इस संदेश के तौर पर देखा जा रहा है कि अकेले हुड्डा कैंप के भरोसे हरियाणा में फतह मिलना मुश्किल होगा।

50 साल में पहली बार आदमपुर में खिला कमल

तीन साल पहले आदमपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने 29,000 वोटों से जीत हासिल की थी। लेकिन अब यहां भव्य बिश्नोई के भरोसे भाजपा को कमल खिलाने का मौका मिल गया है। इस चुनाव से दो संदेश मिले हैं। पहला यह कि बिश्नोई परिवार के भाजपा संग जाने से पूर्व सीएम भजनलाल का सपोर्ट बेस कांग्रेस से छिटककर भाजपा के पास चला गया है। 50 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार है, जब यहां से कमल खिला है। दूसरा संदेश यह है कि पार्टी हाईकमान ने हुड्डा कैंप के हवाले हरिय़ाणा कर दिया है और गुटबाजी के चलते संकट पैदा हो रहा है। ऐसे में उसे बैलेंस बनाना होगा ताकि कुमारी शैलजा समेत अन्य नेताओं को भी सक्रिय किया जा सके।

हुड्डा कैंप के हाथ थी कमान, मात पर उठ रहे हैं सवाल

कुछ महीने पहले ही हरियाणा में कुमारी शैलजा को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटवाने में सफलता पाने वाले हुड्डा कैंप के हाथों ही इस उपचुनाव की कमान थी। उनके करीबी उदयभान अब प्रदेश अध्यक्ष हैं और उनके कहने पर ही जयप्रकाश को आदमपुर से कांग्रेस का टिकट मिला था। इसके अलावा दीपेंदर सिंह हुड्डा कैंपेन की कमान संभाल रहे थे। ऐसे में इस हार ने हुड्डा कैंप की ताकत और सियासी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। कुमारी शैलजा दलित नेता हैं और उनकी हरियाणा में अच्छी पकड़ रही है। वहीं हुड्डा को जाट बिरादरी के नेता के तौर पर शुमार किया जाता है। ऐसे में कांग्रेस हाईकमान के आगे चुनौती होगी कि वह हुड्डा और शैलजा के बीच बैलेंस बनाकर चले।

शैलजा के अलावा सुरजेवाला भी दिखे गायब

आदमपुर में हार पर सवाल इसलिए भी खड़े हो रहे हैं क्योंकि यह सीट हिसार जिले में आती है, जो कुमारी शैलजा का गृह क्षेत्र है। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला भी चुनाव प्रचार में ऐक्टिव नहीं दिखे हैं। इससे साफ है कि कांग्रेस की अंदरुनी कलह उपचुनाव पर भारी पड़ी है।

बड़े बिजनेसमैन ने पत्नी को पीटा: सिर में गंभीर चोट

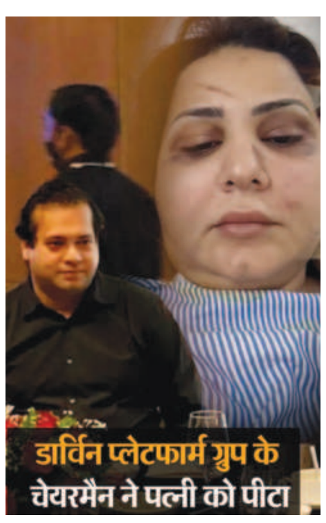

भोपाल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बड़े बिजनेस ग्रुप डार्विन प्लेटफॉर्म ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और एमडी की पत्नी ने उन पर बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगाया है।

बोलीं- उसे अलग-अलग लड़कियों से शादी का शौक है

भोपाल में रहने वाली महिला के पैर में फ्रैक्चर और सिर में गंभीर चोट आई है। उनके शरीर के बाकी हिस्सों में भी चोट के निशान हैं। आरोप लगाने वाली महिला अमृता सिंह के पति अजय हरिनाथ सिंह बड़े बिजनेसमैन हैं।

अजय हरिनाथ बिजनेस टाइकून हैं। उनका बैंकिंग, रियलिटी सेक्टर, हॉस्पिटेलिटी, माइनिंग और फार्मास्युटिकल्स का बिजनेस है। कम्पनी का हेड ऑफिस मुंबई में है। उन्हें टाइम्स पावर मेन और यंग आइकॉनिक एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड्स से भी सम्मानित किया जा चुका है। अमृता वर्तमान में तुलसी टावर भोपाल में रह रही हैं।

महिला ने अस्पताल से वीडियो जारी कर ये आरोप लगाए

मैं अमृता अजय सिंह। मुझे नहीं पता मेरे पास कितना टाइम है। मेरी ये जो हालात है, वो अजय हरिनाथ सिंह ने की है। मैं पिछले 12 साल से अजय हरिनाथ से परेशान हूं। मेरी शादी 20 जनवरी 2011 में अजय हरिनाथ से हुई थी। जब मैं 7 महीने पेट से थी, तब पता चला कि वो पहले से शादीशुदा है। उसकी बीवी का नाम स्मृति अजय सिंह है। उससे एक बेटा भी है। जब ये बात मुझे पता चली तो पति ने बहुत मारा था, जिससे मेरी बच्चेदानी का मुंह खुल गया था। मैं 2 महीने अस्पताल में एडमिट रही। 2011 से टॉर्चर सह रही हूं।

इसको (पति) अलग-अलग लड़कियों से शादी करने का शौक है। जब मेरा तीसरा बेटा होने वाला था, तब पता चला इसने किसी फरनाज नाम की लड़की से शादी की हुई है। मेरे पास उसके स्क्रीनशॉट हैं। वो सब मैं सेंड करूंगी, ये हर वक्त ऐसे ही मारता-पीटता था। मेरे पास इसके भी सबूत हैं। ये कोविड के दौरान 'रेड पड़ने वाली है।' कहकर बच्चों के साथ मुझे घर से भगा देता था।

पति ने पोर्न एक्ट्रेस से शादी कर ली है। इस एक्ट्रेस ने ट्रिपल एक्स-1 (वेब सीरीज) में काम किया है। मेरे सारे सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर लिए हैं। मेरी गाड़ी, बच्चे सब लेकर भाग गया है। अब कह रहा है कि अगर किसी से शिकायत की तो तेरे भाइयों को अंदर करा दूंगा।

3 नवंबर को हुई थी महिला से मारपीट

अमृता सिंह ने बताया कि अजय हाल ही में भोपाल आया। वह घर पहुंचा। इसके बाद उसने मेरे साथ बेरहमी से मारपीट कर दी। उसने मुझे बहुत मारा। मेरे पैर में फ्रैक्चर है। सिर में गंभीर चोट लगी है। शरीर का ऐसा कोई हिस्सा नहीं है, जहां चोट नहीं है। अस्पताल में मुझे होश नहीं था, इसलिए पुलिस को बयान नहीं दे सकी। बयान के लिए 2 दिन का समय मांगा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	तुला में
चंद्र-	मेष में
मंगल	मिथुन में
बुध-	तुला में
गुरु-	मीन में
शुक्र-	तुला में
शनि-	मकर में
राहु-	मेष में
केतु-	तुला में

लग्नारंभ समय	
कन्या...	02-43 बजे
तुला-	04-49 बजे
वृश्चिक	06-59 बजे
धनु---	09-12 बजे
मकर-	11-18 बजे
कुंभ-	13-09 बजे
मीन...	14-47 बजे
मेष--	16-23 बजे
वृष--	18-08 बजे
मिथुन..	20-09 बजे
कर्क...	22-20 बजे
सिंह...	00-33 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि**-432000**
भोग्य कलि वर्ष**-426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्**-1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - **16-31** तक उपरान्त, प्रतिपदा
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , मंगलवार **08 Nov**
नक्षत्र - भरणी - **01 -38** - तक उपरान्त, कृत्तिका
योग - व्यतिपात **-21 - 44** - तक उप- वरियान
करण- बव - **16 - 31** - तक,उप- बालव
विशेष:- चंद्र ग्रहण~ **17-40** से **18-19** तक
व्रत -त्योहार - भीष्मपंचकव्रत पूर्ण

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:50 से 16:16 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:21 - 07:44	अशुभ	काल	17:41 - 19:16	अशुभ
उत्पात	07:44 - 09:09	अशुभ	लाभ	19:16 - 20:50	शुभ
चंचल	09:09 - 10:34	शुभ	उत्पात	20:50 - 22:25	अशुभ
लाभ	10:34 - 11:59	शुभ	शुभ	22:25 - 23:59	शुभ
अमृत	11:59 - 13:25	शुभ	अमृत	23:59 - 01:35	शुभ
काल	13:25 - 14:50	अशुभ	चंचल	01:35 - 03:09	शुभ
शुभ	14:50 - 16:16	शुभ	रोग	03:09 - 04:44	अशुभ
रोग	16:16 - 17:41	अशुभ	काल	04:44 - 06:21	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज नये-नये सोच-विचारों के साथ दिन की शुरुआत होगी। अपने आस-पास फैली निराशा को भी दूर करने में सफल रहेंगे तथा स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे।घर-परिवार में सुख-सुविधा की वस्तु खरीद सकते हैं।दावत में जाने के कई मौके प्राप्त होंगे।संतान के लिये दिन ठीक नहीं,वह अपनी जिम्मेदारियों से हटने का प्रयास करेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आज प्रात: से ही छोटे-मोटे कार्यो को समाप्त करने में लग जाएंगे और कुछ हद तक सफल भी रहेंगे।लगातार कार्य करने के घंटे बढ़ाने पड़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आप पर सवाल उठ सकते हैं।आप धैर्य का परिचय देंगे तथा आप जिस कार्य को कर रहे हैं उसे पूर्ण भी करेंगे। शाम होते-होते कई पुराने लोगों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आज आप प्रेम-संबंध को लेकर बड़े ही उत्साही रहेंगे। थोड़े से प्रयास से ही आप मन में चल रही किसी बात को पूरी करने में सफल रहेंगे।खर्चे सोच से अधिक होंगे।व्यावसायिक वर्ग से जुड़े लोगों के लिये दिन उत्तम है।आर्थिक दबाव भी बना रहेगा।यात्रा करने के लिये दिन ठीक नहीं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आज कोई ईश्वरीय मदद आपकी सहायता करेगी, पिछले कुछ समय में की गई मेहनत आज लाभ दे जायेगी।कोई आपको भ्रमित कर सकता है। किसी की बातों में ना आये तथा अपनी सुझबुझ से ही कार्य करें।जीवनसाथी के साथ पुराने वैचारिक मतभेद समाप्त होंगे। संतान के लिये दिन उत्तम है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज व्यावसायिक यात्राओं भरा दिन है।किसी काम को बीच में ही छोड़ देने का मन बनेगा किन्तु ये आपकी प्रतिष्ठा से जुड़ा है।मेहनत के अनुरूप लाभ प्राप्त होगा। भवन-निर्माण के कार्य को लेकर विचार करे सकते हैं।बड़े बहन-भाइयों को कोई उपलब्धि मिल सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज धर्म-कर्म में मन लगेगा तथा पारिवारिक लोगों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का मन बना सकते हैं।छोटे बहन-भाइयों की मदद करने का मौका प्राप्त होगा।संतान के लिये समय कुछ कठीन है। कार्यक्षेत्र में कोई नई चुनौतियाँ आपको मिल सकती हैं।मुंह में छाले या इंफेक्शन बढ़ सकता है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आज आत्मविश्वास उच्चकोटि का रहेगा तथा सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में बढोत्तरी होगी। अपने गुणों के कारण आप जाने जायेंगे।आय के नये-नये तरीके सामने आयेंगे जो अनिश्चय नुकसानदेह रहेंगे। माता के स्वास्थ्य में कुछ गिरावट हो सकती है।संतान के साथ वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — आप वैवाहिक जीवन में इतने व्यस्त रहेंगे कि आपको अपनी जिम्मेदारियों का अहसास भी नहीं रहेगा, जिस कारण माता-पिता से भी मतभेद हो सकता है।कहीं बाहर जाने का विचार मन में चल रहा था उस पर आज अमल कर सकते हैं। पुश्तैनी कार्यों से जुड़े लोगों के लिये कार्यों में कोई समस्या उत्पन्न हो सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आज धैर्य तथा सुझबुझ का तालमेल आपमें देखने को मिलेगा।अपने कार्यों को आप बड़ी गम्भीरता से लेंगे तथा बखूबी निभाने में सफल भी रहेंगे।व्यावसायिक यात्रा लाभकारी रहेगी।किसी से मिलने के लिये अस्पताल जाना पड़ सकता है।पिता के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — जो लोग प्रेम-संबंध में हैं उनके लिये समय उत्तम है,वे अपने विवाह की बात आगे बढ़ा सकते हैं।नौकरी पेशा व्यक्तियों के लिये दिन मिला-जुला रहेगा। जो लोग साझेदारी व्यवसाय में हैं, उन्हें मेहनत के अनुरूप लाभ प्राप्त होगा।संतान के किसी कार्य से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आज किसी भी कार्य में मन नहीं लगा पाएंगे तथा कई कार्य अधूरे ही छोड़ देंगे।छोटी-मोटी बातों पर क्रोध आयेगा,जिस कारण कोई महत्वपूर्ण कार्य आपके हाथों से निकल सकता है। व्यर्थ की भागादौड़ी बनी रह सकती है।माता के लिये दिन उत्तम है।ननिहाल से कोई उपहार की प्राप्ति हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी बात रखने के लिये कूटनीति अपनानी पड़ेगी तथा अपने सहयोगियों को कुछ उपहार देने का मन बनायेंगे। धन की व्यवस्था करने में लगातार लगे रहेंगे।कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किये गये कार्यों की प्रसन्नता होगी।दैनिक इन्कम में भी बढ़ोत्तरी हो सकती है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

पूर्व आईजीपी या पूर्व पुलिस अधिकारी सही

मूर्ति चोरी मामले में अब सीबीआई करेगी जांच

चेन्नई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के एक पूर्व पुलिस निरीक्षक की याचिका पर मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सीबीआई ने चोरी हुई मूर्तियों के मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। मद्रास उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई को मूर्ति शाखा से जुड़े सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ए जी पोन मनिकवेल के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। अब सीबीआई एक-एक पहलू की जांच करेगी।

सेवानिवृत इंस्पेक्टर कादेर बाचा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी पर लगाए थे गंभीर आरोप

सेवानिवृत इंस्पेक्टर कादेर बाचा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी मनिकवेल पर गंभीर आरोप लगाए थे। बाचा ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि मणिकवेल ने मूर्ति चोरी के मुख्य आरोपी दीनदयालन के साथ मिलीभगत कर अपने नौकरशाही प्रतिशोध को बुझाने के लिए उनके जैसे अधिकारियों पर झूठे मामले थोपना शुरू कर दिया। याचिका में अनुरोध किया गया था कि इस मामले को राज्य के सीबी-सीआईडी को सौंपा जाए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सीबीआई को सौंपा मामला

याचिका पर गौर करने के बाद न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने आरोपों की गंभीरता पर विचार किया और सीबीआई जांच का आदेश दे दिया। अदालत ने कहा कि इन आरोपों की जल्द से जल्द जांच की जाएं और इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती है। अदालत ने कहा कि यह मामला सीबीआई द्वारा सच्चाई को उजागर करने और अपराधियों के साथ-साथ अन्य प्राचीन मूर्तियों की बरामदगी के लिए जांच की जानी है, जो अभी भी मुख्य आरोपी सुभाष चंद्र कपूर के नियंत्रण में हैं जिनके खिलाफ जून 2019 में मानिकवेल द्वारा दी गई कथित राय के मद्देनजर जांच ठप हो गई थी।

कौन है मास्टरमाइंड सुभाष चंद्र कपूर?

बता दें कि सुभाष चंद्र कपूर को 2011 में इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर जर्मनी में गिरफ्तार किया गया था और 2012 को भारत को सौंप दिया गया था। कपूर को दयरपालयम सेंधमारी और न्यूयॉर्क में आर्ट ऑफ द पास्ट गैलरी को 94 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 19 प्राचीन मूर्तियों के अवैध निर्यात में दोषी ठहराया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 8 नवंबर, 2022

जानलेवा स्तर तक प्रदूषण

ठंडी का मौसम आते ही देश की राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण से बीमार हो जाती है। यही सिलसिला वर्षों से चल रहा है लेकिन जिम्मेदार हुक्मरान आज तक इसका हल नहीं खोज सके हैं। इस बार भी बढ़ रहे प्रदूषम से सरकारों के माथे पर पसीने नजर आ रहे हैं। दिवाली के बाद तो यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। इससे पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय किए लेकिन सब के सब बेकार ही साबित हुए हैं। हर साल प्रदूषण जानलेवा स्तर तक खतरनाक हो जाता है,इसलिए इस बार भी स्थिति बेहतर नहीं है। नतीजतन स्कूल बंद करने और दिल्ली सरकार के आधे कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। प्रदूषण को लेकर दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रेस कान्फ्रेंस में ईमानदारी से स्वीकार किया कि पराली जलाने के मामले में वे अपेक्षित सफलता नहीं पा सके हैं। फिर भी भरोसा दिलाया कि अगले साल तक पराली जलाने पर पूरी तरह लगाम लगा ली जाएगी। इससे जुड़े उपायों का विवरण भी उन्होंने दिया है। चूंकि दोनों जगह आम आदमी पार्टी की सरकार है, इसलिए दोनों मुख्यमंत्रियों ने मिल कर इस पर सफाई दी। बता दें कि इससे पहले जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार नहीं थी, तब दिल्ली की आप सरकार ही वायु प्रदूषण के लिए पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया करती थी। अब वहा उसकी खुद की सरकार है तो वह ऐसा नहीं कर सकती। लोग सवाल न खडा कर सकें इसलिए पहले ही बचने का यह तरीका निकाल लिया है। सब जानते हैं कि जब किसी राज्य में पराली या औद्योगिक इकाइयों का धुआं उठता है, तो वह केवल उसी राज्य तक सीमित नहीं रहता। हवा चलती है तो पड़ोसी राज्य भी उससे प्रभावित होते हैं। लेकिन इसी आधार पर कोई सरकार प्रदूषण का दोष दूसरे राज्यों पर मढ़ कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ ले तो वह सवालों के घेरे में तो आएगी ही। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को आए अभी छह महीने हुए हैं और धान तथा गेहूं की फसल के बीच मुश्किल से दस-बारह दिन का समय मिलता है, इसलिए किसानों के पास पराली जलाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा था। उनका दावा है कि उन्होंने पराली निस्तारण के लिए मशीनें खरीदी हैं और संयंत्र लगाया है, जो पराली से गैस आदि का उत्पादन करेगा। सेटेलाइट के जरिए पराली जलाने पर नजर रखी जा रही है। देखा जाए तो पराली जलाने की प्रवृत्ति कोई नई नहीं है। यह व्यवस्था तो जबसे धान पैदा हुआ है तभी से बनी हुई है और हर साल इसमें कुछ बढ़ोतरी ही दर्ज हो रही है। पिछले साल दिल्ली सरकार ने पराली को खेत में ही गलाने के लिए एक विशेष प्रकार के घोल का प्रचार किया था। उसका दावा था कि इससे पराली जलाने की समस्या समाप्त हो जाएगी। वह घोल सरकार किसानों को मुफ्त मुहैया करा रही थी। फिर क्या हुआ कि वह घोल इस साल खेतों में नहीं छिड़का गया? दरअसल, हर साल जब वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाता है, तो दिल्ली सरकार तदर्थ उपायों से इस पर काबू पाने के प्रयास में जुटती है। पेड़ों पर पानी छिड़कने, निर्माण कार्य रोक देने, वाहनों में सम-विषय योजना लागू करने जैसे आजमाए गए नुस्खे पर काम करती है। इसी तरह स्माग टावर लगा कर दावा किया गया कि इससे प्रदूषण को सोख लिया जाएगा। दिल्ली में बाहर से आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश पहले ही वर्जित कर दिया है, ज्यादातर चार पहिया और सभी तिपहिया वाहनों में सीएनजी इस्तेमाल होता है। फिर भी प्रदूषण का स्तर बेकाबू हो रहा है, तो इस पर परदा डालने के लिए दिल्ली और पंजाब सरकारें जो भी तर्क दें, लेकिन हकीकत यही है कि दिल्ली वालों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो उनके काम व्यावहारिक धरातल पर क्यों नहीं दिखाई दे रहे हैं।

'समतामूलक समाज के उन्नायक गुरुनानक देव '

-डॉ. अशोक कुमार भार्गव

सिख धर्म के संस्थापक आदि गुरु नानक देव जी मानवीय कल्याण के प्रबल पक्षधर थे जिन्होंने समकालीन सामाजिक राजनीतिक और धार्मिक परिस्थितियों की विसंगतियों विडंबनाओं, विषमताओं, धार्मिक आडंबरों,कर्मकांडों अंधविश्वासों तथा जातीय अहंकार के विरुद्ध लोक चेतना जागृत की और इसके साथ ही तत्कालीन लोदी और मुगल शासकों के बलपूर्वक मतांतरण तथा बर्बर अत्याचारों के विरुद्ध प्रखर राष्ट्र वाद का निर्भीकतापूर्वक क्रांतिकारी शंखनाद किया। उन्होंने विभिन्न उपमाओं, रूपकों ,प्रतीकों और संज्ञाओं से परिपूर्ण अमृतवाणी से एक ओंकार सतनाम, आध्यात्मिक पवित्रता ,सामाजिक समरसता, साम्प्रदायिक सद्भाव, कौमी एकत,बंधुता लैंगिक समानता ,नारी सम्मान के साथ ही भेदभाव रहित समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त कर अपने स्वतंत्र दृष्टिकोण से हिंदू धर्म को संगठित संघर्ष प्रदान किया। गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 में लाहौर के पास तलवंडी नामक स्थान में जो अब ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध है, हुआ था। इनके पिता पटवारी कालू मेहता और माता का नाम तृप्ता देवी था। वह बचपन से ही ईश्वरीय प्रतिभा से संपन्न दिव्यात्मा थे जो ध्यान, भजन, चिंतन, सत्य, अहिंसा, संयम और आध्यात्मिक विषयों में ही अधिक रूचि लेते थे। उनके जीवन की अनेक अलौकिक, असाधारण और चमत्कारिक घटनाएं हैं जो उनकी कर्म, भक्ति और ज्ञान साधना की महानता तथा अनासक्त भाव को प्रकाशित करती हैं। पाठशाला में वे शब्द के साधक बन अपने समय से बहुत आगे भविष्य को पढ़ रहे थे। परा विद्या से अक्षरों की वर्णमाला में उन्हें परमात्मा की एकता और उनके स्वरूप का रहस्य दिखाई देता था। उनकी आध्यात्मिक ऊंचाई को देख उनके गुरु और मुल्ला गुरु भी शिष्य बन गए। यज्ञोपवित संस्कार के समय वे कहते हैं की 'जनेऊ के लिए दया का कपास हो, उस दया रूपी कपास से संतोष रूपी सूत काता गया हो,साधना की गांठ हो। जैसे कर्म योगी कृष्ण ने गीता में उद्घाटित किया कि आत्मा को आग जला नहीं सकता, जल गला नहीं सकता, पवन उड़ा नहीं सकता उसी प्रकार जनेऊ ऐसा हो जो न कभी टूटे न कभी मैला हो और न कभी नष्ट हो। जिसने इस रहस्य को समझ लिया वही इस संसार में धन्य है। चरवाहे का कार्य करते समय वृक्ष के नीचे सो जाते हैं तब वृक्ष की छाया सूर्य से निरपेक्ष हो जाती है। नानक जी का मन बच्चों के साथ खेलने कूदने में नहीं लगता साधु संतों की संगति अच्छी लगती है। पिता कालू मेहता नानक के स्वास्थ्य की चिंता से वैद्य को बुलाते हैं। नानक जी वैद्य से कहते हैं कि मेरे शरीर में कोई विकार नहीं है। मेरा दर्द उस परमात्मा से न मिल पाने यानी वियोग से पैदा हुआ दर्द है। यदि इसकी कोई औषधि तुम्हारे पास हो तो ले आओ। पिता नानक जी को सच्चा सौदा करने के लिए कम कीमत पर वस्तुएं खरीद कर अधिक कीमत पर बेचने के लिए कहते हैं किंतु नानक पिता के दिए पैसों से भूखे प्यासे साधु संतो को रसद खरीद कर दे देते हैं। उनकी दृष्टि में भूखे को अन्न देना ही सच्चा सौदा है। सुल्तानपुर लोदी में नौकरी करते हुए वह घर जोड़ने की माया से विमुख सारी तनख्वाह गरीबों और जरूरतमंदों को बांट देते हैं। उनके मन में नकार बिल्कुल नहीं है ।इसलिए वे विवाह के लिए हां करते हैं क्योंकि इसके लिए सामाजिक उत्तरदायित्व से पलायन न करते हुए गृहस्थ आश्रम में रहकर भी सच्चा धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन जिया जा सकता है। वे साधु होकर भी जन समाज में ही रहे उनके सुख-दुख में भाग लेकर उनसा ही जीवन व्यतीत करते रहे। मोदी खाने में एक दिन आटा तोलते समय तेरा तेरा अर्थात ईश्वर का करते हुए सारा आटा ही तोल दिया। नानक जी नदी में स्नान करने जाते हैं तो 3 दिन बाद एकाएक प्रकट होकर कहते हैं कि ₹न कोई हिंदू है ना कोई मुसलमान। मैं इंसान और इंसान के बीच कोई फर्क नहीं मानता। ईश्वर मनुष्य की पहचान उसके अच्छे गुणों से करता है न कि उसके हिंदू या मुसलमान होने के कारण। एक काजी ने नानक को मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ने के लिए आदेश दिया नानक मस्जिद में गए जरूर लेकिन नमाज नहीं पढ़ी। शासक दौलत खान ने नमाज न पढ़ने के लिए नानक से पूछा तो नानक ने कहा कि मैं नमाज किसके साथ पढ़ता। आप भी तो नमाज नहीं पढ़ रहे थे आपका तो ध्यान तो कंधार में घोड़े खरीदने में था ।वही काजी इस चिंता में डूबे हुए थे कि कहीं घोड़ी का नवजात शिशु आंगन के कुएं में न गिर जाए। पांच वक्त की नमाज के बारे में पूछने पर नानक जी कहते हैं कि ₹उसकी पहली नमाज सच्चाई है, ईमानदारी की कमाई दूसरी नमाज है, खुदा की बंदगी तीसरी नमाज है, मन को पवित्र रखना उसकी चौथी नमाज है और सारे संसार का भला चाहना उसकी पांचवी नमाज है ।जो ऐसी नमाज पढ़ता है वही सच्चा मुसलमान है। नानक की दृष्टि में किसी भी प्रकार की सामर्थ्य शक्ति या क्षमता प्राप्त करके एकांत में जा बैठना और उसका उपयोग समाज हित के लिए न करना कर्तव्य से विमुख होना है अपने दायित्वों से पलायन करना है। गुरु नानक जी ने लगभग 15 वर्षों तक भारत की चारों दिशाओं के प्रमुख स्थानों की यात्रा की ।अंत में अफगानिस्तान ईरान इराक अरब तक ले गए। इस दौरान उनकी अनुभूति की गहनता और अधिक प्रखर हुई। वे जीवन पर्यंत पांच प्रार्थनाओं सत्य,यथार्थ, ईश्वर के नाम पर दया, सद्विचार तथा ईश्वर की स्थिति और गुणगान के लिए समर्पित रहे। गुरु नानक जी कहते थे कि ऊंच-नीच और भेदभाव की अमानवीय प्रथा को समाप्त करना होगा उन्होंने सदैव इस बात पर बल दिया कि हम सब मिल जुल कर रहें की शिकायत ना करें और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करें ईमानदारी से परिश्रम कर अपनी आजीविका कमाई मिल बांट कर खाएं और मर्यादा पूर्वक ईश्वर का नाम जपते हुए आत्म नियंत्रण रखें किसी भी तरह के लोग अथवा लालच को त्याग कर परिश्रम और न्याय उचित तरीके से कर्मठता पूर्वक धन कमाए। उन्होंने सामाजिक सद्भाव और एकता के लिए एक ही धर्मशाला में एकत्रित होकर सामूहिक लंगर ,सामूहिक आराधना और सामुदायिक जीवन के आधार पर छुआछूत और अस्पृश्यता के विरुद्ध व्यापक चेतना जागृत की। वे लंगर में तब तक भोजन नहीं ग्रहण करते थे जब तक भोजन बनाने वाले और आंगन में झाड़ू लगाने वाले उनके साथ पंगत में आकर नहीं बैठ जाते थे। दीन दुखियों पीड़ितों निर्बलो उपेक्षितों और ठुकराए हुए जनों के उद्धारक नानक ने अछूत लालू की मेहनत की कमाई की रोटी से दूध और मलिक भागो के पकवान से जो झूठ फरेब घूस और बेईमानी से बना था, खून टपका कर कहा कि वह व्यक्ति ऊंचा है जो अपनी मेहनत की कमाई खाता है और उसी में से कुछ गरीबों को दान करता है। उनका विश्वास है कि गुरु कृपा से ईश्वर को अपने अंतस में प्रतिष्ठित करें तभी ईश्वर दर्शन संभव है। यह संसार जो ईश्वर का ही मंदिर है जो गुरु के बिना अंधकारमय है। नानक की दृष्टि में सृष्टिकर्ता एक है परंतु उनके रूप अनेक हैं वे आदि अनादि मृत्यु और पुनर्जन्म से मुक्त है। स्वयं की कोई इच्छा न रखते हुए ईश्वर की इच्छा के अनुरूप आचरण करना ही उस परम सत्ता को प्राप्त कर लेने का एकमात्र विकल्प है। सुख-दुख में फंसा हुआ इंसान संसार का संपूर्ण वैभव समर्पित करने के बाद भी कोई सुख या आनंद नहीं खरीद सकता क्योंकि सृष्टि के सभी पदार्थों का प्रकटीकरण ईश्वर की इच्छा का ही अस्तित्व है। वह सृष्टि का रचनाकार और संहारक भी हैं जीवन देने वाला और जीवन लेने वाला भी है। ईश्वर की उदारता असीम, दया करुणा अप्रतिम और आज्ञा अनुपमेय है ।उनकी अनुकंपा के बिना मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती। वे ईश्वरीय प्रतिभा से संपन्न दिव्यात्मा थे जिन्होंने मानव मात्र में ईश्वर का वास माना। उनकी कथनी करनी में अन्तर नहीं था। वह जो कहते थे उसे अपने आचरण में उतारते भी थे। वह सभी धर्मों व समाज के सभी लोगों को समान भाव से देखते थे। गुरूनानक देव जी ने सदैव इस बात पर बल दिया कि हम सब मिलजुल कर रहें, किसी का अहित न करें और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करें। ईमानदारी से परिश्रम कर अपनी अजीविका कमायें, मिल-बांटकर खाए और मर्यादापूर्वक ईश्वर का नाम जपते हुए आत्मनियंत्रण रखें। किसी भी तरह के लोभ अथवा लालच को त्यागकर परिश्रम और न्यायोचित तरीके से कर्मठतापूर्वक धन कमायें। उन्होंने सही विश्वास, सही आराधना और सही आचरण की शिक्षा दी। हमारे प्रेरणापुंज गुरु नानक जी ने उस निराकार अनंत प्रभु की जय जयकार करते हुए यही प्रार्थना की कि वे भ्रमर की तरह प्रभु के चरण कमलों पर मधु की अभिलाषा से मंडराते रहे।

नेतनयाहू पर पुनः विश्वास

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

इस्राइल की भौगोलिक स्थिति संवेदनशील है। राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर नेतृत्व से उसकी परेशानी बढ़ती है। इस तथ्य को वहाँ के लोगों ने समझा है।इसके चलते राजनीतिक संक्रमण काल की स्थिति का समापन हुआ। बेंजामिन नेतानयाहू की एक बार फिर सत्ता में वापसी हुई।पहले भी वह प्रधानमन्त्री के रूप में इस्राइल को मजबूत नेतृत्व प्रदान कर चुके हैं। फलस्तीन आतंकी संगठन हमास के हिंसक मंसूबों को वह नाकाम बनाते रहे है। इस्राइल की एकता अखंडता और सम्मान को बनाये रखने की उनमें दृढ़ इच्छाशक्ति रही है।फिर भी इसे इस्राइल का अंतरिक मसला कहा जा सकता है।लेकिन नेतानयाहू पुनः प्रधानमन्त्री बनना भारत के भी हित में है। उन्होने भारत की भौगोलिक स्थिति समझा है। उसके अनुरूप विदेश नीति निर्धारित करने का साहस दिखाया है।पाकिस्तान और चीन भारत के पड़ोसी हैं।इनकी फ़ितरत जगजाहिर है।पाकिस्तान में आतंकी संगठनों को संरक्षण और प्रशिक्षण मिलता है।दूसरी तरफ चीन संयुक्तराष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान का बचाव करता है।इस संदर्भ में नेतनयाहू ने अपने पिछले कार्यकाल में भारत को खुला समर्थन दिया था।उनके कहना था कि चीन और पाकिस्तान के विरोध में भारत के प्रत्येक कदम का इस्राइल समर्थन करेगा। इतना ही नहीं आतंकवाद से मुकाबले के लिए इस्राइल सामरिक सहायता देने पर भी सहमत हुआ था। वस्तुतः नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से इस्राइल के साथ भारत के संबंध बहुत मजबूत हुए हैं। नेतन्याहू की राष्ट्रीय चुनावों में जीत पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री लैपिड हार स्वीकार कर ली थी।नेतन्याहू इजरायल के सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्होंने लगातार बारह वर्षों तक और कुल मिलाकर पंद्रह वर्षों तक देश पर शासन किया। उन्हें पिछले साल अल्पमत आने के बाद सत्ता से हटना पड़ा था।बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के गठबन्धन को बहुमत मिल गया है। यायर लैपिड की येश अतीद पार्टी, रिलीजियस जियोनिज्म,नेशनल यूनिटी,शास और यूनाइटेड टोरा जुदाइस्म के गठबंधन को पराजय का सामना करना पड़। इजराइल में पिछले चार चुनाव में किसी को स्पष्ट जनादेश नहीं मिला था। **वस्तुतः नरेन्द्र मोदी ने** भारतीय विदेश नीति में नया अध्याय जोड़ा था। इस्राइल की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। उस यात्रा के दौरान हुए सात समझौतों ने सात दशक की कसर पूरी कर दी थी।दूरियां नजदीकियां बन गईं। जल,थल और नभ तक सहयोग का विस्तार हो गया। यह सामान्य यात्रा नहीं थी। भारतीय राजनीति को देखते हुए इस संबंध में निर्णय करना आसान नहीं था। इसके लिए इच्छाशक्ति व साहस की जरूरत थी। मुसीबत में साथ देने वाले को सच्चा मित्र माना जाता है। निजी जीवन की ऐसी अनेक बातें विदेश सम्बन्धों पर लागू होती हैं। रिश्तों में गर्मजोशी न होने के बावजूद पाकिस्तानी हमलों के समय उसने हमेशा भारत का साथ दिया। प्रत्येक युद्ध में उसने सहायता दी, समर्थन किया। जबकि अरब देशों का समर्थन व सहानुभूति पाकिस्तान की तरफ होती थी। ऐसे में इजराइल के साथ संबंधों में बहुत पहले ही बड़ा सुधार करना चाहिए था। इस दौरान मिस्र जैसे कई अरब देशों ने भी इजराइल से सम्बन्ध बहाल किये थे। इजराइल तो भारत के साथ सच्ची दोस्ती का निर्वाह कर रहा था। नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक नफा नुकसान का आकलन नहीं किया। उन्होंने राष्ट्र के हित को वरीयता दी। इसके चलते ही वह इजराइल जाने का निर्णय कर सके। राष्ट्रीय हित विदेश नीति का स्थायी तत्व होता है। अन्य तत्वों का स्थान इसके बाद आता है। इसके पहले प्रधानमंत्री नरसिंह राव और अटल बिहारी बाजपेयी ने इजराइल से मित्रता का महत्व समझा था। नरसिंह राव के समय 1992 में इजराइल से कूटनीतिक सम्बद्ध की शुरुआत की गई। 1950 में इजराइल को भारत द्वारा दी गई सीमित मान्यता का यह अगला चरण था। अटल बिहारी बाजपेयी ने इसे आगे बढ़ाया। उनके समय में इजराइली प्रधानमंत्री एरियल शेरोन भारत आये थे। कांग्रेस की सरकारें फिलिस्तीन, अरब मुल्क और इजराइल से एक साथ अच्छे सम्बन्ध रखने पर विचार करने में विफल रहीं थीं।इजराइल का मध्यपूर्व में अस्तित्व एक हकीकत है। इसे अरब देश भी मान चुके हैं। फिलिस्तीन में भी निर्वाचित सरकार है। भारत के उनके साथ भी अच्छे सम्बन्ध हैं। मोदी ने इस नीति को मजबूत बनाया है। गाजा पट्टी, पश्चिमी तट और शरणार्थी समस्या का समाधान होना चाहिये। लेकिन यह कार्य इजराइल के अस्तित्व को नकार के नहीं हो सकता। हमास जैसे आतंकी संगठनों का दबाव नेतनयाहू को कभी मंजूर नहीं रहा।एक बार फिर मतदाताओं ने उन पर विश्वास व्यक्त किया है। आतंकवादी पत्थर बाजी हरकतों से निपटने की उनकी नीति बहुत स्पष्ट है, वह तौल के हिसाब बराबर करते है। यही इस्राइल की स्थापित नीति रही है। 1967 के युद्ध में उसने गाजा व पश्चिमी तट के इलाकों पर कब्जा जमाया था। यासिर अराफात के नेतृत्व में लम्बा संघर्ष चला। लेकिन इजराइल ने सुरक्षा की गारंटी मिले बिना किसी हिस्से को खाली करने से इंकार कर दिया था। इजराइल की आतंकवाद विरोधी रणनीति विश्व में सर्वाधिक कारगर मानी जाती है। इसी के बल पर उसने अपनी सुरक्षा को मजबूत बनाया है। यहूदी राष्ट्र मात्र सत्तर वर्ष पहले का नहीं है। इस जमीन पर उनका दावा ही सबसे पुराना है। उनको यहां से पलायन करना पड़ा था। यह सही है कि यहूदी, ईसाई और मुसलमान सभी की मजहबी आस्थाओं व पवित्र स्थलों का सम्मान होना चाहिये। इसका शांतिपूर्ण समाधान इन्हीं लोगों को निकलना चाहिए। यह मध्यपूर्व के मुल्क समझ गये हैं कि इजराइल आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करता। भारत और इजराइल की यह साझा समस्या है। इसके अलावा कृषि, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में इजराइल की तकनीक को बेहतर माना जाता है। मोदी के नेतृत्व में भारत और इजराइल का अनेक क्षेत्रों में सहयोग आगे बढ़ रहा है।आतंकवाद भारत की बड़ी समस्या है। इसके मुकाबले की रणनीति में इजराइल महत्वपूर्ण सहयोगी हो सकता है। उसने सफलतापूर्वक ऐसी हिंसक हरकतों का मुकाबला किया है। यह अच्छा है कि भारत सरकार इजराइल की तर्ज पर पाकिस्तान से लगने वाली सीमा पर तारबंदी की संभावना तलाश रही है इजराइल के पास विश्व की बेहतरीन सीमा सुरक्षा प्रणाली है। यह मनुष्य पर कम तकनीक पर ज्यादा आधारित है। ऐसे में अपने जवानों तथा सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों का जीवन सुरक्षित रखते हुए आतंकवादियों और घुसपैठियों को आसानी से जवाब दिया जा है।

जिंदगी से मायूस होते लोग

अधिकांश मानसिक रोगी और अवसाद पीड़ित व्यक्ति परिवार तथा मित्रों-परिचितों के प्रेम, समझ-बूझ, समाज के साथ और आवश्यकतानुसार चिकित्सीय परामर्श से स्वस्थ हो सकते हैं। ऐसे लोगों को एकांतवास नहीं, प्रेमिल साथ की आवश्यकता होती है। उनके मन की तहों को खोलने, उनके अंदर चल रहे विचारों के झंझावातों को जानने-समझने और नकारात्मकता को दूर करने की आवश्यकता है।

तमाम कोशिशों के बावजूद खुदकुशी की प्रवृत्ति पर काबू नहीं पाया जा पा रहा है। आत्महत्या करने वालों में किशोर, युवा, ढलती उम्र के लोग तक शामिल हैं। इसके पीछे कारोबार में विफलता, मानसिक अवसाद, प्रेम में विफलता, घरेलू कलह, गरीबी, कर्ज का चक्र आदि कई वजहें बताई जाती हैं। पर गहरी पड़ताल करने पर इन प्रत्यक्ष कारणों के अलावा कई अन्य परोक्ष कारण भी दिखाई पड़ते हैं। पर कारण कोई भी हो, जिंदगी से बड़ी और महत्त्वपूर्ण तो कोई चीज नहीं हो सकती। मगर रोजमर्रा की मुश्किलों और जद्दोजहद को लेकर जीवन की अंगुली ही छोड़ देना, किन मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक दुरूहताओं का परिणाम है? यह प्रश्न विचारणीय है। भारत में आत्महत्या करने वालों की संख्या हत्या में जान गंवाने वालों से पांच गुना अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में 1.39 लाख लोगों ने आत्महत्या कर ली। इसमें सड़सठ फीसद अठारह से पैंतालीस साल की उम्र के बीच के लोग थे। आत्महत्या करने वालों में पढ़े-लिखे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2019 में हर चार मिनट में किसी न किसी व्यक्ति ने मौत को गले लगा लिया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आत्महत्याओं पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया भर में हर साल करीब आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिनमें से लगभग इक्कीस फीसद भारत में करते हैं।

इनमें पंद्रह से उनतीस साल की उम्र के लोग बड़ी संख्या में होते हैं। यानी ऊर्जा, उत्साह और सपनों से लबरेज उम्र में जिंदगी से पलायन एक भयानक सच्चाई है। महानगरों, बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

गौरतलब है कि भारत में आत्महत्या की दर महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में ज्यादा है। तेजी से शिक्षित और विकसित होते भारत में बढ़ती आत्महत्या की मनोवृत्ति से हमारी जीवन शैली, सोच, बदलता पारिवारिक और सामाजिक परिवेश, शिक्षा और रोजगार की स्थिति, व्यवस्था की फितरत सब पर एक प्रश्नवाचक चिह्न लगता है।

जीवन सबको प्रिय होता है। व्यक्तिवादी होते इस दौर में तो स्वयं के प्रति मुग्धता और बढ़ी है। खुद के विकास, पहचान, महत्त्व के प्रति लोग पहले से ज्यादा जागरूक हुए हैं। समान्यतया लोग आज सबसे ज्यादा खुद की चिंता करते हैं, उसके बाद किसी और की। खासकर युवा अपने रहन-सहन, पहनावे आदि पर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। 'मैं', 'मेरी पहचान', 'मेरी मर्जी' जैसे शब्द लगातार अहम होते जा रहे हैं।

शायद इसी आत्ममुग्धता में आत्महत्या का बीज भी छिपा है। स्वयं के विकास की लगातार बढ़ती भूख में जहां 'मैं' का भाव बढ़ा है, वहीं लोगों को परिवार और सामाजिकता से दूर भी किया है। इससे व्यक्ति में अकेलापन बढ़ा है। वह अपनी समस्याएं किसी से साझा करने में कतराने लगा है। या फिर उसकी नजर में ऐसा कोई होता ही नहीं, जिससे वह अपने दिल की बात कह सके। इससे हताशा बढ़ी है और आत्महत्या की दर भी। छोटे-बड़े शहरों, गांवों, घरों, कार्यस्थलों के साथ-साथ आइआइटी, आइआइएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृति इसी ओर इशारा करती है।

पिछले कुछ दशक से लोगों की इच्छाएं और उम्मीदें तेजी से बढ़ी हैं। सब कुछ मुट्ठी में कर लेने का दौर-सा चल पड़ा है। सामने वाला व्यक्ति इतना संपन्न हो सकता है, तो मैं क्यों नहीं? मैं सब कुछ क्यों नहीं पा सकता या जो चाहूं वह क्यों नहीं बन सकता जैसी बातें खूब होने लगी हैं। मगर इसके बरक्स अवसर उतने नहीं बढ़े हैं। उम्मीदों और यथार्थ के बीच बड़ा फर्क होता है।

यही फर्क लोगों को पहले अवसाद, फिर खुद को मिटाने की ओर धकेल रहा है। नब्बे के दशक में भारत में उदारवाद और खुली अर्थव्यवस्था की शुरुआत हुई। तब से जहां एक ओर भौतिक तरक्की की बयार बही, वहीं उपभोक्ता संस्कृति भी तेजी से बढ़ी है। बढ़ते बाजारवाद ने हर घर में विलासिता के संसाधन भर दिए हैं। हमारी सरकारों ने देश की अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीरें पेश की और इसी दौर में महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में कर्ज की मार से परेशान किसानों की आत्महत्या का दौर भी आरंभ हुआ। समाज का एक बड़ा तबका विलासिता के संसाधनों से वंचित है और उसके लिए व्यग्र भी।

कैसे करें प्रदूषण को काबू?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि इन प्रांतों ने तरह-तरह के प्रतिबंध और उपायों की घोषणा कर दी है। जैसे बच्चों की पाठशालाएं बंद कर दी हैं, पुरानी कारें सड़कों पर नहीं चलेंगी, बाहरी ट्रक दिल्ली में नहीं घुस पाएंगे, सरकारी कर्मचारी ज्यादातर काम घर से ही करेंगे। लोगों से कहा गया है कि वे मुखपट्टी का इस्तेमाल बढ़ाएं, घर के खिड़की-दरवाजे प्रायः बंद ही रखें और बहुत जरूरी होने पर ही बाहर निकलें।ये सब बातें तो ठीक हैं और मौत का डर ऐसा है कि इन सब निर्देशों का पालन लोग-बाग सहर्ष करेंगे ही लेकिन क्या प्रदूषण की समस्या इससे हल हो जाएगी? ऐसा नहीं है कि खेती सिर्फ भारत में ही होती है और खटारा ट्रक और मोटरें भारत में ही चलती हैं। भारत से ज्यादा ये अमेरिका, यूरोप और चीन में चलती हैं। वहां हमसे ज्यादा प्रदूषण हो सकता है लेकिन वहां क्यों नहीं होता है? क्योंकि वहां की जनता और सरकार दोनों सजग हैं और सावधान हैं। चीन ने पिछले कुछ साल में 40 प्रतिशत प्रदूषण कम किया है और हमारी दिल्ली प्रदूषण के रिकार्ड तोड़ रही है। इसकी गिनती दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में होती है। दिल्ली में दो सरकारें हैं। वे दोनों निढाल साबित हो रही हैं। अब कुछ लोग सर्वोच्च न्यायालय की शरण में जा रहे हैं। प्रदूषण रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया जाए, क्या यह बात किसी भी सरकार और जनता के लिए शोभनीय है? सरकारों ने इस दिशा में कुछ कोशिश जरूर की है। उन्होंने हजारों करोड़ रुपये की सहायता करके किसानों को मशीनें दिलवाई हैं ताकि वे पराली का चूरा करके उसे खेतों में दबा सकें लेकिन हमारे किसान भाई अपने घिसे-पिटे तरीकों से चिपटे हुए हैं। उनकी मशीनें पड़ी-पड़ी जंग खाती रहती हैं। पंजाब और हरियाणा में पिछले 15 दिनों में पराली जलाने के कई हजार मामले सामने आए हैं लेकिन उनको दंडित करनेवाला कोई आंकड़ा कहीं प्रकट नहीं हो रहा है। सभी पार्टियां एक-दूसरे की टांग खींचने में मुस्तैदी दिखा रही हैं लेकिन वोट के लालच में फंसकर वे लाचार हैं। यदि पराली जलाने वाले दस-बीस दोषियों को भी दंडित किया गया होता तो हजारों किसान उनसे सबक सीखते। हमारे किसान बहुत भले हैं। उनमें अद्भुत परंपरा प्रेम होता है। सरकारों, समाजसेवियों और धर्मध्वजियों को चाहिए कि वे हमारे किसानों को प्रदूषण मुक्ति के लिए प्रेरित करें। उनकी प्रेरणा का महत्व सरकारी कानूनों से कहीं ज्यादा उपयोगी सिद्ध होगा। यदि हम भारतीय लोग इस दिशा में कुछ ठोस काम करके दिखा सकें तो मुझे पूर्ण विश्वास है कि लाहौर और काठमांडो जैसे पड़ोसी देशों के शहर भी प्रदूषण मुक्त हो सकेंगे। प्रदूषित या स्वच्छ हवा को आप शासकीय और राष्ट्रीय सीमा में बांधकर नहीं रख सकते। उसे एक देश से दूसरे देश में जाने के लिए पासपोर्ट और वीजा की जरूरत नहीं होती।

खट्टे-मीठे स्वाद के स्वागत का मौसम

अयोध्या में एकादशी मनाई गई। पंचकोसी परिक्रमा हुई, जिसमें लगभग चालीस लाख लोगों ने हिस्सा लिया। अवध में एकादशी पूरी तरह से किसानों का त्योहार है। एकादशी से ही गन्ना कटना शुरू होता है, आंवले तोड़े जाते हैं। अक्टूबर-नवंबर हमारे यहां खट्टे-मीठे स्वाद के स्वागत का मौसम है। अब गांव-गांव से गुड़ पकने की खुशबू आने लगी है। कहीं सिंपल भेली बना रहे हैं तो कहीं गरी, सोंठ, छुहारे वाली मिक्स भेली। लहंटा अलग खींचा जा रहा है। कुछ लोग बांस के डंडे में लपेट कर अपनी साइकिल से गली-गली घूमेंगे और केवड़े से महकती चीनी की गुड़िया, बुढ़िया, फूल बनाकर बेचेंगे। फिर खांड भी बन रही है। ठंडे पानी में गुड़ नहीं घुलता, इसलिए खांड बनती है। भीषण गर्मी में जब कोई शहर से हमारे गांव आएगा, तो तुरंत चापाकल से ठंडा पानी निकाला जाएगा, और खांड घोलकर गन्ने का रस हाजिर किया जाएगा। बड़की मौसी मूंगफली वाली पट्टी बनाने के लिए बड़ा थाल लेकर कोल्हू पर पहुंची हैं। उधर आंवले तोड़े जा रहे हैं। आंवले का अचार बनेगा, मगर अचार से ज्यादा तो आंवले का मुरब्बा बनेगा। आंवले की गुड़ मिली कैंडी बनेगी। इसमें थोड़ा जीरा, थोड़ी सोंठ और थोड़ी काली मिर्च पड़ेगी। बस हफ्ते भर में ही आपको प्रतापगढ़ के अधिकतर घरों के आंगन में आंवले सूखते मिलेंगे। मगर मुझे लगता है कि इस मौसम वाली एकादशी खट्टे से कहीं ज्यादा जीवन में मिठाई भरने के लिए मनाई जाती है। हम कितने भी हैरान-परेशान हों, नशे की तरह ही मीठा भी हमें तुरंत सुख देता है। इसी सुख के स्वागत के लिए फैजाबाद, सुल्तानपुर, गोंडा, बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, बस्ती आदि के किसान अयोध्या में जुटते हैं, भगवान राम की परिक्रमा करते हैं और कनक भवन में दर्शन कर अपने-अपने खेतों में हंसिया-गंड़ासा लेकर उतर पड़ते हैं। एकादशी की रात तो और भी ढेरों चीजें होती हैं। कुछ बहुत पहले होती थीं, जो अब कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं। कुछ अब भी होती हैं, जैसे गन्ने की गेंड़ तोड़कर सूप बजाते हुए दलिद्दर भगाना।

मेरी अम्मा अब लगभग 94-95 की हो चुकी हैं और अभी भी उनको फाग, नकटा, नकटा राग, गारी, द्वारचार और विदाई वाले गीत याद हैं। मैंने उनसे पूछा कि अब उनको एकादशी में क्या देखने को नहीं मिलता? ऐसा लगा कि जैसे भरी बैठी हों। कहने लगीं, अब तो किसी में एकादशी की इज्जत ही नहीं है। बहुत से लोग तो एकादशी के पहले ही गन्ना काटने लगे हैं।

कार्तिक पूर्णिमा आज

कार्तिक पूर्णिमा, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष में मनाई जाती है। जी हाँ और कार्तिक का यह महीना पूर्ण रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। आप सभी को बता दें कि कार्तिक के महीने की पूर्णिमा को वर्ष में सबसे पवित्र पूर्णिमाओं में से एक माना जाता है। इसी के साथ कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरा पूर्णिमा या गंगा स्नान के नाम से भी जाना जाता है। इस पूर्णिमा को त्रिपुरा पूर्णिमा इसलिए कहते हैं क्योंकि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था। आपको बता दें कि इस बार कार्तिक पूर्णिमा 8 नवंबर 2022 मनाई जाएगी। जी हाँ और मान्यता के अनुसार, इस दिन विष्णु भगवान के मत्सयावतार का भी जन्म हुआ था।

कार्तिक पूर्णिमा शुभ मुहूर्त- कार्तिक पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 07 नवंबर की शाम 04 बजकर 15 मिनट से हो रही है। इसका समापन 08 नवंबर की शाम 04 बजकर 31 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा इस बार 08 नवंबर को ही मनाई जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा का महत्व- जी दरअसल लोग इस दिन सत्यनारायण व्रत रखते हैं लेकिन चंद्र ग्रहण के कारण इस बार चतुर्दशी तिथि को व्रत रखा जाएगा। जी हाँ और इस दिन दान कार्य सबसे फलदायी माना जाता है, इसलिए लोगों को जरूरतमंद और गरीब लोगों को भोजन और कपड़े दान करना चाहिए। कहा जाता है कार्तिक पूर्णिमा के इस शुभ दिन पर देव दिवाली भी बहुत भव्यता के साथ मनाई जाती है। वहीं जैन लोग इस दिन को 'जैन फेस्टिवल ऑफ लाइट' के रूप में भी मनाते हैं। इसके अलावा कार्तिक पूर्णिमा का दिन गुरु नानक देव की जयंती का प्रतीक है और इसे गुरु नानक जयंती या गुरुपर्व के रूप में मनाया जाता है और वे भी गुरु नानक जी की पूजा करने के लिए अपने गुरुद्वारा जाते हैं, इसलिए यह दिन सभी के लिए एक विशेष महत्व रखता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर क्या करें - कार्तिक पूर्णिमा की तिथि भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए विशेष है। जी हाँ और इस दिन लोग भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर उनकी कृपा प्राप्त करते हैं। इसी के साथ इस दिन गंगा नदी में भी स्नान करना चाहिए। कहा जाता है गंगा स्नान करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और हर मनोकामना पूरी होती है। इसके अलावा कार्तिक पूर्णिमा के दिन कुश को हाथ में लेकर स्नान करना शुभ माना जाता है। जी दरसल ऐसी मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इसी के साथ ही स्वास्थ्य का वरदान भी मिलता है। यही कारण है कि लोग इस दिन पवित्र नदी में कुश का स्नान करते हैं। इसके अलावा कार्तिक पूर्णिमा के दिन तुलसी के पौधे को जल अर्पित करना और दीपक जलाना शुभ माना जाता है। आपको बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन तुलसी के पास दीपक जलाएं और माथे पर तिलक के रूप में तुलसी की जड़ की मिट्टी लगाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती है।

चंद्र ग्रहण पर ग्रहों की चाल से बन रहा अशुभ संयोग इन राशियों पर पड़ेगा अशुभ प्रभाव

साल का आखिरी चंद्रग्रहण देव दीपावली पर लगने वाला है। जी हाँ और यह चंद्र ग्रहण मेष राशि में लगने वाला है। आपको बता दें कि चंद्र ग्रहण 08 नवंबर 2022 को लगने जा रहा है और यह भारत में दिखाई देगा। वहीं ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, साल के आखिरी चंद्र ग्रहण के दिन ग्रहों की विशेष स्थिति बनने से अशुभ संयोग बन रहा है। आपको बता दें कि चंद्र ग्रहण के दिन ग्रहों के सेनापति मंगल, शनि, सूर्य और राहु आमने-सामने होंगे। तुला राशि पर सूर्य, चंद्रमा, बुध व शुक्र की युति बन रही है। वहीं हिंदू पंचांग के अनुसार, शनि कुंभ राशि में पंचम और मिथुन राशि में नवम भाव पर मंगल की युति से अशुभ संयोग बन रहा है। ग्रहों की इस स्थिति की वजह से चंद्र ग्रहण पर अशुभ संयोग बन रहा है।

आंशिक ग्रहण

शहर	कब शुरू	शहर	कब शुरू
लखनऊ	5.16	जयपुर	5.37
रायपुर	5.21	उदयपुर	5.49
भोपाल	5.36	इंदौर	5.43
हैदराबाद	5.40	दिल्ली	5.28
चेन्नई	5.38	उज्जैन	5.42
बेंगलुरु	5.49	देहरादून	5.22
मुंबई	6.01	अमृतसर	5.32
गांधीनगर	5.55	सोर्स - www.timeanddate.com	

चंद्र ग्रहण का सूतक ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले शुरू हो जाता है। शाम 6.19 बजे चंद्र ग्रहण खत्म होगा और इसका सूतक भी। इसके बाद मांध चंद्र ग्रहण शुरू होगा, जो कि 7.26 तक रहेगा। मांध चंद्र ग्रहण की धार्मिक मान्यता नहीं रहती है।

इसी के साथ शनि व मंगल के आमने-सामने होने से षडाष्टक योग, नीचराज भंग और प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। वहीं ज्योतिषीय गणना के अनुसार, चंद्र ग्रहण के दौरान कुछ राशि के जातकों को बहुत संभलकर रहने की सलाह दी जाती है। इसी के साथ चंद्र ग्रहण के समय मंगल और देवगुरु बृहस्पति वक्री अवस्था में होंगे और किसी भी ग्रह की वक्री अवस्था का अर्थ उसकी उल्टी चाल से होता है। आपको यह भी बता दें कि साल का आखिरी चंद्र ग्रहण भारत समेत उत्तरी-पूर्वी यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, उत्तर अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के कई हिस्सों में नजर आएगा। इसके अलावा साल का आखिरी व दूसरा चंद्र ग्रहण दक्षिणी-पश्चिमी यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप में नजर नहीं आएगा।किन राशियों पर पड़ेगा प्रभाव- चंद्र ग्रहण पांच राशियों पर सबसे ज्यादा असर डालेगा। जी दरअसल ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, ग्रहण काल में वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि के जातकों को बहुत संभलकर रहने की सलाह दी जाती है। जी हाँ और इस दौरान इन राशि वालों को आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, करियर व सेहत के लिए नुकसान झेलना पड़ सकता है।

चंद्र ग्रहण का समय- भारतीय समयानुसार, चंद्र ग्रहण 08 नवंबर को शाम 05 बजकर 32 मिनट से शुरू होगा और शाम 06 बजकर 18 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। चंद्र ग्रहण का सूतक काल सुबह 09 बजकर 21 मिनट से आरंभ होगा और शाम 06 बजकर 18 मिनट पर समाप्त होगा।

अमीर-गरीब का भेद मिटाते हैं गुरु नानक के सिद्धांत

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु इसमें उनका मन नहीं लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े।गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई। भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ? 'दूध। और अगर विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।' नानक ने कहा।

घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा।

गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?

लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, 'खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? '

गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आपके द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे।

उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं। 'एक पिता एकस के हम बारिक' नामक उनका सिद्धांत समाज में ऊंच-नीच और अमीर-गरीब के भेद को मिटाता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर करें ये ज्योतिषीय उपाय

कार्तिक पूर्णिमा पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युन्माली तीन असुर थे, जिन्हें त्रिपुरासुर कहा जाता था। जिन्होंने घोर से तप से वारदान प्राप्त कर लिया और आंतक मचाना किया था। स्वर्ण लोक पर आक्रमण कर अपने कब्जे में ले लिया। इससे परेशान देवता भगवान शिव के पास गए, जिसके बाद उन्होंने त्रिपुरासुर का वध किया। जिससे बाद भगवान शिव का त्रिपुरारी कहा जानें लगा।

1.इस दिन गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान करें और दान करें। मान्यता है कि इस दिन गरीबों जरूरतमंदों को दान करने के पुण्य फल की प्राप्ति होती है। साथ ही आर्थिक समस्या भी खत्म हो जाती है।

2.कार्तिक पूर्णिमा के दिन घर से बाद हल्दी से स्वासतिक बनाए और आम के पत्तों की माला बनाकर घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। मान्यता है कि इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर वास करती है।

3.तुलसी की विधि-विधान से पूजा करें और देसी घी का दीपक जलाएं। मान्यता के अनुसार ऐसा करने के आर्थिक समृद्धि आती है और पैसों की समस्या खत्म हो जाती है।

4.शाम के समय चंद्रमा का दर्शन जरूर करें और गाय के दूध का अर्घ्य दें। मान्यता है कि ऐसा करने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं।

5.भगवान विष्णु का पाठ करना चाहिए। इससे अच्छे पुण्य की प्राप्ति होती है।

गुरुनानक की सीख

कार्तिक पूर्णिमा पर गुरुनानक जी की जयंती है। इस बार ये पर्व 8 नवंबर को है। गुरुनानक जी के उपदेशों को जीवन में उतार लिया जाए तो हमारी कई समस्याएं खत्म हो सकती हैं और

मुश्किल काम भी आसानी से पूरे हो सकते हैं। पढ़िए गुरुनानक जी और उनके प्रिय शिष्य लहिणा का एक चर्चित किस्सा, जिससे हम गुरु का महत्व समझ सकते हैं।

गुरुनानक जी से मिलने से पहले लहिणा गृहस्थ थे, अपने परिवार के साथ रहते थे। एक दिन उन्हें गुरुनानक जी के बारे में मालूम हुआ तो वे उनसे मिलने पहुंचे। गुरुनानक जी से मिलकर लहिणा इतने प्रभावित हो गए कि उन्होंने गुरुनानक जी से कहा कि मैं सबकुछ छोड़कर यहीं आपके साथ रहना चाहता हूं।

नानक जी ने उन्हें समझाया कि आपका अपना परिवार है, आपको परिवार के साथ ही रहना चाहिए। जब सही समय आएगा, तब आ जाना।

गुरु देव के समझाने के बाद उस समय तो लहिणा अपने घर लौट गए, लेकिन उनका मन नहीं लग रहा था। कुछ दिनों के बाद वे फिर से नानक जी के पास पहुंच गए और वहीं रहने लगे।

गुरुनानक जी ने लहिणा को वहां देखा तो उन्होंने लगातार लहिणा की परीक्षा लेनी शुरू कर दी। नानक जी लहिणा से मुश्किल-मुश्किल काम करवाते थे। ऐसे-ऐसे काम बताते, जिनसे किसी को भी गुस्सा आ जाता।

वहां रहने वाले अन्य शिष्य नानक जी की इन बातों को समझ नहीं पा रहे थे। लहिणा बिना कुछ सोचे-समझे गुरु की हर एक आज्ञा का पालन पूरी ईमानदारी से कर रहे थे। नानक जी ने लहिणा को नया नाम अंगद दिया और बाद में गुरु अंगद सिखों के दूसरे गुरु बने।

इस किस्से की सीख यह है कि हमें गुरु पर पूरा भरोसा करना चाहिए और गुरु की हर एक आज्ञा का पालन ईमानदारी से करना चाहिए। तभी जीवन में सफलता के साथ ही सुख-शांति भी मिलती है।

तुलना को बनाएं प्रगति की सीढ़ी

जब हम अपनी तुलना दूसरे इनसान से करते हैं तो अनावश्यक रूप से प्रतिस्पर्धा का भाव जन्म लेता है। यह अनावश्यक रूप से हमारी बेचैनी बढ़ाता है। यह बेचैनी इतनी बढ़ जाती है कि हम तुलना करने की प्रवृत्ति को अपना अधिकार समझने लगते हैं। जब किसी भी प्रवृत्ति को हम अपना अधिकार समझने लगते हैं तो हमारे अंदर एक ऐसा आत्मविश्वास पैदा होता है जो हमारी बर्बादी की कहानी खुद लिखता है। समस्या यह है कि जहां तुलना करनी चाहिए, वहां हम इससे बचते हैं और जहां तुलना नहीं करनी चाहिए, वहां इसके लिए जी जान लगा देते हैं। इस संदर्भ में हमारा मनमाना व्यवहार यह प्रदर्शित करता है कि तुलना करने के मामले में हम हर समय एक दृष्टिकोण नहीं रखते हैं। इस तरह का व्यवहार हम अपनी सुविधानुसार ही करते हैं। यही कारण है कि हमारी यह सुविधा ही अंततः हमारे लिए असुविधा बन जाती है।

दरअसल, तुलना करने की प्रक्रिया हमारे लिए सकारात्मक भी हो सकती है। लेकिन जरूरत से ज्यादा समझदारी दिखाने से यह प्रकिया हमारे लिए नकारात्मक सिद्ध होती है। कई बार दूसरे इनसान से तुलना करने का कोई फायदा इसलिए नहीं होता है। दरअसल, हम अपने दिमाग में पहले से ही विद्यमान विचार को स्थानांतरित करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। अगर तुलना करने की प्रक्रिया में हम दूसरे इनसान से कमतर सिद्ध हो रहे हैं तो हम यह स्वीकार नहीं कर पाते हैं। यह अस्वीकार हमें वास्तविकता से इतनी दूर ले जाता है कि हम अपनी जमीन को स्वयं खोखली बना देते हैं। इससे अनेक समस्याएं जन्म लेती हैं। इस तरह हम अपनी जिंदगी को समस्याओं का घर बना लेते हैं। दूसरे इनसान से अपनी तुलना कर हम काफी कुछ सीख भी सकते हैं। तुलना

करने का लाभ तो तभी है जब हम दूसरों से कुछ सीखें भी। विडम्बना यह है कि जब दूसरों से सीखने की बारी आती है तो हम हथियार डाल देते हैं। इसलिए ऐसे बहुत कम लोग है जो इस प्रक्रिया के माध्यम से कुछ सीख पाते हैं। अगर तुलना करने की प्रक्रिया में कोई हमसे बेहतर सिद्ध हो रहा है तो हम अपने अंदर सुधार कर उससे भी बेहतर बन सकते हैं। निश्चित रूप से बेहतर बनने के लिए हमें अपनी आदत सुधारने होगी और परिश्रम करना होगा। हम जितना परिश्रम तुलना करने में करते हैं उससे आधा परिश्रम भी स्वयं को सुधारने में नहीं करते हैं।

दूसरे इनसान से तुलना करने के बावजूद यदि हम अपनी कमियां नहीं ढूंढ़ पाते हैं तो इसका क्या अर्थ है। सवाल यह है कि जब तुलना करने का कुछ लाभ ही नहीं है तो हम तुलना क्यों करते हैं? क्या तुलना कर हम स्वयं के अहम को संतुष्ट करना चाहते हैं? लेकिन इस प्रक्रिया से हमारा अहम ही कहां संतुष्ट हो पाता है। हम तो और ज्यादा असंतुष्ट हो जाते हैं। सवाल यह भी कि क्या केवल असंतुष्ट लोग ही तुलना करते हैं? यह देखने में आया है कि संतुष्ट लोग भी तुलना कर असंतुष्ट होते रहते हैं। हालांकि इस जीवन में संतुष्ट कोई नहीं है। यहां संतुष्ट का अर्थ ऐसे लोगों से है जो आर्थिक, शारीरिक या किसी अन्य रूप में स्वयं को बेहतर समझते हैं।

यह स्पष्ट है कि सभी प्रकार के लोग तुलना करते हैं लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष नहीं चुन पाते हैं। जिस इनसान से तुलना कर रहे है, यदि वह इनसान हमसे ऊंचा है तो हम उसकी अच्छाइयों को ग्रहण करना चाहिए। हम उसकी ऊंचाई तक पहुंचने का हर संभव प्रयास करें। यह विडम्बना है कि हम तुलना करने की प्रक्रिया के माध्यम से कुंठा का रास्ता पकड़ लेते हैं। यदि हम तुलना को प्रगति का माध्यम बना सकें तो इससे बेहतर क्या होगा।

100 करोड़ में सुधरेंगे आदिपुरुष के वीएफएक्स

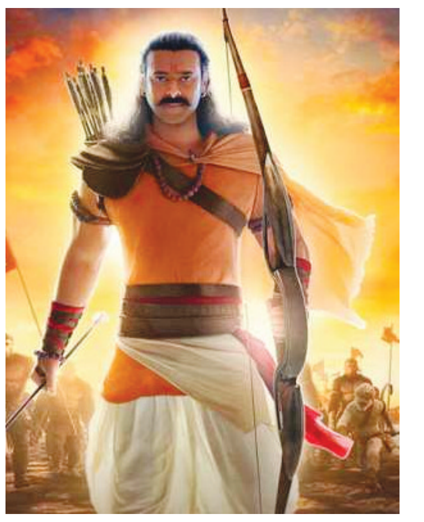

प्रभास और कृति सेनन की माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है। पहले यह फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे जून 2023 में रिलीज करने का फैसला लिया है। इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट खुद फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत ने की है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए ओम ने फिल्म की नई रिलीज डेट रिवील कर दी है। अब फिल्म 16 जून 2023 में रिलीज की जाएगी। मेकर्स ने यह फैसला फिल्म के वीएफएक्स और विजुअल एक्सपीरिएंस को बेहतर बनाने के लिए लिया है। इस वजह से अब 13 जनवरी को अर्जुन कपूर की फिल्म कुत्ते रिलीज की जाएगी।

डायरेक्टर ओम राउत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का कारण बताया। ओम राउत ने पोस्ट लिखा- 'आदिपुरुष सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह प्रभु श्रीराम के प्रति हमारे डिवोशन को दर्शाता है। हमारी संस्कृति और इतिहास का प्रतीक है। इसलिए फिल्म के विजुअल एक्सपीरिएंस को बेहतर बनाने के लिए, हमें और समय की जरूरत है। ताकि टीम फिल्म पर और बारीकी से काम कर सके। अब आदिपुरुष 16 जून 2023 को रिलीज की जाएगी। हमारा दावा है कि हम ऐसी फिल्म बनाएंगे, जिस पर इंडिया को नाज हो। आप सभी अपना साथ, प्यार और आशीर्वाद बनाकर रखें। ताकि हम लगातार फिल्म को बेहतर बना सके।'

पहले फिल्म का बजट 400 करोड़ था। लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो वीएफएक्स को बेहतर बनाने के लिए मेकर्स 100 करोड़ रुपए का खर्च करने वाले हैं। ऐसे में फिल्म का बजट अब 500 करोड़ हो जाएगा। इसी के साथ यह भारत की सबसे ज्यादा बजट में बनने वाली फिल्म हो जाएगी। आदिपुरुष को पहले 12 जनवरी को किया जाना था। लेकिन रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब उस वीकेंड पर अर्जुन, तब्बू, कोंकणा सेन शर्मा और नसीरुद्दीन शाह की फिल्म कुत्ते रिलीज होगी। मेकर्स ने पिछले साल ही फिल्म का पोस्टर रिलीज कर दिया था, लेकिन अभी तक कुत्ते की कहानी के बारे में खास जानकारी नहीं मिल पाई है।

टाइगर श्रॉफ के बाद एक अनजान शख्स के साथ नज़र आईं दिशा पाटनी, लोग बोले- नया बकरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. पिछले दिनों वे टाइगर श्रॉफ संग ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में बनी हुई थीं. दोनों ने कई बार दावा किया कि वे बस अच्छे दोस्त हैं. कई बार दोनों को साथ में स्टंट करते हुए देखा गया. डिनर डेट पर भी कई बार दोनों साथ नज़र आए. लेकिन फिर दोनों के ब्रेकअप की खबरों ने फैंस का दिल तोड़ दिया. हाल ही में दिशा पाटनी को एक अनजान शख्स के साथ स्पॉट किया गया. दरअसल ये उनके जिम ट्रेनर और दोस्त हैं जिनका नाम अलेक्सजैंडर एलेक्स है. दोनों को इस तरह साथ देखकर लोगों ने अपने-अपने तरीके से कयास लगाने शुरू कर दिए हैं. दोनों जब कैमरे में कैप्चर हुए तो ऐलक्स को दिशा के लिए काफी प्रोटेक्टिव देखा गया. वे बांद्रा में किसी रेस्तरां से बाहर निकल रहे थे. एक यूजर ने पूछा- ये छोरा कौन है भई. लोग दिशा पाटनी के इस वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने कहा- ये बेस्ट फ्रेंड ही काम खराब करता है. जब टाइगर को डेट कर रही थीं तो ये बेस्ट फ्रेंड था और ब्रेकअप करवा दिया. अब मेहनत का फल खाएगा.वहीं एक ने लिखा- नया बकरा. बता दें, दिशा पाटनी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं और आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं.

बीमारी के बावजूद काम में जुटीं सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'यशोदा' रिलीज होने वाली है। इस सिलसिले में उन्होंने फिल्म का प्रमोशन भी शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले ही सामंथा ने जानकारी दी कि वह मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं, जिसकी वजह से मासपेशियां कमजोर, थकी हुई और दर्दनाक हो जाती हैं। उन्होंने अस्पताल से तस्वीर भी शेयर की थी। बीमारी के बावजूद सामंथा ने बताया कि वह काम में जुट गई हैं। इसके लिए उन्होंने फिल्ममेकर जोड़ी राज और डीके के राज निदिमोरू से प्रेरणा ली है।

यशोदा के प्रमोशन में जुटीं

सामंथा ने अपनी 3 तस्वीरें भी शेयर की हैं। उन्होंने ब्लैक आउटफिट पहना हुआ है और मैचिंग ग्लासेस लगाए हैं। सामंथा सोफे पर बैठी हैं और कैमरे की देख रही हैं। सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'जैसा कि मेरे अच्छे दोस्त राज कहते हैं, कैसा भी दिन हो और कितनी भी बुरी चीजें हो रही हों, आप शॉवर लो, शेव करो और तैयार हो जाओ। मैंने उनसे ये सीख ली है। यशोदा का प्रमोशन। 11 तारीख को मिलते हैं।'

इससे पहले सामंथा ने अपनी बीमारी के बारे में लिखा, 'यशोदा ट्रेलर को लेकर जो आपका रिस्पॉन्स मिला वो दिल जीत लेने वाला है। आपके साथ ही मेरा ये प्यार और कनेक्शन है जिससे मुझे ताकत मिलती है जिससे जिंदगी के रास्ते में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकूं। कुछ महीने पहले मुझे मायोसाइटिस नामक एक ऑटोइम्यून कंडीशन डायग्नोस हुआ है।' फिल्म 'यशोदा' में सामंथा ने सरोगेट मां का रोल निभाया है। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म के राइटर-डायरेक्टर हरीशंकर और हरीश नारायण हैं। 11 नवंबर को फिल्म तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रवीना टंडन ने किया फैंस की दीवानगी का खुलासा : बोलीं- एक शख्स भेजता था खून से लिखी चिट्ठी और अश्लील तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक फैन के पागलपन के बारे में खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनका एक फैन ऐसा था, जो उनके बच्चों को अपने बच्चे मानता था। वो ये मान चुका था कि रवीना की शादी उसी से हुई है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वो उनके लिए खून से भरी शीशियां भेजता था।

रवीना ने बताया, 'वो गोवा का एक फैन था, जो ये मान चुका था कि मेरी शादी उससे हुई है और मेरे बच्चे उसके बच्चे हैं। वो अपने खून से भरी शीशियां मुझे कोरियर के जरिए भेजता था। इसके साथ ही वो अपने खून से खत लिखकर और अश्लील तस्वीरें भी भेजता था।'

रवीना ने आगे कहा, 'ऐसा ही एक और फैन और था। वो मेरे घर के गेट पर बैठा रहता था। एक बार मेरे हसबैंड अनिल थडानी की कार पर किसी ने बड़ा सा पत्थर भी फेंक दिया था, तब हमने पुलिस में कंप्लेन भी कराई थी और फैमिली के लिए पुलिस प्रोटेक्शन की रिक्वेस्ट भी की थी।' रवीना कहती हैं, 'मैं इस तरह के लोगों से काफी परेशान हो गई थीं। मुझे लोगों के पागलपन से डर लगने लगा था।' रवीना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार केजीएफ 2 में नजर आई थीं।

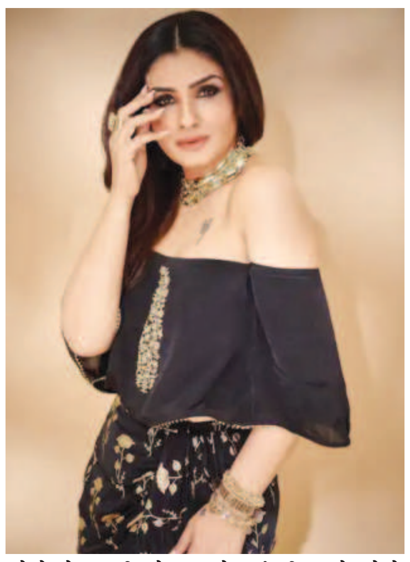

'मुस्लिम नाम से खिलवाड़ कर रही', अब सुनील पाल के निशाने पर आईं उर्फी जावेद

'बिग बॉस ओटीटी' में उर्फी जावेद एक हफ्ते ही रहीं लेकिन शो से उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता मिली। वह अपने स्टाइल से हमेशा सुर्खियां बटोरती हैं। हालांकि कभी वह सोशल मीडिया पर ट्रोल होती हैं तो कभी सेलिब्रिटीज उन पर निशाना साधते हुए देखे जाते हैं। उर्फी के कपड़ों और सेमी न्यूड लुक को लेकर हाल ही में एक महिला ने कहा कि उनके खिलाफ फतवा जारी होना चाहिए। महिला ने आगे यहां तक कहा कि पुलिस को चाहिए कि उर्फी को गिरफ्तार करे। उर्फी ने उस महिला का वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए जवाब भी दिया था। अब कॉमेडियन सुनील पाल ने उर्फी के कपड़ों पर रिएक्ट किया है।

कुछ दिनों पहले ही 'अनुपमा' फेम एक्टर सुधांशु पांडे ने उर्फी को घटिया बताया। इन सबके बीच सुनील पाल ने एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि उर्फी को समझाने की जरूरत है। जिस महिला ने उन पर एफआईआर किया उसने सही किया। उर्फी का दिमाग खराब हो गया है और वह मुस्लिम नाम खराब कर रही है। सुनील पाल कहते हैं, ' उर्फी जावेद क्या पगला गई है। उर्फी के खिलाफ जिस महिला ने एफआईआर की मैं उनका धन्यवाद करना चाहूंगा। मैं बहुत दिनों से उर्फी को देख रहा हूं। मुझे लगता है कि वह चाहती ही थी कि ऐसा कुछ हो जिससे वह चर्चा में रहे। भले ही वो गैर कानूनी ही क्यों ना हो। उर्फी जावेद नाम रख लिया। हमारे पवित्र मुस्लिम नाम से वो जिस तरह से खिलवाड़ कर रही है यह मुझे पसंद नहीं है।' वह आगे कहते हैं, 'सबको मिलकर उस बहन को समझाना चाहिए, सजा मत दो, समझाओ कि बेटा मेहनत करो। काम करो। सीखो। ये शरीर प्रदर्शन करके तुम्हें दो चार दिन की सफलता मिल जाएगी लेकिन शिखर नहीं मिलेगा। मुझे लगता है कि वो चाहती थी किउसके बारे में चर्चा हो। यही वजह है कि वो कम कपड़े पहनकर जगह-जगह जाती थी।

कम कपड़े क्या वह ना के बराबर कपड़े पहनती है। न्यूज में रहने के लिए न्यूड होती है। बहुत ही गलत नीयत से आई है। हालात जो भी रहे हों मेहनत कर सकती हो।' सुनील ने आखिर में कहा कि इस तरह की फूहड़ता से वह बर्फी खाना चाहती है। अपने आपको सुधारो और मेहनत करो।

रेड गाउन में नोरा फतेही ने जमकर फ्लॉन्ट किए बॉडी कर्व्स

नोरा फतेही अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अपनी फैशन डायरी से स्निपेट साझा करती रहती है। गाउन हो या साड़ी, नोरा किसी भी आउटफिट को बेहतर बनाने में कामयाब सकती हैं। हाल ही में, नोरा ने लाल रंग के गाउन में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर किया और हमारे दिन को बेहतर बना दिया। नोरा ने फैशन डिजाइनर हाउस फाल्गुनी शेन पीकॉक के लिए म्यूज की भूमिका निभाई और डिजाइनर हाउस की वॉर्डरोब से इस गाउन क चुना। नोरा के रेड गाउन में स्लिप-इन डिटेल्स, प्लंजिंग नेकलाइन, रेड रेशम थ्रेड्स में सेक्विन डिटेल्स और एक थाई-हाई स्लिट था। मिशो डिज़ाइन्स और रेड स्टिलेटोस के गोल्डन स्टेटमेंट नेक चोकर में, नोरा ने गजब के पोज दिए। फैशन स्टाइलिस्ट आस्था शर्मा द्वारा स्टाइल की गई, नोरा ने अपने बालों को एक पोनीटेल में बांधा और न्यूड आईशैडो, ब्लैक आईलाइनर, ब्लैक कोहल, मस्कारा से लदी पलकें, खींची हुई भौहें, कंटूरेड गाल और पेस्टल रेड लिपस्टिक की शेड के साथ खुद क तैयार किया। पूरा पढ़ेंसोशल मीडिया पर नोरा फतेही के लाखों फैन्स हैं, जो उनके इस लुक को काफी पसंद कर रहे हैं। आपको बता दें कि, नोरा को उनकी लुक्स, स्टाइल, डांस मूव्स और हॉटनेस के लिए जाना जाता है।

'मैं कहीं गया ही नहीं हूं...' विजय देवरकोंडा का कमबैक पर जवाब

विजय देवरकोंडा साउथ फिल्म इंडस्ट्री के फेमस एक्टर्स में से एक थे। उन्होंने 'डियर कॉमरेड' से लेकर 'अर्जुन रेड्डी' तक कई हिट फिल्में कीं, जिसमें अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया। इसके बाद विजय ने बॉलीवुड में भी अपनी किस्मत आजमाई। उन्होंने पुरी जगन्नाथ के डायरेक्शन में बनी 'लाइगर' फिल्म की, जिसे हिंदी में करण जौहर ने रिलीज किया। फिल्म कई कारणों की वजह से बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। विजय की एक्टिंग स्किल्स पर भी सवाल उठने लगे। विजय कुछ समय के लिए गायब से हो गए। ऐसे में उनके फैंस डर गए कि कहीं वो फेलियर की वजह से फिल्मों से दूर न हो जाएं, लेकिन विजय ने अपने फैंस की इस चिंता को दूर कर दिया है। बल्कि उन्होंने कमबैक को लेकर ये भी कहा कि वो कहीं नहीं जा रहे हैं।

विजय देवरकोंडा एक इवेंट में बतौर चीफ गेस्ट नजर आए थे। 'लाइगर' के फ्लॉप होने के बाद उन्होंने पहली बार खुलकर बातचीत की। अपनी स्पीच में विजय ने कहा कि वो कहीं गए ही नहीं हैं, बल्कि वो यहीं पर ही हैं।

विजय के फैंस हुए खुश

'लाइगर' में विजय के साथ अनन्या पांडे भी थीं, जिनकी फिल्म में एक्टिंग को लेकर खूब धज्जियां उड़ी थीं। इस मूवी से विजय ने बॉलीवुड में कदम रखा था। विजय देवरकोंडा ने कहा, 'मैं जहां भी जाता हूं, फैंस कहते हैं, अन्ना आपको कमबैक करना होगा। मैं आप सभी को ये कहना चाहता हूं कि मैं कहीं गया ही नहीं हूं। मैं यहीं पर ही हूं।' जैसे ही विजय ने ये बात कही और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, उनके फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एक फैन ने लिखा, 'काश उनके पास भी लाइफ में उतना कॉन्फिडेंस होता, जितना विजय के पास है।'

ट्विटर के बॉस एलन मस्क को मशवरा देना कंगना रनौत को पड़ा भारी, यूजर्स ने दी डाली ऐसी सलाह

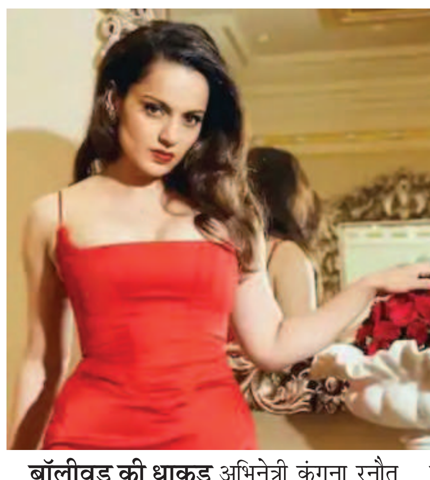

बॉलीवुड की धाकड़ अभिनेत्री कंगना रनौत उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी बात को रखने में हमेशा आगे रहती हैं. अक्सर इस वजह से उनके कई बयान विवादों में भी तब्दील हो हो जाते हैं. लेकिन फिर भी वह सोशल मीडिया पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटतीं. हाल ही में ट्विटर के "ब्लू टिक" वेरिफिकेशन को लेकर चल रहे घमासान पर कंगना ने अपनी बात को रखा और फिर वही हुआ, जो अक्सर होता है. कंगना ने अपने सोशल मीडिया पर एलन मस्क के आठ डॉलर प्रति माह चार्ज करने के फैसले को सही ठहराया और साथ ही साथ उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बौद्धिक और वैचारिक रूप से प्रेरित बताते हुए इसको सर्वश्रेष्ठ करार दिया है.

कंगना ने क्या कहा?

उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, "ट्विटर मौजूदा समय का सबसे अच्छा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, यह बौद्धिक-वैचारिक रूप से प्रेरित है ना कि रूप या जीवन शैली को लेकर." साथ ही उन्होंने इस पोस्ट में यह लिखा कि जिन लोगों के पास आधार कार्ड है उन्हें ब्लू टिक मिलना चाहिए. बता दें कि कंगना रनौत लंबे समय से ट्विटर पर नहीं हैं इसके बावजूद उन्होंने खुलकर इस प्लेटफॉर्म की तारीफ की है.

लेकिन कंगना के इस इस बयान पर उनके फैंस शायद इस बात से खुश नहीं दिखे और उनका मानना हैं कि यही सही मौका है जब कंगना को स्वदेशी सोशल मीडिया प्रोडक्ट्स के लिए अपनी आवाज़ सबसे पहले उठानी चाहिए. इस पूरे मामले पर उनके फैंस खुल के अपनी दिल की बात सोशल मीडिया पर रख रहे हैं. एक यूज़र का कहना हैं कि आप स्वदेशी अपनाना पसंद करते हो और आपके पास तो पहले से ही कू ऐप पर "येलो टिक" है और 1 करोड़ 2 लाख फैंस आपको फॉलो करते हैं, तो आप वहां क्यों एक्टिव नहीं हो जाते हो. पहले भी तो इस्तेमाल कर रहे थे. अब आप जो आधार कार्ड का मश्वरा दे रहे हो, तो कू ऐप पर वॉलेंटरी सेल्फ वेरिफिकेशन आधार कार्ड से 30 सेकंड में हो जाता हैं. एक यूज़र्स ने तो अपना गुस्सा ही निकाल दिया और कंगना को कहा कि गलत मुद्दों में क्यों फंसना पसंद करती हैं .

ट्विटर ने कंगना को कर दिया था सस्पेंड

आपको बता दें कि कंगना का ट्विटर अकाउंट पिछले साल 2021 में सस्पेंड कर दिया गया था और उन्होंने स्वदेशी प्लेटफार्म कू ऐप से जुड़ी थी. स्वदेशी प्लेटफार्म कू ऐप पर आने के बाद कंगना ने लिखा था कि 'तुम्हारा समय खत्म हो गया है ट्विटर, अब कू एप पर शिफ्ट होने का टाइम आ गया है. वहां अपने अकाउंट के बारे में सभी के साथ जानकारी साझा करूंगी.

बढ़ने लगे हैं आंखों के नीचे डार्क सर्कल? रोजाना करें ये 4 योगासन

योग हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। योग के जरिए कई तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। योगासन केवल शरीर ही नहीं स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स को योगासन के जरिए दूर किया जा सकता है। ऐसे में आज हम आपको डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए कुछ योगासनों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन योगासनों के जरिए ना सिर्फ आपके डार्क सर्कल दूर होंगे बल्कि स्किन से जुड़ी कई समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाएगा।

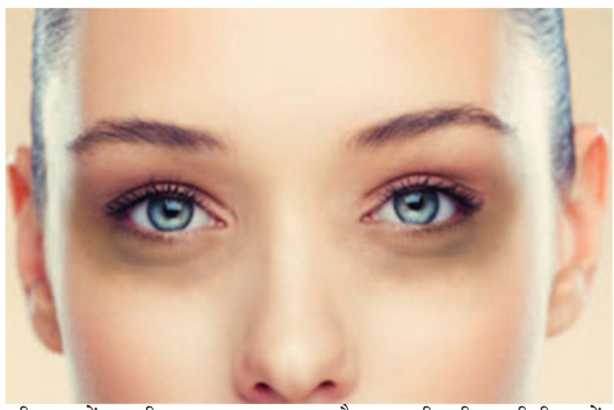

लायन पॉश्चर योगासन : सिंहासन करने के लिए सबसे पहले आप अपने पैरों के पंजों को आपस में मिलाकर उस पर बैठ जाएं। दोनों एड़ियों को अंडकोष के नीचे इस प्रकार रखें कि दाईं एड़ी बाईं ओर तथा बाईं एड़ी दाईं ओर हो और ऊपर की ओर मोड़ लें। पिंडली की हड्डी का आगे के भाग जमीन पर टिकाएं। हाथों को भी जमीन पर रखें। मुंह खुला रखे और जितना सम्भव हो सके जीभ को बाहर निकालिये। आंखों को पूरी तरह खोलकर आसमान में देखिये। नाक से श्वास लीजिए। सांस को धीरे-धीरे छोड़ते हुए गले से स्पष्ट और स्थिर आवाज निकालिए।

सर्वांगासन : सबसे पहले अपनी पीठ के बल लेट जाएँ। फिर अपने पैर, कूल्हे और कमर को उठाएँ। सारा भार अपने कन्धों पर ले लें। पीठ को अपने हाथों से सहारा दें ताकि संतुलन न बिगड़े। कोहनियों को जमीन पर टिकाते हुए और हाथों को कमर पर रखते हुए, अपनी कमर और पैरों को सीधा रखें। शरीर का पूरा भार कन्धों व हाथों के ऊपरी हिस्से पर होना लें। पैरों को सीधा रखें। पैरों की उंगलियों को नाक की सीध में ले आएं। लंबी गहरी साँस लें और 30 सेकण्ड तक आसन में रहें।

पर्वतासन – पर्वतासन को करने के लिए किसी साफ- सुथरी जगह पर वज्रासन में बैठ जाएं। अब धीरे-धीरे दोनों हाथों और पैरों के पंजो को जमीन पर रखें। जमीन पर वजन देते हुए अपनी कमर को त्रिकोणीय आकार की तरह ऊपर जितना बन सके उतना खींचें। आसन के दौरान आपके शरीर का आकार इस प्रकार दिखाई देना चाहिए जैसे कि कोई पर्वत खड़ा हो। लंबी-गहरी श्वास का अभ्यास करें।

शांभवी मुद्रा : आसन में बैठें और अपनी पीठ सीधी रखें। आपके कंधे और हाथ बिलकुल ढीली अवस्था में होने चाहिए। इसके बाद हाथों को घुटनों पर चिंमुद्रा, ज्ञान मुद्रा या फिर योग मुद्रा में रखें। आप सामने की ओर किसी एक बिंदु पर दृष्टि एकाग्र करें। इसके बाद ऊपर देखने का प्रयास करें। ध्यान रखिए आपका सिर स्थिर रहे। इस बीच आप अपने विचारों को भी नियंत्रित करने की कोशिश करें। इस बीच कुछ न सोचें। इस मुद्रा के दौरान आपकी आपकी पलकें झपनी नहीं चाहिए। आपकी दृष्टि एक वस्तु की ओर टिकी हुई होनी चाहिए, जिससे मन भटकने की आशंका होती है। इस आसन को शुरुआती दिनों में कुछ ही सेकेंड तक करें।

सर्दियों में बिना नहाए भी दिखना चाहते हैं फ्रेश, तो जरूर फॉलो करें ये टिप्स

सर्दियों का मौसम आते ही लोगों को नहाने में आलस आने लगता है. बहुत से लोग सर्दियों में नहाना स्किप कर देते हैं. इसका सबसे बड़ा कारण है आलस और ठंडा पानी. ऐसे में ऑफिस जाने वाले लोगों के लिए यह काफी मुश्किल भरा काम होता है. उन्हें सर्दियों में सुबह उठकर नहाना पड़ता है. वहीं, अगर महिलाओं की बात करें तो सर्दियों में सबसे ज्यादा दिक्कत बाल धोने की होती है. पानी ठंडा होने के कारण महिलाओं को बाल धोने से पहले कई बार सोचना पड़ता है. अगर आपको भी सर्दियों में इन सभी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तो हम आपको कुछ उपाय बताने जा रहे हैं जिससे आप सर्दियों में बिना नहाए भी फ्रेश फील कर सकते हैं-

– सर्दियो में अगर आपका नहाने का मन नहीं करता है तो आप वाइप्स का सहारा ले सकते हैं. आप सर्दियों में इन वाइप्स की मदद से पूरी बॉडी को पोंछ सकते हैं. वाइप्स में मौजूद एंटीबैक्टीरियल त्तव आपको तरोताजा रहने में मदद सकते हैं.

– सर्दियों में बाल धोना काफी मुश्किल हो जाता है ऐसे में आप ड्राई शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं. यह पाउडर की तरह होते हैं इसके लिए आपको बाल गीले करने की जरूरत नहीं पड़ती. इससे आपकी ऑयली बालों की समस्या दूर हो सकती है.

– सर्दियों में नहाए बिना शुद को फ्रेश रखने के लिए रोजाना अपने अंडर गार्मेंट्स को चेंज करें. इससे आपकी बॉडी में बैक्टीरिया नहीं पनपते.

– जो महिलाएं मेकअप का इस्तेमाल करती है वह रात को सोते समय चेहरे को अच्छी तरह से साफ कर मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें. इससे आपकी स्किन के पोर्स ब्लॉक नहीं होते और आप सुबह फ्रेश फील करती है. इसके साथ ही हाथों और पैरों पर भी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

कोलेस्ट्रॉल पर काबू रखने में मददगार होता है साबुत धनिया

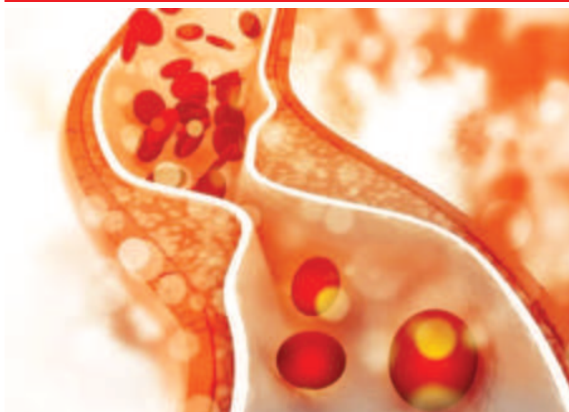

भारतीय मसालों की डिमांड विदेशों में भी काफी अधिक रहती है क्योंकि ये स्वाद के साथ ही स्वास्थ्य गुणों से भी भरपूर होते हैं। धनिया में भी कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं जिससे हेल्थ अच्छी बनी रहती है। आमतौर पर साबुत धनिया का इस्तेमाल पीसकर मसाले के तौर पर सब्जियों में किया जाता है। सेहत के लिहाज से इसका सेवन हर किसी को करना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इसके इस्तेमाल से शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है। इसके अलावा, पेट संबंधी विकारों को दूर करने में भी ये सहायक होता है।

साबुत धनिया के फायदे

दूर होगी अपच-एसिडिटी जैसी परेशानीः एक्सपर्ट्स के अनुसार धनिया में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पाचन को बढ़ावा देने में मददगार साबित होते हैं। बता दें कि जब खाना ठीक तरीके से नहीं पचता है तो एसिडिटी और पेट में सूजन की परेशानी हो जाती है जिसे कम करने में धनिया कारगर है। जो लोग पेट संबंधी दिक्कतों से ग्रस्त हैं उन्हें रात भर धनिया के बीजों को पानी में भिगोकर सुबह इसका सेवन करना चाहिए।

यूरिक एसिड के स्तर पर रहता है नियंत्रण

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि धनिया में प्रचुर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये तत्व बॉडी को फ्री रैडिकल्स के प्रभाव से बचाने में मददगार होते हैं। साथ ही, बताया जाता है कि इसमें डाइ-यूरेटिक गुण भी पाए जाते हैं। वहीं, साबुत धनिया इंफ्लेमेट्री गुणों से भी भरपूर होता है। ऐसे में गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद होगा। धनिया पानी सूजन व जोड़ों के दर्द से निजात दिलाने में सक्षम है।

शुगर लेवल करता है कंट्रोल

कैल्शियम, मैगनिशियम, आयरन, पौटेशियम, विटामिन ए, के, सी और फॉलिक एसिड से भरपूर धनिया रक्त शर्करा के स्तर को काबू करने में मदद करता है। इसके सेवन से एंजाइम्स की सक्रियता बढ़ती है जिससे शुगर लेवल पर निगरानी बनी रहती है। साथ ही, धनिया में डिटॉक्सिफाइंग एलिमेंट होता है जो खून साफ करने में मदद करता है।

आंखों की रोशनी बढ़ती है

हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि धनिया में विटामिन ए होता है जो आंखों के लिए बेहद जरूरी होता है। साथ ही, एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर धनिया के सेवन से आंखों में होने वाली जलन भी दूर हो सकती है।

वेट लॉस में मददगारः धनिया के सेवन से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है और गुड कोलेस्ट्रॉल के लेवल में वृद्धि होती है। वहीं, एक्सपर्ट्स के मुताबिक रोजाना खाली पेट इसके सेवन करने से वजन घट सकता है।

बच्चों का कद बढ़ाने के आसान उपाय

इंडोर खेलों की ओर बढ़ाएं दिलचस्पी, स्ट्रेचिंग और योग सिखाना भी जरूरी

आमतौर पर अभिभावक अपने बच्चों की हेल्थ और हाइट को लेकर काफी परेशान रहते हैं। जबकि ये दोनों बातें उसके खानपान के साथ अनुवांशिक गुणों पर भी निर्भर करती हैं। ऐसा नहीं है कि छोटे कद वाले पैरेंट्स के बच्चे लंबे नहीं होते या फिर अच्छी हाइट वाले माता-पिता की संतान कम हाइट की नहीं होती है। हालांकि पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे की अच्छी सेहत और हाइट हो, लेकिन इसके लिए उन्हें भी थोड़ी मेहनत करना होगी। संक्रमण के चलते फिलहाल स्कूल बंद हैं और बच्चे सुबह देर से उठ रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि उन्हें रोजाना सुबह जल्दी उठने के साथ एक्सरसाइज करवाएं। कुछ दिन लगातार ऐसा करने से वह आदत में शुमार हो जाएगा। इसमें माता-पिता को भी उनके साथ लगना होगा।

सही डाइट, एक्सरसाइज और सही पॉश्चर को बच्चे बचपन से अपनाएं तो उनकी हाइट आयु के अनुपात में बढ़ेगी। दिन की शुरुआत में बच्चों को योगा के साथ स्ट्रेचिंग वाली एक्सरसाइज जरूर कराएं। माना जाता है कि 16 से 18 वर्ष की आयु के बाद अक्सर बच्चों के शरीर में कार्टिलेज फैलने के बजाय जमा होने लगता है। इस वजह से उनकी हड्डियों का विकास थम जाता है। शुरुआत से ही बच्चों में वर्कआउट्स की आदत डालें तो उनकी हाइट आयु के हिसाब से रहेगी।

योगासन अवश्य कराएं

बच्चों का कद बढ़ाने में सबसे उपयुक्त योगासन हैं, इनमें भी सूर्य नमस्कार और अधोमुख श्वानासन मुख्य रूप से करवाना ही चाहिए। आसन शुरू करने से पहले बच्चों से श्वास संबंधी क्रियाएं करवाएं, जिससे आसन के दौरान होने वाले खिंचाव से उन्हें कोई परेशानी न हो। अगर संभव हो तो रोजाना उन्हें हाथों की मदद से लटकने वाली एक्सरसाइज भी करवाएं, यह तरीका कद बढ़ाने में कारगर है। इससे बच्चों में फुर्ती भी आती है।

इंडोर खेलों की ओर बढ़ाएं बच्चों की दिलचस्पी

मोबाइल फोन, कम्प्यूटर पर गेम खेलने के बजाय उन्हें फिजिकल एक्सरसाइज वाले खेल खेलने के लिए कहें। इनमें बैडमिंटन, टेनिस, रस्सी कूद आदि शामिल हैं। रनिंग, साइकिलिंग और स्विमिंग भी अच्छे वर्कआउट हैं। इससे मसल्स मजबूत होने के साथ लंबाई भी बढ़ती है। साथ ही उनकी डाइट का भी ध्यान रखें। उन्हें खाने-पीने में न्यूट्रिएंट्स वाली डाइट दें। अच्छे कद के लिए विटामिन्स और मिनरल्स के साथ-साथ अमीनो एसिड भी जरूरी हैं।

स्ट्रेचिंग है सबसे सरल और सहज तरीका

स्ट्रेचिंग करने में शुरू-शुरू में बच्चों को थोड़ी दिक्कत हो सकती है। इसलिए उसे पहले थोड़ा करवाएं बाद में इसे करने में बच्चों का मजा आने लगता है। इससे रीढ़ की हड्डी को बल व मांसपेशियों को विस्तार मिलता है। लंबे कद के लिए यह सबसे आसान वर्कआउट है।

स्ट्रेचिंग की शुरुआत में सबसे पहले दीवार पर एक प्लेन चार्ट चिपकाएं। बच्चे को सीधा दीवार की ओर मुंह करके खड़ा करें और उसके कद को चार्ट पर मार्क कर लें।

अब उसको हाथ ऊपर करके खुद को ऊपर की ओर जितना हो सके खींचने को कहें। इस दौरान सिर्फ पैर के अंगूठों पर उसके शरीर का सारा भार होना चाहिए। फिर हाथ के छोर को चार्ट पर मार्क करें। रोजाना बच्चे से यह स्ट्रेचिंग करवाएं और साथ-साथ उसकी हाइट व स्ट्रेचिंग की क्षमता में होने वाली वृद्धि जांचते रहें।

चैन से सोना है तो चिंताओं को लिखें, परिवार संग वक्त बिताएं

दुनियाभर में नींद बड़ी समस्या बनती जा रही है। 8 में से एक इंसान अनिद्रा का शिकार है। रात में नींद न आने से दिन भी खराब हो रहा है और काम करने की क्षमता घट रही है। 'द स्लीप प्रिस्क्रिप्शन' किताब के लेखक और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक डॉ. एरिक प्रैथरकहते हैं, अच्छी नींद इंसान को दयालु और क्रिएटिव बनाती है। यही नहीं, यह अच्छा पेरेंट और बेहतर जीवनसाथी बनाने में भी मददगार है। पैथर ने किताब में बिना दवा के अच्छी नींद के कई वैज्ञानिक तरीके बताए हैं।

बेडरूम को डार्क रखें, सोने की जगह नहीं तो दिशा बदलें

समाधान नहीं, समस्या लिखना काफीः दिन का कोई समय या सोने से पहले किसी निश्चित समय पर ऐसा करने से दिमाग पर वे परेशानियां सोते समय हावी नहीं होंगी। समस्या लिखिए, समाधान लिखने की जरूरत नहीं है।

बेडरूम का इंटीरियर बदल सकते हैं: एक ही जगह पर रोज एक ही तरीके से सोने से भी कई बार नींद नहीं आती। सोने की जगह नहीं बदल सकते तो दिशा बदल दीजिए। कमरे का इंटीरियर बदल सकते हैं।

पौष्टिक और हल्का खाना खाएं: शाम को पौष्टिक और हल्का नाश्ता करें। टहलने जाएं। गाना सुनें। अपने बगीचे में पौधों के साथ समय बिताएं। किताबों की अलमारियां साफ करें। परिवार के सदस्यों या फिर अपने दोस्तों से बात करें।

कमरे के तापमान का ख्याल रखें: लैपटॉप-कम्प्यूटर बेडरूम में न रखें। सोते वक्त कमरे को ठंडा और अंधेरा रखें। तेज रोशनी सोने नहीं देती। स्लीप मास्क का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।

दिमाग को वक्त दें

दिमाग को लैपटॉप की तरह मत ट्रीट कीजिए। सोने के लिए दिमाग का शांत होना जरूरी है। काम खत्म होने के बाद खुद को समय दीजिए। अपने पसंदीदा पुराने टीवी शो देखिए।

अगर बिस्तर पर जाने के 20 मिनट तक नींद न आए तो उठ जाइए। घर में या छत पर टहलिए। किताबें पढ़िए। चाय-कॉफी से दूरी बनाएं। कम से कम सोने के 6 घंटे पहले तो कोशिश करें कि न ही पीएं।

भारतीयों को दिल की बीमारी का खतरा ज्यादा : नई स्टडी ने बताई वजह, ब्लड फ्लो में कमी से लोग हो रहे शिकार

भारतीयों में दिल की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। अब तक माना जाता रहा है कि धमनियों (आर्टरीज) का डायमीटर कम होने के कारण लोग कोरोनरी आर्टरी डिजीज (एक हृदय रोग) के शिकार होते हैं, लेकिन एक नई स्टडी इस दावे को खारिज करती है। हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी और रेडियोलॉजी डिपार्टमेंट की रिसर्च के मुताबिक, व्यक्ति के शरीर का सरफेस एरिया (पृष्ठीय क्षेत्रफल) कम होने की वजह से ऐसा होता है।

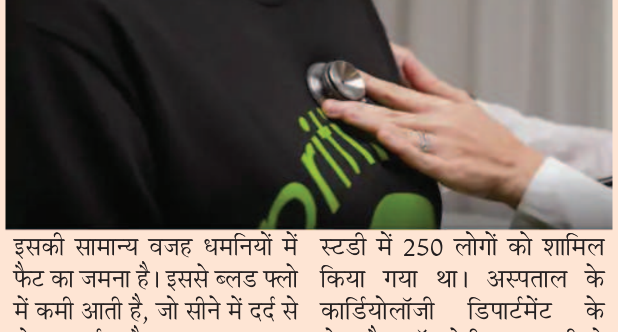

क्या है कोरोनरी आर्टरी डिजीज?

कोरोनरी आर्टरी डिजीज एक ऐसा हृदय रोग है, जिसमें दिल की जरूरी धमनियां डैमेज हो जाती हैं। इसकी सामान्य वजह धमनियों में फैट का जमना है। इससे ब्लड फ्लो में कमी आती है, जो सीने में दर्द से लेकर हार्ट अटैक तक का कारण बन सकता है।

250 लोगों पर हुई रिसर्च

जर्नल ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी में छपी इस स्टडी में 250 लोगों को शामिल किया गया था। अस्पताल के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. जेपीएस साहनी ने बताया कि प्रतिभगियों में से 51% को हाई ब्लड प्रेशर और 18% को डायबिटीज की बीमारी थी। वहीं 4% धूम्रपान के आदी थे, 28% को हाई कोलेस्ट्रॉल व फैट था और 26% के परिवार में दिल की बीमारी की हिस्ट्री थी।

ये कहते हैं नतीजे

रिसर्चर्स ने पाया कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की रक्त वाहिकाओं का औसतन डायमीटर काफी कम होता है। हालांकि, बॉडी सरफेस एरिया (BSA) के सामने दोनों की ही धमनियों के डायमीटर का मान महत्वपूर्ण नहीं होता है।

दुनियाभर के एक्सपर्ट्स का ऐसा मानना है कि एशियाई लोग, खासकर भारतीयों को धमनियों का डायमीटर कम होने के चलते इनमें फैट डिपॉजिट होने का खतरा ज्यादा होता है। पर यह स्टडी साबित करती है कि भारतीय लोगों की धमनियां छोटी नहीं होती हैं। उन्हें CAD का रिस्क शरीर के सरफेस एरिया कम होने की वजह से होता है।

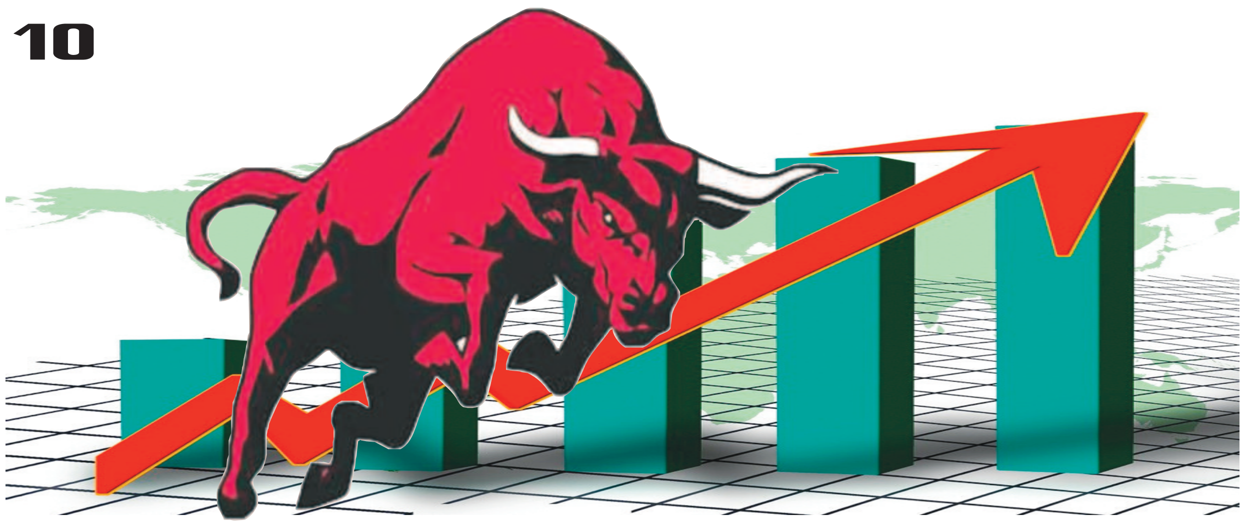

ब्रिटिश तेल कंपनी ने नहीं किया भुगतान तो रूसी बैंक ने उठाया जरूरी कदम

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के सबसे बड़े ऋणदाता सर्बैंक ने ग्लोबल कॉमोडिटीज ट्रेडर ग्लेनकोर पर तेल आपूर्ति का लगभग 117 मिलियन यूरो (116 मिलियन डॉलर) का भुगतान नहीं करने पर मुकदमा दर्ज करने का फैसला किया है। मॉस्को के मध्यस्थता न्यायालय के डेटाबेस ने सोमवार को इसकी पुष्टि की है। डेटाबेस से पता चलता है कि सर्बैंक दो समझौतों (डील) के तहत ब्रिटेन की कंपनी ग्लेनकोर एनर्जी यूके लिमिटेड से ऋण और दंड की वसूली की मांग कर रहा था। दोनों की कीमत करीब लगभग 58-36 मिलियन यूरो थी। इन में से एक डील मार्च में यूक्रेन और हंगरी की सीमा पर तेल मिश्रण की आपूर्ति से संबंधित है, और दूसरा उसी महीने यूक्रेन और स्लोवाकिया की सीमा पर हुई आपूर्ति से जुड़ा है। डेटाबेस ने समझौतों या मुकदमे पर और कोई विवरण नहीं दिया है। सर्बैंक ने इस खबर पर टिप्पणी के अनुरोध का अब तक जवाब नहीं दिया है। ग्लेनकोर की तरफ से भी इस मामले में अब तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। बता दें कि रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन में अपनी सेना भेजी थी जिसे वह विशेष सैन्य अभियान₹ कहता है। यह स्पष्ट नहीं है ग्लैनकोर पर मुकदमे का कारण रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव है या नहीं। इस मामले में सुनवाई छह दिसंबर को मास्को में शुरू होने वाली है।

जीएसटी में सिर्फ एक दर चाहते हैं पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन, जताई यह आशंका

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन विवेक देबरॉय ने जीएसटी पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में सिर्फ एक दर होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि कराधान प्रणाली छूट रहित होनी चाहिए। हालांकि, इस दौरान देबरॉय ने यह भी स्पष्ट किया है कि उनकी इस राय को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं माना जाना जाहिए।देबरॉय ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि केंद्र और राज्यों का कर संग्रह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 15 प्रतिशत है, जबकि सार्वजनिक ढांचे पर सरकार के खर्च की मांग कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा, ''जीएसटी पर यह मेरी राय है। कर की सिर्फ एक दर होनी चाहिए। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो पाएगा।'' उन्होंने कहा कि यदि 'अभिजात्य प्रकृति' और अधिक उपभोग वाले उत्पादों पर अलग-अलग कर दरें हटा दी जाएं, तो इससे मुकदमेबाजी घटेगी। देबरॉय ने कहा, ''हमें यह समझने की जरूरत है कि उत्पाद कोई भी हो जीएसटी दर एक होनी चाहिए। यदि हम प्रगतिशीलता दिखाना चाहते हैं तो यह प्रत्यक्ष करों के जरिये होनी चाहिए, जीएसटी या अप्रत्यक्ष करों के जरिये नहीं।'' उन्होंने कहा कि उनके इस विचार को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं माना जाए। देबरॉय ने कहा कि जीएसटी को लागू करने से पहले आर्थिक मामलों के विभाग ने 17 प्रतिशत के जीएसटी राजस्व निरपेक्ष दर (आरएनआर) का अनुमान दिया था, लेकिन आज औसत जीएसटी 11.5 प्रतिशत है। ईएसी-पीएम के चेयरमैन ने कहा, ''या तो हम कर देने के लिए तैयार रहें या सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं की कम आपूर्ति के लिए। सरकार की ओर से कर छूट या रियायत दी जाती है वह जीडीपी के 5-5.5 प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने कहा कि कर चोरी गैरकानूनी है, लेकिन मुक्तता या छूट के प्रावधान के जरिये कर से बचाव कानूनी रूप से सही है।

दिवाली के बाद सोने से 7 गुना अधिक रफ्तार से भागी चांदी

3 कारोबारी सत्रों में करीब 3000 रुपये महंगी हुई

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली से पहले जहां सोने-चांदी की रफ्तार सुस्त थी वहीं, दिवाली के बाद सोने और चांदी की रफ्तार तेज हो गई है। सोने के भाव में वृद्धि की तुलना में चांदी 7 गुना अधिक उछली है। 25 अक्टूबर के बंद भाव की तुलना में आज सोना जहां केवल 516 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है तो वहीं चांदी 56696 रुपये से सीधे 60019 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

यह आंकड़े आईबीजेए के हैं। चांदी के भाव में सबसे अधिक उछाल इधर तीन सत्रों में आया है। इंडिया बुलियंस ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक 3 नवंबर को चांदी 57049 रुपये प्रति किलो के रेट पर बंद हुई थी। इसके बाद 4 नवंबर को यह उछल कर 58755 रुपये पर पहुंच गई और आज यह 60000 रुपये के पर पहुंच गई। इन तीन सत्रों में चांदी के रेट करीब 3000 रुपये प्रति किलो चढ़े हैं। वहीं, अगर सोने की बात करें तो 3 फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने लिया बड़ा फैसला, हजारों की नौकरियों पर लटकी तलवारनवंबर को 24 कैरेट सोना 50114 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 4 नवंबर को 50422 और आज सुबह यह 50960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। केडिया एडवाइजरी के प्रेसीडेंट व एनॉलिस्ट अजय केडिया कहते हैं कि फेड ब्याज दरों में और 75 आधार अंकों की वृद्धि के बाद उछाल आना स्वभाविक था। बुलियन की सुरक्षित निवेश की विशेषता भू-राजनीतिक जोखिमों के रूप में बनी हुई है। इसके अलावा सौर ऊर्जा और ईवी में इसके उपयोग के कारण चांदी की उच्च मांग है। सिल्वर ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर सेबी की मंजूरी के बाद मशहूर हो रहे हैं। भारत और चीन में त्योहार की मांग में तेजी (जनवरी 23 में चीनी नव वर्ष) है।

वहीं, 5जी में सिल्वर की भूमिका 2025 तक लगभग 16 मोज़ू तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा भारत में चांदी का आयात बढ़कर 5,100 टन हो गया है।

ट्विटर ने निकाले एम्प्लॉइज में से कुछ को वापस बुलाया

कहा- गलती से टर्मिनेट कर दिया था,मस्क के विजन को आगे बढ़ाने में इनकी जरूरत

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर ने 50% एम्प्लॉइज की छंटनी के बाद अब उनमें से कुछ कर्मचारियों को वापस लौटने के लिए कहा है। कंपनी का कहना है कि उन्हें गलती से टर्मिनेट कर दिया गया था। ब्लूमबर्ग ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी मैनेजमेंट ने कुछ लोगों को जल्दबाजी में निकाल दिया था।

अब कंपनी को लगता है कि मस्क के विजन को आगे बढ़ाने के लिए इनकी जरूरत पड़ेगी। यही वजह है कि उनको वापस बुलाया जा रहा है।

ट्विटर ने करीब आधे कर्मचारियों को निकाला

एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के साथ ही दुनिया भर में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। ये छंटनी शुक्रवार से शुरू हुई है। ट्विटर के कुल 7,500 स्टाफ में से करीब आधे को निकाल दिया गया है। भारत में ट्विटर के 200 से ज्यादा कर्मचारियों थे, जिनमें में से लगभग 90% को निकाल दिया गया है। इंजीनियरिंग, सेल्स, मार्केटिंग और कम्युनिकेशन टीमों में छंटनी की गई है।

कर्मचारियों को तीन तरह के ईमेल

ट्विटर के कर्मचारियों को तीन तरह के ईमेल भेजे हैं। एक ईमेल उन लोगों के लिए है जिन्हें निकाला नहीं गया है, एक उन लोगों के लिए है जिन्हें निकाल दिया गया है जबकि एक मेल उन लोगों के लिए है जिनकी नौकरी अभी भी अधर में है।

सबसे पहले चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था

एलन मस्क ने 27 अक्टूबर को 44 बिलियन डॉलर की डील में ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाल दिया था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल और लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल हैं। इसके बाद चीफ मार्केटिंग ऑफिसर लेस्ली बेरलैंड, चीफ कस्टमर ऑफिसर सारा पर्सनेट और ग्लोबल क्लाइंट सॉल्यूशंस के वाइस प्रेसिडेंट जीन-फिलिप महू को बाहर कर दिया गया।

कंपनी को रोजाना 32 करोड़ का नुकसान

छंटनी पर मस्क ने कहा था, 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जिन्हें भी निकाला गया है, उन्हें 3 महीने का सेवरेंस दिया गया है, जो कि कानूनी तौर पर दिए जाने वाले अमाउंट से 50% ज्यादा है।'

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने लिया बड़ा फैसला

हजारों की नौकरियों पर लटकी तलवार

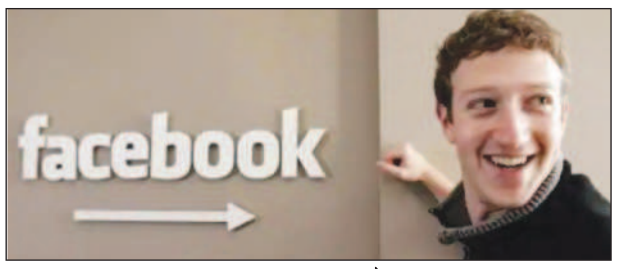

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया भर के बाजारों में इस समय में काफी उथल-पुथल मची हुई है। मंदी की आशंका के बीच दिग्गज कंपनियां अपने खर्च में कटौती करने को मजबूर हैं। इस बार कर्मचारियों की छंटनी को लेकर अमेरिका की सिलिकॉन वैली से बड़ी खबर आ रही है। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा इस हफ्ते कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार 9 नवंबर यानी बुधवार को कंपनी अपने हजारों कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर देगी। कंपनी ने पहले ही कर्मचारियों को इस सप्ताह गैर-जरूरी ट्रैवल कैंसिल करने के लिए कह दिया गया था। हालांकि, इस पूरे मसले पर मेटा की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। बता दें, सितंबर तिमाही तक मेटा के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कुल मिलाकर 87,000 से अधिक लोग काम कर रहे थे।

तिमाही नतीजों ने दी मार्क जकरबर्ग को टेंशन!

सितंबर तिमाही में मेटा का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। साल 2022 की तीसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट घटकर 4.4 अरब डॉलर पर आ गया है। पिछले साल की तुलना में इस बार सितंबर तिमाही में कंपनी के प्रॉफिट में 52 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों भी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं, कंपनी का मार्केट कैप भी घटकर 600 अरब डॉलर हो गया है।

नौकरियों को लेकर क्या सोच रहे हैं मेटा के मुखिया?

अक्टूबर 2022 में जकरबर्ग ने एक बयान में कहा था, 'साल 2023 में हमारे निवेश का फोकस तेजी से ग्रोथ करने वाले एरिया पर रहेगा। ऐसे में कुछ टीम में लोगों को इजाफा देखने को मिल सकता है। वहीं, ज्यादातर टीम या तो फ्लैट रहेंगी या फिर छंटनी होगी। साल 2023 में या तो हमारी कंपनी का साइज घट जाएगा या फिर कुछ इसी तरह दिखाई देगा।' इससे साफ है कि कंपनी आने वाले समय में नई ज्वाइनिंग पर बहुत फोकस नहीं कर रही है। कुछ समय पहले मेटा के शेयरहोल्डर अल्टीमीटर कैपिटल मैनेजमेंट ने मार्क जकरबर्ग को एक ओपन लेटर लिखते हुए कहा था कि कंपनी को कर्मचारियों की छंटनी के जरिए खर्च में कटौती करनी चाहिए। इस लेटर में कहा गया था कि मेटा अपने निवेशकों का भरोसा खो रही है।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बाजार मजबूत सेंसेक्स 234 अंक चढ़ा, निफ्टी 18202 पर

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में मजबूती दिखी। सोमवार को सेंसेक्स उतार-चढ़ाव के बाद 61185 अंकों के लेवल पर बंद होने में सफल रहा। इसमें 235 अंकों की बढ़ दिखी। वहीं दूसरी ओर, वृहत बेंचमार्क निफ्टी भी 85.65 अंकों की बढ़त के साथ 18202.80 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सेशन में ब्रिटानिया, एसबीआई, रेल विकास निगम लिमिटेड और बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरों में 10 प्रतिशत की तेजी दिखी। बता दें कि मंगलवार को गुरु नानक जयंती के मौके पर बाजार बंद रहेंगे। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में कारोबार नहीं होगा। सोमवार के कारोबारी सेशन में फार्मा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर को छोड़ दें तो सभी सेक्टर के शेयरों में मजबूती दिखी। बैंक निफ्टी, निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, मेटल्स और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में तेजी दिखी।

ऑनलाइन बिक रहा बकरी का दूध

कीमत गाय-भैंस के दूध से कई गुना अधिक

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली समेत देश के कई शहरों में डेंगू का प्रकोप बढ़ते ही बकरी के दूध की डिमांड बढ़ गई है। कहीं 400 तो कहीं 800 रुपये प्रति लीटर के भाव पर भी बकरी का दूध नहीं मिल रहा है, लेकिन अमेजन पर कई कंपनियां ऑनलाइन बकरी का दूध बेच रही हैं। माना जाता है कि बकरी के दूध पीने से प्लेटलेट्स काफी तेजी से बढ़ते हैं, जबकि डॉक्टर इस बात से इनकार करते हैं। बता दें गाय-भैंस ही नहीं बल्कि तमाम ब्रांडेड कंपनियों से भी महंगा दूध बकरी का दूध इन दिनों बिक रहा है। अमेजन पर कई कंपनियों के प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। कुछ मिल्क पाउडर के रूप में तो कुछ लिक्विड के रूप में। ऑनलाइन बकरी के दूध की खरीदारी पर ईएमआई से लेकर कैश बैक तक के ऑफर हैं। ऐसी ही एक कंपनी है हाई फूड्स। कंपनी का दावा है कि उसके यहां उपलब्ध बकरी का दूध पाउडर 100% शुद्ध और प्राकृतिक है। बकरी का दूध पाउडर ताजा और नैतिक रूप से सोर्स किया जाता है। हाई फूड्स बकरी का दूध पाउडर बकरी के दूध की तरह ही महकता है। इसे बनाने के तरीके के बारे में कंपनी कहती है कि बस एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच हाय बकरी का दूध पाउडर मिलाएं और आपका बकरी का दूध तैयार है। कंपनी का दावा है कि बकरी का दूध प्रीबायोटिक प्रकृति का होता है और पचने में आसान होता है। बकरी का दूध सेलेनियम से भरपूर होता है, जो ब्लड प्लेटलेट काउंट को बेहतर बनाने में मदद करता है। पाउडर के रूप में बकरी का दूध 6 फीसद डिस्काउंट के साथ 128 रुपये का है। वह भी केवल 500 ग्राम। इसके अलावा आदविक का फ्रोजेन दूध भी उपलब्ध है। वहीं, कंट्रीयार्ड का आध लीटर का दूध 350 रुपये में मिल रहा है। कैसे होता है डेंगूः डेंगू चीते जैसी धारियों वाले मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। ये मच्छर प्रायः दिन में, खासकर सुबह के समय काटते हैं। यह बहुत ऊंचाई तक नहीं उड़ पाता। वायरस सफेद रक्त कोशिकाओं में प्रवेश करता है और प्रजनन करता है।

कब दिखती है बीमारीः मच्छर काटने के लगभग 3-4 दिनों बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। शरीर में बीमारी पनपने की मियाद 3 से 10 दिनों की भी हो सकती है।

जोमैटो के बड़े अधिकारी ने पद छोड़ा, एक वर्ष में 52% टूटे शेयर

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। फूडटेक क्षेत्र की यूनिकॉर्न कंपनी जोमैटो के ग्लोबल ग्रोथ सेगमेंट के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ झवर ने पद छोड़ दिया है। हार्वर्ड से पढ़े झावर ने सोमवार की शाम एक लिंक्डइन पोस्ट के माध्यम से इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'जोमैटो जो मौके उपलब्ध करा रहा है वह असाधारण है। कोई भी पर्वत इतना ऊंचा नहीं हो सकता कि आप चढ़ ना सकें, आपके पूर्व की साख भाविष्य में आपके अवसर की संभावनाओं को सीमित नहीं कर करती है।' उन्होंने लिखा, 'मुझे एक नया व्यवसाय शुरू करने का मौका मिला- यह बहुत मजेदार था, खासकर मेरे आस-पास के लोगों के कारण।'उधर, जोमैटो ने भी सिद्धार्थ के कंपनी छोड़ने के खबर की पुष्टि कर दी है। साथ ही कंपनी ने यह भी कहा है कि ब्लिंकिट में डायरेक्टर ऑफ कैटेगरी कामायनी साधवानी उनका पद संभालेंगी। कामायनी इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस की एलूमिनाई हैं। ब्लिंकिट ज्वाइन करने से पूर्व उन्होंने मैकेंजी एंड कंपनी, कोका कोला, बैन एंड कंपनी और एसेंचर जैसी कंपनियों में काम किया है। बता दें कि ब्लिंकिट का इसी वर्ष जोमैटो ने अधिग्रहण किया है। उधर, ऑनलाइन फूड ऑडर मुहैया कराने वाली कंपनी के शेयरों ने अपने निवेशकों को झटका दिया है। कंपनी के भाव पिछले एक वर्षों में आधे से नीचे आ गए हैं। बीते शुक्रवार को जोमैटो के शेयर 1.29 फीसदी की गिरावट के साथ 63 रुपये पर बंद हुए थे। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 40.60 रुपये और हाई 169 रुपये है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडियाः सर्वाधिक लाभ कमाकर रिलायंस को पछाड़ा

74 फीसदी बढ़ा मुनाफा, शेयर चमके

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने दूसरी तिमाही में फायदा कमाने के मामले में सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि (आरआईएल) को पीछे छोड़ दिया है। एसबीआई ने जुलाई-सितंबर में 14,752 करोड़ का फायदा कमाया है जबकि आरआईएल ने 13,656 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है। एसबीआई का मुनाफा एक साल पहले की तुलना में 74 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड स्तर 13,256 करोड़ पर रहा है जो रिलायंस की तुलना में काफी ज्यादा है। रिलायंस के मुनाफे में इसलिए गिरावट आई क्योंकि उसे अप्रत्याशित कर के रूप में 4,039 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा। एसबीआई बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि बैंक ने ट्रेजरी से ज्यादा मुनाफा कमाया है। शुद्ध आय और भी ज्यादा होगी। बैंक ने सरकारी प्रतिभूतियों में आरबीआई की सभी बैंकों के लिए अनिवार्य सीमा 19 फीसदी की तुलना में 2.85 लाख करोड़ ज्यादा निवेश किया है। इसी से उसका मुनाफा बढ़ा है। उसके समूह की कुल आय 1,14,782 करोड़ रुपये रही है जो एक साल पहले 1,01,143 करोड़ रुपये थी। हालांकि, छमाही की बात करें तो आरआईएल का लाभ 31,611 करोड़ रुपये रहा है जबकि एसबीआई का फायदा 22,077 करोड़ रुपये है। इसी तरह से आय के मामले में रिलायंस काफी आगे है। इसकी आय 253,497 करोड़ रही जबकि एसबीआई की 1,14,782 करोड़ रुपये रही। एसबीआई के बुरे फंसे कर्ज (एनपीए) में गिरावट आई है। सकल एनपीए 1.38 फीसदी कम होकर 3.52 फीसदी रहा जबकि शुद्ध एनपीए 1.52 फीसदी से घटकर 0.80 फीसदी पर रहा है। बैंक का कुल कर्ज 20 फीसदी बढ़कर 30.35 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें खुदरा कर्ज 10.74 लाख करोड़ रुपये रहा है। यह 18.84 फीसदी बढ़ा है। इसका खुदरा होम लोन 14.57 फीसदी तेजी के साथ 5.94 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। कॉरपोरेट कर्ज 21.2 फीसदी और एसएमई कर्ज 13.24 फीसदी बढ़ा है। देश के सबसे बड़े बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़ने का असर कंपनी के शेयरों पर भी पड़ा है। सोमवार के कारोबारी सेशन में एसबीआई के शेयर 18.75 रुपये (3.18%) की तेजी के साथ 613.45 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कारोबार कर रहे हैं। जानकारों के मुताबिक शेयरों के भाव आने वाले समय में 700 रुपये के स्तर पर जा सकते हैं। देश के जानेमो ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों को अच्छी रेटिंग देते इनके लिए 700 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस दिया है।

कनाडा में 14.5 लाख जॉब, नहीं मिल रहे लोग

भारतीयों के लिए बड़ा मौका; सैलरी के साथ मिलेगी परमानेंट रेसिडेंसी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अगले तीन साल में कनाडा 14.5 लाख विदेशी लोगों को नौकरी देने की तैयारी में है। हाल ही में कनाडा के इमीग्रेशन मिनिस्टर शौन फ्रेसर ने कहा की देश में लेबर फोर्स की कमी से अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे उबरने के लिए कनाडा को और लोगों की जरूरत है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए कनाडा ने इमीग्रेशन लेवेल्स प्लान 2023-25 के तहत अगले तीन साल में 14.5 लाख अप्रवासी लोगों को देश में नौकरी देने का प्लान बनाया है। भास्कर एक्सप्लेनर में जानेंगे कि कनाडा में आखिर लेबर फोर्स की कमी क्यों हुई? कनाडा की नई इमीग्रेशन पॉलिसी क्या है और इससे भारत के लोगों को कैसे फायदा मिल सकता है ? जून-जुलाई 2022 में कनाडा ने कोविड-19 महामारी की 7वीं लहर का सामना किया। इस दौरान 11.2% हॉस्पिटल स्टाफ और नर्स भी संक्रमण की चपेट में आकर बीमार हो गए। इससे काम करने वालों की कमी हुई और कई हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड को बंद करने की नौबत आ गई। इस साल मार्च के महीने से अब तक 2 लाख लोग नौकरी छोड़ चुके हैं। वहीं कुछ लोगों को महामारी के दौरान नौकरी से हाथ धोना पड़ा। जुलाई में 30,000 और जून में 43,000 लोगों ने एजुकेशन, हेल्थकेयर और सोशल सर्विस सेक्टर की नौकरी छोड़ दी। पिछले 1 साल में कनाडा की इकोनॉमी को लेबर शॉर्टेज की वजह से 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। ऐसे लोगों ने अब सेल्फ इम्प्लॉयमेंट के नए तरीके अपना लिए हैं और अब इन्हीं पर निर्भर हैं। अब कंपनियों को दोबारा काम करवाने के लिए नए लेबर फोर्स की जरूरत है, लेकिन पुराने एम्प्लाइज काम पर वापस नहीं आ रहे हैं। इमीग्रेशन मिनिस्टर शौन फ्रेसर ने कहा है की 2025 तक कनाडा में इकोनॉमिक माइग्रेंट कैटेगरी में 60% इमीग्रेंट्स को एंट्री देंगे। इसका मतलब इन इमीग्रेंट्स को कनाडा में परमानेंट रेसिडेंसी कार्ड भी मिलेंगे। कनाडा में मजदूरों की कमी की एक वजह लगातार गिरता फर्टिलिटी रेट और बूढ़ी होती आबादी भी है। मौजूदा वक्त में कनाडा का फर्टिलिटी रेट 1.4 चिल्ड्रन प्रति महिला है। 2030 तक कनाडा की एक चौथाई आबादी यानी करीब 90 लाख लोग रिटायरमेंट एज तक पहुंच जाएंगे। इमीग्रेशन मिनिस्टर शौन फ्रेसर का कहना है की कनाडा की हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर-फिशरीज और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पूरी तरह अप्रवासियों पर निर्भर है।

पाक पुलिस अफसर के खाते में 'अज्ञात' ने भेजे 10 करोड़, खाता सील

कराची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में एक पुलिस अधिकारी के खाते में रातों-रात करोड़पति बन गया। उसके बैंक खाते में 'अज्ञात' व्यक्ति ने 10 करोड़ रुपये जमा कराए। इस अधिकारी के खाते में वेतन की राशि के साथ 10 करोड़ रुपये अतिरिक्त जमा हुए हैं। कराची में पुलिस थाने के जांच अधिकारी आमिर गोपांग के खाते में यह राशि जमा हुई है। अपने खाते में अचानक 10 करोड़ जमा होने पर वे हैरान रह गए। गोपांग ने कहा कि मेरे खाते में कभी भी कुछ हजार रुपये से ज्यादा नहीं आए हैं। इसका पता उन्हें तब चला जब बैंक से फोन आया और बताया गया कि उनके खाते में 10 करोड़ रुपये जमा हो गए हैं। हालांकि, इससे पहले कि गोपांग खाते से कोई लेन-देन कर पाते बैंक ने खाता सील कर दिया और पैसे निकालने से रोकने के लिए उनका एटीएम कार्ड ब्लॉक कर दिया। अब बैंक के साथ कराची पुलिस भी खाते में इतनी बड़ी राशि आने की जांच कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि आखिर यह राशि कैसे और कहां से आई? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के लाड़काना और सक्खर में भी इसी तरह की घटनाएं सामने आई हैं। कई पुलिस अधिकारियों के बैंक खातों में बड़ी राशि जमा हो गई थी। लाड़काना में तीन पुलिस अधिकारियों में से प्रत्येक के खाते में पांच पांच करोड़ रुपये जमा हुए थे।

यूएस और द.कोरिया पर आक्रामक हुए किम जोंग

कहा- 'मिसाइल लॉन्च सैन्य मुकाबले का अभ्यास'

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच कुछ भी सामान्य नहीं है। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया की ओर से दर्जनों मिसाइल प्रक्षेपण किए गए थे। अब उसकी ओर से इसको लेकर बयान जारी किया गया है। उत्तर कोरिया ने साफ किया गया है कि उसकी ओर से किए गए मिसाइल प्रक्षेपण सीधे तौर पर दक्षिण कोरिया और अमेरिका से मुकाबले के अभ्यास के तौर पर किए गए थे। उत्तर कोरियाई सेना ने सोमवार को कहा कि उसने हाल में मिसाइल परीक्षण अपने प्रतिद्वंद्वी देशों के हवाई अड्डों एवं युद्धक विमानों पर हमले का अभ्यास करने के तौर पर किए थे, जिनका उदेश्य ऑपरेशन कमांड सिस्टम से मुकाबला करना था। कोरियाई सेना ने कहा कि ये परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का मुकाबला करने के उसके संकल्प को दर्शाते हैं।

द.कोरिया और जापान ने जारी किया था अलर्ट

बता दें, दक्षिण कोरिया और अमेरिकी सेना ने बीते दिनों संयुक्त सैन्य अभ्यास किया था। इसके विरोध में उत्तर कोरिया ने पिछले सप्ताह दर्जनों मिसाइलें दागीं और युद्धक विमानों का अभ्यास किया। इसको बाद द. कोरिया और जापान ने अपने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया था। दोनों देशों की ओर से अपने नागरिकों को सुरक्षित जगह पर रहने के लिए कहा गया था।

जारी रहेंगे मिसाइल प्रक्षेपण

उधर, कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के हवाले से कहा गया है कि कोरियाई पीपुल्स आर्मी के इस तरह के हालिया सैन्य अभियान दुश्मनों की सैन्य उग्रता का जवाब हैं। केपीए पूरी तैयारी से उनका मुकाबला करेगा। उत्तर कोरिया की सेना ने कहा कि उसने सैन्य मुकाबले के मकसद से उसने एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। उसने सुपर-लार्ज, मल्टीपल-लॉन्च मिसाइलों और सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का भी प्रक्षेपण किया।

सिख जत्थे पहुंचे पाक, अलर्ट मोड पर भारतीय उच्चायोग

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया सिख समुदाय के प्रथम गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मनाने के लिए तैयार है। भारत से भी नानकाना साहिब जाने के लिए जत्थे रवाना हो चुके हैं। ऐसे में पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग भी सुरक्षा के लिए अलर्ट मोड पर है। खबर है कि उच्चायोग स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से सुरक्षा के लिए काम कर रहा है। गुरुपुरब उत्सव के लिए श्रद्धालु पड़ोसी देश पहुंच रहे हैं। इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग की कान्सुलर टीम भी पाकिस्तान के अलग-अलग गुरुद्वारा तक यात्रा में सहयोग करने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैनात हैं। ननकाना साहिब में गुरु नानक जयंती मनाने जत्था पाकिस्तान पहुंचा ननकाना साहिब में आठ नवंबर को गुरु नानक जयंती समारोह में शामिल होने के लिए सिख श्रद्धालुओं के कई जत्थे रविवार को अटारी-वाघा सीमा से पाकिस्तान पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करीब 2,500 तीर्थयात्री पाकिस्तान गए हैं। पाकिस्तान के 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव राणा शाहिद और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष अमीर सिंह और अन्य अधिकारियों ने वाघा सीमा पर तीर्थयात्रियों की अगवानी की। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'रविवार को बाबा गुरु नानक की जयंती में शामिल होने के लिए भारत से 2,500 से अधिक सिख श्रद्धालु लाहौर पहुंचे हैं।

चुनाव प्रचार में बोले पूर्व राष्ट्रपति ओबामा-लोकतंत्र खतरे में है

पिट्सबर्ग, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक सभा में वोटरों को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि देश में गर्भपात का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और खुद लोकतंत्र तक खतरे में हैं।

इन्हें बचाने के लिए बड़ी राजनीतिक बाधाओं को दूर किया जाना है। ऐसे में रूठना और पीछा छुड़ाना कोई विकल्प नहीं है। आइए, सुनिश्चित करें कि देश 50 साल पीछे न चला जाए। इन चुनावों के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ फिलाडेल्फिया में मंच साझा किया। बाइडन के कार्यभार संभालने के बाद दौड़ के पूर्व साथी पहली बार एक साथ प्रचार कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में राजनीतिक मंच से आमतौर पर दूर ही रहने वाले पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भी पार्टी के बचाव के लिए सामने आ गए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की तिकड़ी ने शनिवार को पूरे अमेरिकी कांग्रेस पर नियंत्रण के लिए प्रमुख राज्यों में जनसंपर्क किया। उधर, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना दिन दक्षिणपश्चिम पेनसिल्वेनिया में कामकाजी लोगों की सभा को संबोधित करने के साथ प्रचार समाप्त किया। उन्होंने चुनाव को भविष्यसूचक करार देते हुए कहा, यदि आप देश को विनाश से बचाना चाहते हैं और अमेरिकी स्वप्न की अवधारणा में विश्वास रखते हैं तो मंगलवार को रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में मतदान करें। हजारों समर्थकों की नारेबाजी के बीच ट्रंप ने अमेरिका को संकट में घिरा देश करार दिया।

दुबई में बुर्ज खलीफा और ईराक के एक बड़ी इमारत में लगी भीषण आग, दर्जनों लोग झुलसे

रियाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा के पास 35 मंजिला एक इमारत में सोमवार तड़के आग लग गई। हालांकि खबरे मिलने तक इस हादसे में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। वहीं इराक की राजधानी बगदाद के वाणिज्यिक इमारत में भी भीषण आग लग गई। इसमें 28 से ज्यादा लोगों के झुलस जाने की पुष्टि हुई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दुबई में बुर्ज खलीफा के पास लगी आग पर काबू पा लिया गया था।

चीनी यान ने अंतरिक्ष में छोड़ी रहस्यमय चीज अमेरिका कर रहा निगरानी

वाशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने दावा किया है कि चीन के अंतरिक्ष यान ने एक रहस्यमय वस्तु पृथ्वी की कक्षा में छोड़ी है। हालांकि यह पता नहीं चल सका है कि सोमवार को छोड़ी गई यह वस्तु क्या है। अमेरिकी विशेषज्ञों का मानना है कि अज्ञात वस्तु चीन के प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से जुड़ी है। ऑर्बिटल फोकस वेबसाइट के मुताबिक, यह वस्तु अपने मुख्य यान से 200 मीटर से कम की दूरी पर रहकर दूरी तय कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये पुनः उपयोग लायक अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली के विकास से जुड़ा हो सकता है।

अंतरिक्ष पर नजर रखने वालों का अनुमान है कि ये वस्तु एक छोटा उपग्रह हो सकता है, जिसे एक बड़े क्राफ्ट, सर्विस मॉड्यूल या परीक्षण के परिणाम की निगरानी के लिए बनाया गया हो। इस प्रायोगिक अंतरिक्ष यान को गोबी रेगिस्तान में जिउक्वान से चार अगस्त को चीन के लॉन्ग मार्च 2एफ रॉकेट से लॉन्च किया गया और ये तीन महीने से कक्षा में है। हालांकि इस यान से रहस्यमय चीज कुछ समय पहले ही छोड़ी गई और अब अपनी कक्षा में स्थापित होने पर ही दिखाई दे रही है। चीन ने इस मिशन को लेकर चुप्पी साध रखी है।

एमपी का पहला स्मार्ट विलेज: दमोह के इस गांव की बिना सरकारी मदद के बदली तस्वीर

दमोह, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के जबेरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत खैरी सिंगौरगढ़ का पड़रिया थोवन गांव मध्यप्रदेश का इकलौता स्मार्ट विलेज है। इस गांव की दीवारें स्वच्छता का संदेश देती हैं, तो वहीं पूरे गांव की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यह गांव शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी आगे है। पड़रिया थोवन विलेज में करीब 40 परिवार रहते हैं, जिसमें 315 सदस्य हैं। यहां के रहने वाले लोगों में कोई एमबीए है तो कोई एयर फोर्स, पुलिस, बिजली कंपनी और बैंकिंग जैसे सेक्टर में काम करता है। गांव का कोई भी व्यक्ति नशा नहीं करता, क्योंकि नशा करने वाले पर पूरा गांव नजर रखता है।

दुबई भागने की फिराक में थे हामिद करजई के भाई महमूद करजई, एयरपोर्ट से हिरासत में

काबुल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई के भाई महमूद करजई को तालिबानियों ने रविवार को हिरासत में ले लिया। तालिबान के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्व अर्बन डेवलपमेंट एंड लैंड मिनिस्ट पर कानूनी मामलों के चलते विदेश जाने से रोक है। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाइट पर सवार होने से ठीक पहले ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया। महमूद करजई अफगानिस्तान के बड़े बिजनेसमैन में से एक हैं। तालिबान के प्रधानमंत्री कार्यालय से जुड़े एक शख्स ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, 'महमूद करजई को काबुल एयरपोर्ट से तालिबान की खुफिया सर्विस ने हिरासत में ले लिया। वह दुबई जाने वाली एरियाना एयरलाइन फ्लाइट पर सवार होने वाले थे।' इस्लामिक अमीरात के डिप्टी प्रवक्ता बिलाल करीमी ने इसकी पुष्टि की कि महमूद करजई पर कानूनी मामलों के चलते अफगानिस्तान छोड़ने पर रोक है। इसी के चलते रविवार को उन्हें हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों का मानना है कि महमूद करजई की नजरबंदी के पीछे का मकसद उनके भाई हामिद करजई की राजनीतिक टिप्पणी हो सकती है। बताया जा रहा है कि हामिद के बयानों से तालिबानी काफी आहत हुए हैं। मालूम हो कि हामिद करजई और अब्दुल्ला अब्दुल्ला अफगानिस्तान के दो बड़े नेता हैं, जो तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद भी देश में बने रहे।

इमरान सबसे बड़े नौटंकीबाज

एक्टिंग में शाहरुख-सलमान को भी छोड़ दिया पीछे; गोलीकांड पर बोले पाक नेता

इस्लामाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के लंबे मार्च को "विफलता" करार देते हुए इमरान खान को बड़ा नौटंकीबाज करार दिया।

रहमान ने कहा कि हत्या की कोशिश कुछ और नहीं पीटीआई द्वारा रचा गया नाटक था। एक्टिंग में तो इमरान खान ने शाहरुख खान और सलमान खान को भी पीछे छोड़ दिया है। इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम में बोलते हुए जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि जब हमे पता लगा कि इमरान खान को गोली लगी है। हम चिंतित थे और सहानुभूति प्रकट की। लेकिन अब हमने महसूस किया है कि यह पीटीआई द्वारा रचा गया नया नाटक था। इमरान खान ने तो एक्टिंग में शाहरुख और सलमान खान को पीछे छोड़ दिया है। फजलुर रहमान ने कहा कि उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार से सख्ती बरतने को कहा है। किसी को भी पाकिस्तान के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अब उनके साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

गौरतलब है कि पीटीआई प्रमुख इमरान खान को गुरुवार को वजीराबाद में उनके लंबे मार्च के दौरान गोली मारी गई थी। जिससे उनके पैर में गोली लगी थी। अस्पताल में सर्जरी के बाद उनके पैर से गोली निकाली गई। इमरान ने हमले के लिए मौजूदा पीएम शहबाज शरीफ, गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह और आईएसआई के शीर्ष अधिकारी मेजर जनरल फैसल नसीर को जिम्मेदार ठहराया है।

इससे पहले इमरान खान ने घोषणा की कि राजधानी इस्लामाबाद की ओर उनका लंबा मार्च मंगलवार को शहर में उसी बिंदु से फिर से शुरू होगा जहां वह हमले में आए थे। डॉन ने लाहौर में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान खान के हवाले से कहा, ₹हमने तय किया है कि हमारा मार्च मंगलवार को वजीराबाद में उसी जगह से फिर से शुरू होगा जहां मुझे और 11 अन्य को गोली मारी गई थी और जहां मोअज्जम शहीद हुए थे।

नेपाल में अबकी बार भारत या चीन की मनपंसद सरकार? 20 नवंबर को मतदान

काठमांडू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के साथ सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ता रखने वाले नेपाल में आगामी 20 नवंबर को एक साथ प्रांतीय और राष्ट्रीय चुनाव होंगे, लिहाजा अब नेपाल में राजनीतिक पारा गर्म हो चुका है। देश की मौजूदा सरकार को चलाने वाली नेपाली कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है, कि आपसी सिर फुटव्वल में फंसी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी गठबंधन के खिलाफ उसकी जीत आसान होने वाली है, लेकिन कम्युनिस्ट पार्टी ने अब राष्ट्रवाद का कार्ड खेलना शुरू कर दिया है, जिसमें भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी की जा रही है। नेपाल के करीब एक करोड़ 80 लाख मतदाता संसद के 275 सदस्यों के साथ साथ सात प्रांतों के लिए 330 विधानसभा सदस्यों का चुनाव करेंगे। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है, कि नेपाली चुनाव में कौन-कौन से मुद्दे इस बार हावी हैं और क्यों भारत की नजरें नेपाल चुनाव पर टिकी हुई हैं।

खराब अर्थव्यवस्था और महंगाई का मुद्दा

वैश्विक अर्थव्यवस्था में आई मंदी की चपेट में नेपाल भी फंसा हुआ है और नेपाल की करीब 3 करोड़ लोगों की आबादी यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद उपजी ऊर्जा संकट से परेशान है। इसके साथ ही वैश्विक खाद्य संकट का भी नेपाल पर गहरा असर पड़ा है और खाद्य सामग्रियों की बिक्री में महंगाई का काफी असर देखा जा सकता है। नेपाल में पिछले एक छमाही में 8 प्रतिशत की मुद्रास्फीति आ गई है, जो दो साल के कोविड संकट के बाद आया है। लिहाजा, महंगाई ने भी नेपाली जनता को परेशान कर रखा है। नेपाल में हर पांचवा व्यक्ति महज दो डॉलर यानि करीब 166 रुपये प्रतिदिन की इनकम पर काम करते हैं। लिहाजा, ये वर्ग उन राजनेताओं का पक्ष ले सकता है, जो खाद्य कीमतों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमत पर अंकुश लगाने का वादा करेगा। विश्व बैंक के अनुमानों के मुताबिक, जुलाई के मध्य से शुरू होने वाले चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में साल-दर-साल के मार्क पर 5.1% का विस्तार होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष इसमें 5.84% की वृद्धि दर्ज की गई थी।

राजनीतिक स्थिरता का मुद्दा

राजनीतिक स्थिरता गरीब राष्ट्र नेपाल के लिए काफी ज्यादा मुश्किलें लेकर आई हैं, जो चीन और भारत के बीच कई निवेशकों को हतोत्साहित कर रही है। साल 2008 में 239 साल पुरानी राजशाही के खात्मे के बाद से नेपाल में 10 अलग-अलग सरकारें रही हैं। नेपाल की तीन प्रमुख पार्टियों- नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट यूनिफाइड मार्क्सवादी-लेनिनिस्ट (यूएमएल) पार्टी और माओवादी सेंटर ने अतीत में अलग-अलग गठबंधन सरकारों का नेतृत्व किया है, लेकिन सत्ता संघर्ष और अंदरूनी कलह के कारण किसी ने भी पूरे पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हालांकि, माओवादी विद्रोही, जिन्होंने 2006 में सरकार के साथ चली आ रही एक दशक की लड़ाई के बाद युद्धविराम की घोषणा की थी, उसके नेता मुख्यधारा की राजनीति में शामिल हो गए हैं। माओवादी गुरिल्ला कमांडर के रूप में काम करने वाले वित्त मंत्री जनार्दन शर्मा ने कहा है कि, नेपाल के हालिया आर्थिक संकट और राजनीतिक स्थिरता चुनाव में मतदाताओं के मन में जरूर होंगी।

चुनाव में कौन आगे-कौन पीछे?

नेपाल चुनाव में इस बार का मुकाबला मुख्य रूप से नेपाली कांग्रेस पार्टी और यूएमएल पार्टी के बीच है। नेपाली कांग्रेस वर्तमान में चार अलग अलग पार्टियों के गठबंधन का नेतृत्व करती है और पिछले तीन दशकों से अधिक समय से सत्ता में है। नेपाली कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने माओवादी सेंटर पार्टी के साथ गठबंधन किया है, जो पूर्व माओवादी विद्रोहियों का मुख्य समूह है। 76 साल के देउबा छठी बार सत्ता में वापसी करना चाहते हैं।

खतरे में यूक्रेन की पावर ग्रिड

कीव खाली कराएगी सरकार; रूसी हमलों के बीच एक हजार हीटिंग सेंटर बनाने की तैयारी पूरी

कीव, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मार्क सेंटोरा, बेन हबार्ड. यूक्रेन में रूसी मिसाइलों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी बिजली ग्रिड को बहाल करने के लिए दिन-रात संघर्ष जारी है। यूक्रेन का 40 प्रतिशत एनर्जी ढांचा क्षतिग्रस्त या तबाह हो चुका है। राजधानी कीव में अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी तरह शहर के बाकी तीस लाख रहवासियों को बाहर निकालने के लिए ब्लैकआउट की योजना बना रहे हैं। पहले इस संभावना के बारे में नहीं सोचा गया था। स्थिति पहले ही बहुत गंभीर है। नगर निगम के कामगार 1000 हीटिंग शरण स्थल तैयार कर रहे हैं। जो बतौर बंकर भी काम आएंगे। दूसरी ओर इंजीनियर जरूरी साज-सामान के बिना बमबारी से नष्ट बिजली स्टेशनों को सुधारने में जुटे हैं।

7 एरिया में ब्लैक आउट रहेगा

यूक्रेन की राष्ट्रीय एनर्जी कंपनी ने बताया कि ग्रिड को पूरी तरह ध्वस्त होने से बचाने के लिए सात क्षेत्रों में ब्लैकआउट जारी रहेगा। रूसी सेना ने देशभर में महत्वपूर्ण बिजली इंफ्रास्ट्रक्टर को निशाना बनाया है। विश्लेषकों का कहना है, युद्ध के मैदान में लगातार लग रहे आघातों के कारण रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने यह रणनीति अपनाई है। रूसी हमलों ने यूक्रेन के नागरिकों के लिए नई

मुसीबत खड़ी की है। अधिकारी मानते हैं कि आगे और नुकसान हुआ तो वे बुनियादी सेवाएं मुहैया नहीं कर पाएंगे।

अब तक 12 बिजली सेंटरों पर निशाना

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि पिछले सोमवार को जब रूस ने 50 से अधिक क्रूज मिसाइल दागी थीं, तब उनमें से अधिक को मार गिराया गया था। हालांकि, कुछ मिसाइल बिजलीघरों, सब स्टेशनों पर लगीं। इससे हजारों लोगों को बिजली सप्लाई बंद हो गई। शुक्रवार को रूस ने घरों में बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी के सेंटर पर हमला किया था।

एक माह में 12 बिजली सप्लाई सेंटरों को निशाना बनाया जा चुका है।

कीव की नगरीय सरकार के सुरक्षा डायरेक्टर रोमन तकचक ने एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर रूस ने ऐसे हमले जारी रखे तो हमारा समूचा बिजली सिस्टम खत्म हो जाएगा। ग्रिड के विफल होने की जानकारी मिलने के 12 घंटे के भीतर हम लोगों से शहर छोड़ने के लिए कहेंगे।'

बम और मिसाइलों से बिजली स्टेशन बचाने की तैयारी

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बड़ी संख्या में लोग कीव नहीं छोड़ रहे हैं। वैसे अगर बिजली नहीं रहेगी तो पानी सप्लाई और सीवेज सिस्टम ठप हो जाएंगे। बिजली स्टेशनों को मिसाइल और बम से बचाने के लिए दीवारें खड़ी की जा रही हैं। इस बीच कई वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने वॉशिंगटन में कहा कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन को ज्यादा मदद देने की घोषणा से पता लगता है कि यूक्रेन और उसके पड़ोसियों के लिए रूसी खतरा कई साल तक रहेगा।

महिलाओं का खतना करने की प्रथा आज भी जारी

इस त्रासदी को नहीं रोक पाना भयावह: पोप फ्रांसिस

वेटिकन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर के कई देशों में मुस्लिम महिलाओं के 'खतना' पर बैन लगा हुआ है। इसके बावजूद यह प्रथा आज भी जारी है। बता दें, रूढ़िवादी मुसलमानों के बीच महिलाओं को तब तक 'अशुद्ध' और शादी के लिए तैयार नहीं माना जाता है, जब तक उनका खतना नहीं हो जाता। हालांकि कानूनी तौर पर खतना अपराध है, इसके बाद भी यह दर्दनाक परंपरा आज भी चल रही है। कानून लोगों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। लोग इसे पारंपरिक प्रथा मानते हैं जिसे बेटियों की शादी के लिए निभाना जरूरी है।भारत में साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने इसपर गंभीर टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि महिलाओं का जीवन केवल शादी और पति के लिए नहीं होता है। कोर्ट ने महिलाओं के खतने वाली प्रथा को निजता के अधिकार का उल्लघंन बताया था। कोर्ट ने सवाल किया था कि धर्म के नाम पर कोई किसी महिला के यौन अंग कैसे छू सकता है? कोर्ट ने कहा था, "यौन अंगों को काटना महिलाओं की गरिमा और सम्मान के खिलाफ है।"

पोप फ्रांसिस ने क्या कहा?

यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इस प्रथा पर बोलते हुए पोप फ्रांसिस ने रविवार को कहा कि महिलाओं का खतना किए जाने की प्रथा 'अपराध' है। समाज की भलाई के लिए महिलाओं के अधिकारों, समानता और अवसर की लड़ाई जारी रहनी चाहिए। पोप ने इस प्रथा का जिक्र करते हुए कहा, ''क्या आज हम दुनिया में युवतियों के अंतर्मन की त्रासदी को नहीं रोक सकते? यह भयावह है कि आज भी एक प्रथा है, जिसे मानवता रोक नहीं पा रही है। यह एक अपराध है। यह एक आपराधिक कृत्य है।'' फ्रांसिस बहरीन से वापस लौटते समय महिलाओं के अधिकार के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज की भलाई के लिए महिलाओं के अधिकारों, समानता और अवसर की लड़ाई जारी रहनी चाहिए।

इन देशों में आज भी होता है खतना

मिस्त्र: साल 2008 में मिस्त्र में खतना पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया था। लेकिन आज भी यह खतरनाक प्रथा बदस्तूर जारी है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस देश में खतना के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है लेकिन इसके बावजूद मिस्त्र उन देशों में शामिल है जहां महिलाओं के खतना करने की दर सबसे अधिक है। मिस्त्र के रूढ़िवादी समुदाओं खास कर ग्रामीण मुस्लिम इलाकों में रहने वाले लोग मानते हैं कि जब तक महिलाओं के जननांग का एक हिस्सा काट नहीं दिया जाता तब तक उन्हें शादी के काबिल नहीं माना जाता है। इसके अलावा कुछ लोगों का मानना है कि इससे लड़कियों में सेक्स के प्रति आकर्षण कम हो जाता है।

माली: माली में साल 2006 में 15-19 साल की उम्र की 85.2 फीदसी महिलाएं इस प्रक्रिया से गुजरीं थीं। माली में खतना को धार्मिक रूप से जरूरी माना जाता है।

एरिट्रिया: यहां साल 2007 तक 89 फीसदी महिलाओं की खतना हुई थी, लेकिन मार्च 2007 में सरकार ने इसके खिलाफ कानून बना दिया। जिसमें जुर्माने से लेकर कैद तक की सजा का प्रावधान है। पर यहां भी खतना को धार्मिक रूप से जरूरी माना जाता है।

सुडान: साल 2020 में यहां खतना को अपराध की श्रेणी में रखा गया। जिसके बाद यहां के महिला अधिकार संगठनों का कहना था कि इस सजा से इस प्रथा को खत्म करने में मदद मिलेगी। हालांकि इन संगठनों का यह भी कहना था कि अभी भी लोगों की मानसिकता को बदलना आसान नहीं है, क्योंकि लोग इसे एक ऐसी पारंपरिक प्रथा मामते हैं, जिसे बेटियों की शादी के लिए निभाना जरूरी है।

तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट बंद

शीतकालीन गद्दीस्थल मर्कटेश्वर मंदिर होंगे अब विराजमान

ऊखीमठ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पंचकेदारों में प्रसिद्ध तृतीय केदार श्री तुंगनाथ जी के कपाट आज सोमवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे शीतकाल के लिए विधि विधान से बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत तुंगनाथ के स्वयंभू लिंग को समाधिस्थ किया गया। प्रातः 8 बजे से मंदिर में दर्शन हुए। इसके बाद नौ बजे से कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हूई। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। 9 नवंबर को बाबा की चल उत्सव विग्रह डोली मंदिर से शीतकालीन गद्दीस्थल मर्कटेश्वर मंदिर में शीतकालीन पूजा-अर्चना के लिए विराजमान हो जाएगी।

तुंगनाथ के कपाट बंद होने के बाद तुंगनाथ भगवान की चल विग्रह डोली मंदिर परिसर में विराजमान हुई। मंदिर की परिक्रमा के पश्चात डोली ने प्रथम पड़ाव चोपता के लिए प्रस्थान किया। जहां पर भगवान तुंगनाथ की डोली का भव्य स्वागत हुआ। आज देव डोली रात्रि विश्राम चोपता में करेगी। 8 नवंबर को देव डोली बड़तोली होते हुए भनकुन पहुंचेगी रात्रि

प्रवास भनकुन में रहेगा।

9 नवंबर को प्रातः देवडोली भनकुन से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मार्कंडेय मंदिर मक्कूमठ पहुंच जाएगी। पूजा अर्चना के पश्चात डोली मंदिर गर्भगृह में विराजमान हो जाएगी। कपाट बंद होने के अवसर पर केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव/मंदिर समिति मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह, कार्याधिकारी आरसी तिवारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार नौटियाल मंदिर प्रबंधक बलबीर नेगी,मठापति राम प्रसाद मैठाणी, चंद्रमोहन बजवाल,पुजारी अतुल मैठाणी, रवीन्द्र मैठाणी, अजय मैठाणी डोली आदि मौजूद रहे।

पंच केदार में तृतीय तुंगनाथ में इस वर्ष दर्शनार्थियों की संख्या 27000 पहुंची, जो नया रिकॉर्ड है। इससे पूर्व वर्ष 2017 में 24 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने आराध्य के दर्शन किए थे।

इस वर्ष तृतीय केदार के कपाट 6 मई को खोले गए थे। चारधाम यात्रा में उमड़े श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते तृतीय केदार तुंगनाथ में भी इस वर्ष पूरे सीजन में श्रद्घालु आते रहे। मई तीसरे सप्ताह से जून तीसरे सप्ताह तक एक माह में ही यहां 12 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच गए थे।

बरसाती सीजन में यात्रियों की संख्या बहुत कम रही। वहीं, सितंबर और अक्तूबर में यात्रा के रफ्तार पकड़ते ही तृतीय केदार भी दर्शनार्थियों का आंकड़ा बढ़ने लगा। मंदिर के प्रबंधक बीएस नेगी ने बताया कि इस वर्ष 6 मई से 5 नवंबर तक तृतीय केदार तुंगनाथ के दर्शनों के लिए कुल 27000 श्रद्घालु पहुंच चुके हैं।

इस वर्ष द्वितीय केदार मद्महेश्वर भगवान के दर्शनों को रिकॉर्ड शिव भक्त पहुंचे हैं। द्वितीय केदार की यात्रा में अभी तक कुल 7441 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। द्वितीय केदार के मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग ने बताया कि पूरे यात्राकाल में अभी तक प्रतिदिन श्रद्धालु पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि 18 नवंबर को द्वितीय केदार के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने तक दर्शनार्थियों की संख्या आठ हजार तक पहुंचने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिलने के बाद बोले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, 'सत्यमेव जयते'

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ खनन पट्टा लीज और शेल कंपनी मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में दर्ज पीआईएल को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई योग्य नहीं माना है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सीएम हेमंत सोरेन को बड़ी राहत देते हुए ये फैसला सुनाया। इस फैसले के तुरंत बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया। लिखा सत्यमेव जयते। बता दें कि याचिकाकर्ता शिवशंकर शर्मा द्वारा दाखिल पीआईएल को झारखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई योग्य माना था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सीएम हेमंत ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सीएम का पक्ष रख रहे एडवोकेट जनरल राजीव रंजन ने बताया कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि शिवशंकर शर्मा का पीआईएल राजनीति से प्रेरित है। इसका कोई कानूनी आधार नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त किया हाईकोर्ट का फैसला

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी जिसमें अवैध खनन पट्टा लीज और सीएम सहित उनके संबंधियों द्वारा शेल कंपनियों के जरिए निवेश मामले की जांच की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने इसे सुनवाई योग्य माना था। इस फैसले के खिलाफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी यानी विशेष अनुमति याचिका दाखिल की थी। 3 जून को जब झारखंड हाईकोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई तो सीएम का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और कपिल सिब्बल की दलीलों को खारिज कर दिया गया था।

बीते कुछ समय से मुश्किलों में हैं सीएम हेमंत

बता दें कि मुख्यमंत्री बीते कुछ समय से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अनगड़ा में खनन पट्टा लीज से जुड़े ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में चुनाव आयोग का मंतव्य राजभवन आ चुका है लेकिन राज्यपाल रमेश बैस ने इसे सार्वजनिक नहीं किया। राज्यपाल ने हाल ही में रायपुर में एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से दूसरा मंतव्य मांगा है। अब जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री ने अपने वकील के माध्यम से चुनाव आयोग को कहा कि बिना उनका पक्ष जाने राज्यपाल को दूसरा मंतव्य नहीं दिया जाए। वहीं, सीएम ने चुनाव आयोग से ये भी मांग की है कि राज्यपाल द्वारा दूसरे मंतव्य से जुड़े पत्र की प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए ताकि वे उचित कानूनी कदम उठा सकें।

शास्त्रार्थ के अधिकार पर संतों में बढ़ी तकरार

ज्योतिषपीठ की गद्दी को लेकर दूर नहीं हो रहा मतभेद

हरिद्वार, 7 नवंबर (एजेंसियां)। ज्योतिष पीठ की गद्दी को लेकर संतों में मतभेद दूर नहीं हो रहे हैं। शंकराचार्य एवं विद्वत परिषद और संन्यासी अखाड़ों के शंकराचार्य चयन के उधेड़बुन के बीच भूमा पीठाधीश्वर की एंट्री से संतों में तकरार बढ़ सकती है। भूमा पीठाधीश्वर ने शंकराचार्य परिषद पर सवाल उठाते हुए नोटिस भेजा है।

कहा है कि परिषद को शास्त्रार्थ करवाने और संन्यासी अखाड़ों को शंकराचार्य चयन करने का अधिकार नहीं है। वहीं, परिषद ने 13 नवंबर को वाराणसी में होने वाले शास्त्रार्थ के लिए आठ संतों को निमंत्रण पत्र भेज दिए हैं। ज्योतिष पीठ और द्वारिका पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के बाद दोनों ही पीठ के शंकराचार्य की गद्दी को लेकर संतों में खींचतान है।

ज्योतिष पीठ पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और द्वारिका पीठ पर स्वामी सदानंद सरस्वती गद्दी संभाल चुके हैं। दोनों ही ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य हैं। इससे संन्यासी अखाड़ों, आश्रम और मठ-मंदिरों में मतभेद उभरकर सामने आ गए हैं। प्रमुख पांच संन्यासी अखाड़ों के संत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य मानने को तैयार नहीं हैं। असंतुष्ट अखाड़ों के संतों का नेतृत्व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी कर रहे हैं।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी चाहते हैं ज्योतिष पीठ जोशीमठ में है। मठ से सबसे अधिक दीक्षा लेने वाले गिरी संप्रदाय के संत हैं। लिहाजा, गिरी संप्रदाय के संत को पीठ की गद्दी सौंपी जाए। इसके लिए

उनकी उधेड़बुन चल रही है। शंकराचार्य परिषद, काशी विद्वत परिषद और अखिल भारतीय विद्वत परिषद भी बिना शास्त्रार्थ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य मानने से इन्कार कर चुके हैं। इसके लिए तीनों परिषदों ने 13 नवंबर को शास्त्रार्थ के लिए आठ संतों को आमंत्रित किया है। इनमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अलावा द्वारिका शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद प्रमुख हैं।

विद्वत परिषद को भी नोटिस जारी करने की बात

स्वामी गोविंदानंद सरस्वती, काशी के स्वामी अमृतानंद सरस्वती, प्रयाग के दंडी संन्यासी निजानंद देवतीर्थ, बैंगलोर के दंडी संन्यासी स्वामी कृष्णानंद भारती और स्वामी वागीश स्वरूप ब्रह्मचारी को भी शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित किया है। शास्त्रार्थ आयोजन और संन्यासी अखाड़ों की बैठक से पहले भूमा पीठाधीश्वर स्वामी अच्युत्यानंद तीर्थ की शुक्रवार को एंट्री हो गई है।

स्वामी अच्युत्यानंद तीर्थ ने शंकराचार्य परिषद, विद्वत परिषद और संन्यासी अखाड़ों पर सवाल उठाए हैं। कहा कि शंकराचार्य चयन का अधिकार इनमें किसी को नहीं है। उन्होंने शंकराचार्य परिषद अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप को नोटिस भेजा है। विद्वत परिषद को भी नोटिस जारी करने की बात कही है।

शंकराचार्य परिषद अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप को नोटिस भेजा है। पूछा है कि शंकराचार्य परिषद का गठन किस शंकराचार्य की स्वीकृति से हुआ है। परिषद को शंकराचार्य पद पर नियुक्त के लिए शास्त्रार्थ आयोजित करने का अधिकार किसने दिया है। कुछ लोग शंकराचार्य परंपरा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उनपर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

13 नवंबर के शास्त्रार्थ के लिए आठ संतों को निमंत्रण भेजा गया है। काशी एवं अखिल भारतीय विद्वत परिषद के साथ मिलकर शंकराचार्य पद के लिए शास्त्रार्थ से योग्य संत का चयन करना है। चयनित संत का नाम सुप्रीम कोर्ट और अन्य दो पीठों के शंकराचार्य को भेजे जाएंगे। 17 नवंबर को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी होनी है।

किसी भी परिषद के शास्त्रार्थ आयोजन की जानकारी नहीं है। न ही कोई निमंत्रण मिला है। स्वामी अविमुक्तेश्वरांनद खुद को शंकराचार्य मानें लेकिन संन्यासी अखाड़ों के संत स्वीकार नहीं करेंगे। 17 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। उसी के बाद संन्यासी अखाड़े कोई फैसला ले पाएंगे। भूमा पीठाधीश्वर के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

बूढ़ा पहाड़ में विस्फोटकों का जखीरा बरामद

नक्सलियों ने रची थी खौफनाक साजिश, नाकाम

लातेहार, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लातेहार/गढ़वा, हिटी। बूढ़ा पहाड़ में सुरक्षाबलों को फिर बड़ी कामयाबी मिली है। यहां से सुरक्षाबलों ने बड़ी संख्या में सिलेंडर बम व विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस का दावा है कि इन्हें जवानों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों ने छिपा रखा था।

लातेहार एएसपी (अभियान) संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि सूचना मिली थी कि सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए माओवादियों ने बूढ़ा पहाड़ में बम और विस्फोटक रखा है। इस सूचना पर अभियान चलाया गया । इसी दौरान यह सफलता मिली। बमों को डिफ्यूज कर दिया गया है।

विस्फोटकों से भरे 10 किलो के 17 सिलिंडर, 74 खाली सिलिंडर, 2 किलो का टिफिन, आईईडी-19 पीस, ट्राएंगल आईईडी-6 पीस , चेक वाल्व आईईडी 3 से 5 किलो का 9 पीस, कोर्डेक्स वायर 300 मीटर, सेफ्टी फ्यूज 200 मीटर, इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर 98, प्रेशर बम-12, लाल झंडा-2, इलेक्ट्रिक स्वीच 8 आदि।

अवैध संबंध के शक में दोस्त का घोंटा गला

शराब पिलाकर मछली पकड़ने के बहाने ले गए, मारकर झाड़ियों में फेंकी गार्ड की लाश

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 3 साल पहले ड्यूटी पर तैनात गार्ड की हत्याकांड में बड़ा खुलासा है। दरअसल ये वारदात किसी और ने नहीं बल्कि उसके ही 3 दोस्तों ने मिलकर की। तीनों ने मिलकर उसे इसलिए मार दिया क्योंकि उन्हें अपनी पत्नी और बहन से गार्ड के अवैध संबंध होने का शक था। इसलिए तीनों ने मिलकर पहले उसे शराब पिलाई। फिर मछली पकड़ने के बहाने तालाब ले गए और बिजली तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। बाद में शव को झाड़ियों मे फेंककर फरार हो गए थे। फिलहाल पुलिस ने इन तीनों आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार किया है। मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है।

परसदा निवासी देवेश जांगड़े 29 सितंबर 2019 को लापता हो गया था। काफी तलाश करने पर भी उसका कुछ पता नहीं चला था। जिसके बाद देवेश के भाई ने इस मामले में शिकायत की थी। उसने बताया था कि मेरा भाई ड्यूटी के लिए निकला था। मगर देर शाम तक उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। इसी आधार पर पुलिस ने गार्ड के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की थी।

तालाब के पास मिली लाश

इधर, पुलिस ने इस केस में जांच शुरू की थी। उधर, अगले ही दिन गांव के तालाब किनारे मेढ़ के पास झाड़ियों में एक शख्स की

लाश मिली। जिसकी पहचान देवेश जांगड़े के रूप में हुई थी। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। उसी पीएम रिपोर्ट में देवेश की हत्या गला घोंटकर होने की बात सामने आई थी। तब से पुलिस इस केस में लगातार जांच कर रही थी। मगर पुलिस को कोई खास सफलता नहीं मिली थी। पुलिस ने इस केस में परिजनों और गांव के लोगों से लगातार अलग-अलग समय पर कई दिनों तक पूछताछ की। तब पुलिस को कुछ समय पहले पता चला कि हत्या वाले दिन देवेश अपने दोस्त अमन जांगड़े, चंद्रशेखर और कमलेश के साथ दिखा था। ये पता चलने के बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में ले लिया। तीनों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने इनसे पूछताछ शुरू की। मगर तीनों पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करते रहे। बार-बार तीनों बयान बदलते रहे। इस पर पुलिस को इन पर और शक हुआ, फिर पुलिस ने इनसे और कड़ाई से पूछताछ की। तब जाकर तीनों ने अपना जुर्म कबूल किया है। हमें शक था कि, देवेश का चंद्रशेखर की पत्नी से अवैध संबंध है। इसी प्रकार कमलेश को भी शक था कि देवेश का उसकी भी बहन से अवैध संबंध है। इसलिए कमलेश और चंद्रशेखर ने उसकी हत्या का प्लान बनाया और अमन को भी अपने साथ जोड़ लिया। तीनों ने बताया कि देवेश हमारे घर आया करता था। हमारी बातचीत भी काफी अच्छी थी। लेकिन वो ऐसा करेगा हमें भरोसा नहीं था। इसलिए हमने ऐसा किया।

29 सितंबर की शाम को हमने उसे अपने पास बुलाया। इसके बाद साथ में शराब पी। शराब पीने क बाद हमने कहा कि चलो अब तालाब में मछली पकड़ेंगे। उस दौरान कमलेश तालाब में पहले से मौजूद था। कमलेश ने वहां पर बिजली तार अपने पास रखी थी। ऐसे में जब चंद्रशेखर और अमन देवेश को वहां लेकर पहुंचे। तब तीनों ने मिलकर पहले तो देवेश से विवाद किया।

फिर तार से गला घोंटा। जिससे देवेश की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद शव को झाड़ियों में फेंककर तीनों फरार हो गए थे।

कांग्रेस से सावित्री मंडावी वीरेश, हेमंत दावेदार, चुनाव समिति की बैठक आज

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांकेर के भानुप्रतापपुर में होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर कांग्रेस चुनाव समिति की मंगलवार को बैठक होगी। इसमें प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया भी शामिल होंगे। बैठक में उम्मीदवारों का पैनल बनाया जाएगा। इसके बाद उसे हाईकमान को भेजा जाएगा। भानुप्रतापपुर विधानसभा सीट के लिए स्व. मनोज मंडावी की पत्नी सावित्री मंडावी, वीरेश ठाकुर और हेमंत ध्रुव को दावेदार बताया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम सोमवार को दिनभर भानुप्रतापपुर के कार्यकर्ताओं और कांकेर जिले के नेताओं से चर्चा करेंगे। इसके लिए वे एक दिन पहले ही रविवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होकर कोंडागांव पहुंचे और वहां से भानुप्रतापपुर गए हैं।

ट्रेन में वाइन की तस्करी, दो गिरफ्तार

अमरकंटक एक्सप्रेस में एमपी से अंग्रेजी शराब लेकर आ रहे थे रायपुर, 20 बोतल बरामद

बिलासपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में नाकेबंदी के बाद अब ट्रेन से शराब की तस्करी होने लगी है। सोमवार की सुबह अमरकंटक एक्सप्रेस में अंग्रेजी शराब तस्करी करते जीआरपी ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। युवक जबलपुर से शराब लेकर रायपुर जा रहे थे। तभी बिलासपुर रेलवे स्टेशन में जांच के दौरान जनरल बोगी में युवकों को शराब के साथ दबोच लिया गया।

अभी तक ट्रेनों में मादक पदार्थों में गांजा तस्करी की घटनाएं सामने आती रही है। बार्डर में पुलिस की नाकेबंदी तेज होने के बाद अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर ट्रेनों में ओड़ीशा से गांजा तस्करी करते रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर मध्यप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से शराब की अवैध सप्लाई होती रही है, जिस पर रोक लगाने के लिए बार्डर में चेकपोस्ट बनाकर पुलिस निगरानी की रही है। ऐसे में शराब तस्करों ने अब ट्रेन को सुरक्षित ठिकाना बना लिया है और शराब की तस्करी करने लगे हैं। इधर, ट्रेनों में भी मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए आरपीएफ और जीआरपी की टीम लगातार सक्रिय है। सोमवार की सुबह जीआरपी की टीम अमरकंटक एक्सप्रेस में जांच कर रही थी। इस दौरान बिलासपुर जोनल स्टेशन में जनरल बोगी की जांच में दो संदिग्ध युवक मिले। उनके बैग की तलाशी लेने पर 10-10 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि खेमचंद चौधरी (42) पिता रामाधार चौधरी जबलपुर के हनुमानताल थाना के बाबाटोला सिंधी केम्प और दूसरा युवक सुरेश अहिरवार (25) पिता- मुन्नी लाल अहिरवार भी जबलपुर के बाबाटोला सिंधी केम्प में रहता है।

दो अलग सड़क हादसों में पांच की मौत

महासमुंद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच युवकों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि राज्य के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में रविवार रात मोटरसाइकिल के कंटेनर से टकराने से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों शुभम मानिकपुरी (22), सूरज प्रजापति (23) और चिंटू उर्फ बसंत प्रजापति (26) की मौत हो गई। वहीं राज्य के महासमुंद जिले में तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे पेड़ से टकराने से कार सवार विकास उर्फ छोटू साहू (21) और आर्यन मिश्रा (22) की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र के निवासी शुभम, सूरज और चिंटू किसी कार्य के लिए एक ही मोटरसाइकिल में सवार होकर पेंड्रा गांव जा रहे थे।

जब वह रास्ते में थे तब कोटमी गांव के करीब वह सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकरा गए।

अय्याश पति की करतूतों से पत्नी तंग

बेडरूम में बीवी से कहता था-तुम किन्नर जैसी दिखती हो, न्यूड वीडियो कॉल पर करता था लड़कियों से बात

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर की एक युवती अपने पति की अय्याशियों से तंग आ चुकी है। मामला इस कदर बिगड़ा कि लड़की ने थाने में जाकर पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। मामले में शुरुआती जांच के बाद मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू की है। युवती ने पति पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जबरन गर्भपात कराने जैसे आरोप भी लगाए हैं।

महिला थाने की पुलिस इस केस की छानबीन कर रही है। 30 साल की युवती पुरानी बस्ती से लगे मोहल्ले की रहने वाली है। लड़की ने पुलिस से शिकायत में कहा है कि साल 2012 में हुई शादी के बाद से ही पति का व्यवहार ठीक नहीं था। वो दूसरी महिलाओं से संबंध बनाने की ताक में रहता था। उसे आइटम कहता था। भद्दे कमेंट किया करता था।

बीवी को कहता था किन्नर

युवती ने कहा है कि पति उसके साथ अक्सर गाली-गलौच और मारपीट करता था। वो कहता था कि उसे बीवी के नैन-नक्श पसंद नहीं। युवती ने कहा है- विवाह के बाद से ही मेरे पति मेरे रंग रूप और बनावट पर कहते थे कि तेरी शक्ल काम वाली बाई जैसे है

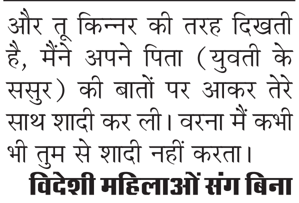

और तू किन्नर की तरह दिखती है, मैंने अपने पिता (युवती के ससुर) की बातों पर आकर तेरे साथ शादी कर ली। वरना मैं कभी भी तुम से शादी नहीं करता।

विदेशी महिलाओं संग बिना कपड़ों की तस्वीर

युवती का दावा है कि उसके पति ने शादी में मिले गहनों को बेचा और उन रुपयों को शराब पीकर उड़ाया। गोवा में जाकर विदेशी महिलाओं के साथ बिना कपड़े के किस करते हुए तस्वीरें खिंचवाईं, ये तस्वीरें उसने युवती को दिखाई। वो सोशल मीडिया पर कई लड़कियों से अश्लील चैट किया करता था। बेडरूम से निर्वस्त्र होकर दूसरी लड़कियों से वीडियो कॉल पर बातें करता था। ये सब करता देख पत्नी जब उसे टोकती तो वो उसके बाल खींचकर पिटाई करता था।

दो बार कराया गर्भपात

युवती ने बताया कि वो दो बेटियों की मां है। इस बात का ताना हमेशा ससुराल में सुनने को मिलता था। पहली बेटी के जन्म के बाद दूसरी बार मां बनी तो लिंग जांच करवाकर उसका गर्भपात कराया। तीसरी बार युवती ने बेटी को ही जन्म दिया। चौथीं बार मां बनी तो भी घर वालों ने उसका गर्भपात कराया। इसे लेकर कई दिनों से विवाद जारी था जो अब थाने तक जा पहुंचा।

ससुर है कर्मचारी नेता

युवती ने बताया कि उसके ससुर सरकारी नौकरी से हाल ही में रिटायर हुए हैं। वो बड़े कर्मचारी नेता रहे हैं। कई राजनीतिक दलों के लोगों और अफसरों से जान-पहचान की धौंस दिखाते रहे हैं। मामले में अब लड़की ने महिला थाने में शिकायत कर पति और ससुराल वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

महिला थाने के जांच अधिकारियों ने बताया कि दूसरे पक्ष को बुलाकर मामले में पूछताछ की जा रही है। तथ्यों के आधार पर जल्द ही ससुराल वालों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर भीषण हादसा, रेल कर्मी की मौत

बिलासपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं, दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद अनियंत्रित कार सड़क से नीचे उतर गई। कार चालक को भी चोटें आई हैं। घटना मुंगेली जिले के पथरिया थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक पथरगढ़ी निवासी विजय टंडन (41) भाटापारा के ठेहका निवासी अपने साथी तुलाराम साहू (44) के साथ रविवार की शाम बाइक क्रमांक सीजी-10 ईजी-8067 में सवार होकर पथरिया से बिलासपुर जा रहे थे। दोनों शाम करीब 5.30 बजे ग्राम जुनवानी खेल मैदान के पास पहुंचे थे। उसी समय सामने से आ रही तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी-10 एम-3561 ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में विजय टंडन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसके साथी तुलाराम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार की रफ्तार इतनी तेज थी की टक्कर के बाद बाइक सहित दोनों युवक दूर जा गिरे। कार भी हाईवे से नीचे उतर गई थी। हादसे में एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे घायल युवक को लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

राशन सामान लेने निकले थे बाइक सवार

बताया जा रहा है कि बाइक सवार विजय रेलवे के पोस्ट ऑफिस में दैनिक वेतनभोगी के पद पर कार्यरत थे। विजय अपने साथी कर्मचारी तुलाराम के साथ घर के लिए राशन सामान खरीदने के लिए पथरगढ़ी गए थे। वहां से वापस बिलासपुर की ओर जा रहे थे। तभी यह हादसा हो गया।

कार चालक पर केस दर्ज

पुलिस ने बताया कि हादसे में बिल्हा क्षेत्र के पेंडरवा (द) निवासी कार चालक सत्य प्रकाश साहू भी घायल है। वह अपने परिवार के साथ ग्राम ढ़ोठमा जा रहा था। कार में उसके साथ बेटे और पत्नी भी सवार थे। पुलिस ने इस मामले में चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मानगढ़ के लिए नया प्लान बनाने में जुटी सरकार

पीएम मोदी ने राजस्थान सहित चार राज्यों को मानगढ़ को भव्य स्मारक का रूप देने का दिया था जिम्मा

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही आदिवासियों की श्रद्धा के पावन स्थल मानगढ़ धाम को भव्य रूप देने के लिए राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र को एक साथ विकास की कार्ययोजना बनाने को कहा था। राजस्थान सरकार इस कार्ययोजना को बनाने में जुट गई है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित मध्यप्रदेश व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भी उस वक्त प्रधानमंत्री मोदी के साथ मानगढ़ के पहाड़ पर मंच साझा किया था। तब सभी को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों को एक विस्तृत कार्ययोजना बनाने का काम सौंप दिया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मानगढ़ से लौट कर राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने को कह दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय सहित, जनजाति विकास विभाग, मुख्य सचिव और कला व संस्कृति विभाग इसकी तैयारियों में जुटेंगे।

यह अलग बात है कि राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके केबिनेट मंत्री प्रताप सिहं खाचरियावास ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं करने को निराशाजनक बताया था।

गहलोत ने तो मानगढ़ से जयपुर लौटने के बाद एक कार्यक्रम में यहां तक कहा था कि चूंकि उन्होंने दो बार मोदी को पत्र लिखकर मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग की थी, इसलिए मोदी ने फिलहाल इस फैसले को टाल दिया क्योंकि वे समझते हैं कि इससे कांग्रेस और उन्हें (गहलोत को) राजनीतिक फायदा मिलेगा।

गुजरात चुनाव एक महीने बाद होने हैं और वहां करीब 25 विधानसभा सीटों पर आदिवासियों की बहुलता है और गहलोत वहां कांग्रेस के स्टार प्रचारक और सीनियर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी

निभा रहे हैं।

गहलोत ने हाल ही बयान दिया है कि चाहे जो हो जाए मानगढ़ आज नहीं तो कल सही, लेकिन राष्ट्रीय स्मारक बनेगा जरूर। आदिवासियों का यह पावन धाम राष्ट्रीय स्मारक बन कर रहेगा। गहलोत अक्सर कहते हैं कि उनके बयान के मायने होते हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकारों का मानना है कि गहलोत के पास कोई ना कोई पुख्ता जानकारी है, जिसके चलते उन्होंने कहा है कि मानगढ़ राष्ट्रीय स्मारक बन कर रहेगा।

तीन राज्यों के मुख्य सचिवों से मोदी ने ली थी मानगढ़ पर जानकारी

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक बनाने के हाल ही राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात के मुख्य सचिवों से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातें की। राजस्थआन की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने प्रधानमंत्री को मानगढ़ के विषय में अब तक राजस्थान सरकार के स्तर पर किए गए कार्यों की जानकारी दी थी। प्रधानमंत्री ने तीनों राज्यों के मुख्य सचिवों से राज्य सरकारों के मानगढ़ धाम को लेकर किए जा रहे प्रयासों और आगे की योजनाओं की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोदी के समक्ष ही हाल ही यह जानकारी साझा की थी। गहलोत ने यह भी कहा था कि जब प्रधानमंत्री ने स्वयं जानकारी ली है, तो इसके खास मायने होते हैं।

विधानसभा की 200 और लोकसभा की 50 सीटों पर सीधा प्रभाव

मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करना कोई मामूली मुद्दा नहीं है। गुजरात में महीने भर बाद चुनाव है। उसके करीब एक-दो वर्ष के भीतर राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ कर्नाटक, तैलंगाना के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव होने हैं।

ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी आदिवासियों को एक ही जगह से साध लेने को तत्पर हैं। इन राज्यों में विधानसभा की 200 और लोकसभा की लगभग 50 सीटें ऐसी हैं जो प्रत्यक्ष रूप से आदिवासी बहुलता वाली हैं। इनके अतिरिक्त इन सभी राज्यों में 50-60 प्रतिशत सीटें ऐसी हैं, जहां अप्रत्यक्ष रूप से आदिवासी मतदाताओं की अच्छी-खासी उपस्थिति है।

मानगढ़ का इतिहास

मानगढ़ धाम बांसवाड़ा जिले में स्थित है। यह एक पहाड़ी पर बना हुआ है। पहाड़ी का एक हिस्सा गुजरात में और एक हिस्सा राजस्थान में शामिल है। इस पहाड़ी क्षेत्र में गोविंद गुरू नामक आदिवासी नेता ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ स्वतंत्रता का आंदोलन चला रहे थे। तब 19 नवंबर-1913 को इसी धाम पर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें व उनके आदिवासी साथियों को घेर लिया था। यहां अंग्रेजों ने 1500 आदिवासियों का सामुहिक नरसंहार किया था। उन्हीं की याद में मानगढ़ धाम बना हुआ है। गोविंद गुरू को जीवित पकड़ कर बंदी बना लिया गया था।

बीजेपी नेता अरुण सिंह का तंज

कहा-राजस्थान में दो सीएम, एक ने शपथ ली और दूसरे को आलाकमान ने बनाया

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम पद को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच खींचतान पर भाजपा नेता जमकर जुबानी हमला बोल रहे हैं। अब भाजपा नेता अरुण सिंह ने राजस्थान कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने ऐसा कोई राज्य नहीं देखा, जहां इतनी उथल-पुथल मची हो। राजस्थान कांग्रेस के अंदरुनी खींचतान पर भाजपा ने एक बार फिर जुबानी हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश इंचार्ज और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान में दो मुख्यमंत्री हैं। एक वो जिन्होंने शपथ ली है और दूसरे वो जिन्हें कांग्रेस आलाकमान ने घोषित किया है। सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत में सीएम पद के लिए टकरार पर अरुण सिंह ने यह बयान दिया है। अरुण सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 'हमने ऐसा कोई राज्य नहीं देखा, जहां इतनी उथल-पुथल मची हो। एक वो मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने शपथ ली थी और दूसरे मुख्यमंत्री वो हैं जिन्हें कांग्रेस आलाकमान ने घोषित किया है।' इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। भाजपा मुख्यालय में एक बूथ कैंपेन इं-चार्ज वर्कशॉप में अरुण सिंह ने विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य टारगेट विधानसभा है। हम पूरी रणनीति तैयार कर रहे हैं।' भाजपा के प्रदेश इंचार्ज यहीं नहीं रुके। उन्होंने कांग्रेस पर कुशासन और महंगाई का ठीकरा फोड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुशासन की वजह से राजस्थान में उसके पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और हरियाणा से ज्यादा तेल के दाम हैं। भाजपा राज्य में कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन करेगी।

राजे ने कहा- सिंहासन के लिए संघर्ष हो रहा है

वसुंधरा राजे बोलीं: सुशासन के लिए राम राज का उदाहरण दिया जाता है

राजसमंद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। विश्वास स्वरूपम लोकार्पण महोत्सव के तहत मुरारी बापू की रामकथा के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पंडाल में बैठे श्रोताओं को संबोधित किया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को रामकथा के दौरान श्रीनाथ जी एवं विश्वास स्वरूपम को नमन करते हुए राजस्थान की धरती पर बापू का स्वागत और अभिनन्दन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि रामकथा की सार्थकता तभी है जब हम रोज के कार्यों में इसके संदेश को धारण करे।

रामकथा हमें सत्य के मार्ग पर चलने की सीख देती है। आज सिंहासन के लिए संघर्ष हो रहा है। राम ने ऐसा राज दिया कि सुशासन के लिए राम राज का उदाहरण दिया जाता है। हम सभी को यज्ञ, दान, तपस्या को जीवन का एक हिस्सा बनाना चाहिए।

जीवन में इसकी सीख को

उतारने की कोशिश करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की सोच रख कर राम राज्य की पुनः स्थापना के प्रयास कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भी किया संबोधित

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रामकथा के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वास आज की आवश्यकता है। अटल विश्वास के प्रतीक शिव की मूर्ति की विश्वास स्वरूपम के रूप में यहां स्थापना नाथद्वारा को नया परिचय और नई ऊचाइयां देगा। वे बोले- रामकथा के माध्यम से राम तत्व रामत्व जीवन में कहीं ना कहीं उतरे, ऐसी कामना है। उन्होंने कहा कि देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है तो ऐसे में स्थायी प्रेरणा के प्रतीक भगवान राम ही हो सकते हैं। शेखावत ने संत कृपा सनातन संस्थान के ट्रस्टी मदन पालीवाल की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके प्रयासों से नाथद्वारा नगरी को नया आयाम मिलेगा।

इस दौरान महामण्डलेश्वर शरणानंद महाराज, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, संस्थान के ट्रस्टी मदन पालीवाल, विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, मंत्र राज पालीवाल, प्रकाश पुरोहित, प्रशासनिक अधिकारियों सहित भारी तादाद में श्रोता गण पंडाल में बैठे थे।

7 जिलों में आज बारिश की संभावना

9 नवंबर तक रहेगा बादलों का असर, इसके बाद बढ़ेगी सर्दी

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में बादलों की वजह से सुबह-सुबह हल्की धुंध भी रही। तस्वीर शहर के गढ़ गणेश मंदिर की। उत्तर भारत में सक्रिय हुए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर सोमवार को राजस्थान के कई शहरों में भी देखने को मिल रहा है। जयपुर, बीकानेर संभाग में आज आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक कल यानी मंगलवार को उत्तरी राजस्थान के 7 जिलों में हल्की बारिश भी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों के मैदानी इलाकों में सर्दी का असर बढ़ेगा और तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिल सकती है। इधर, बादल छाने की वजह से कई शहरों में रविवार को दिन के तापमान में गिरावट हुई। सवाई माधोपुर, सिरोही, गंगानगर में पारा 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

'गजेंद्र सिंह शेखावत आने वाले हैं'

सुनते ही मंच से क्यों चले गए सांसद हनुमान बेनीवाल?

जोधपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शेखावत के आने की सूचना मिलते ही सांसद हनुमान बेनीवाल उस कार्यक्रम से उठकर चले गए और कहा कि वो आने वाले हैं तो हम निकलने वाले हैं. वहीं बेनीवाल ने कहा कि हम जाकर आगे की तैयारी करने वाले हैं.

राजस्थान की राजनीति में सियासी उथलपुथल और पायलट गहलोत खेमे की खींचतान के अलावा बीजेपी खेमे और अन्य नेताओं के बीच भी कड़वाहट समय-समय पर देखने को मिलती है. अब ताजा मामला नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल से जुड़ा है जो अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं लेकिन बीते रविवार जोधपुर के एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शेखावत के आने की सूचना मिलते ही बेनीवाल उस कार्यक्रम से उठकर चले गए. दरअसल जोधपुर की ओसियां विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी नेता केआर डूकिया के गृह प्रवेश कार्यक्रम के दौरान मंच से घोषणा की गई कि कुछ ही देर में हमारे बीच केंद्रीय

मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आने वाले हैं. इसके बाद मंच पर बैठे हनुमान बेनीवाल ने कहा कि उससे पहले हम निकलने वाले हैं और आगे की तैयारी करने वाले हैं. बेनीवाल का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. मालूम हो कि जोधपुर की सियासत में बेनीवाल और शेखावत की अदावत पुरानी है और दोनों की अक्सर कई मौकों पर कड़वाहट जगजाहिर हो जाती है. वहीं बेनीवाल ने शेखावत के आने से पहले संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में उनका एनडीए के साथ फिर से हाथ मिलाना संशय भरा है.

दोनों का अदावत से पुराना नाता

बता दें कि राजस्थान की राजनीति में हनुमान बेनीवाल और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बीच छत्तीस का आंकड़ा रहा है और दोनों एक दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं. वहीं दोनों नेताओं के बीच जोधपुर में अपने सियासी वर्चस्व को लेकर लगातार टकराव होती रहती है.

इससे पहले भी बेनीवाल ने कई बार शेखावत पर इशारों-इशारों में निशाना साधा है. सियासी जानकारों का कहना है कि दोनों नेताओं में जोधपुर में वर्चस्व को लेकर टकराहट चलती रहती है. मालूम हो कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर जिले से आते हैं और जोधपुर से ही वह लोकसभा का चुनाव जीतकर मंत्री बने हैं और बेनीवाल एक समय में बीजेपी में हुआ करते थे और वर्तमान में जोधपुर और पश्चिमी राजस्थान में अपनी पार्टी का विस्तार कर रहे हैं.

जोधपुर में की थी हुंकार रैली

वहीं बीते दिनों बेनीवाल ने जोधपुर में हुंकार रैली का आयोजन किया था जहां हजारों की भीड़ जुटाकर बेनीवाल ने सीएम अशोक गहलोत और शेखावत दोनों को सियासी संदेश देने की कोशिश की. अग्निपथ के खिलाफ रैली बेनीवाल का 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए शंखनाद माना जा रहा है. इसके अलावा हनुमान बेनीवाल की बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, चूरू और बीकानेर जिलों में एक बड़ा वोटबैंक साधना चाहते हैं.

अरुण सिंह ने पूनिया को प्रदेश का सबसे बड़ा नेता बताया

13 महीने पहले की वोट की अपील

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अरुण सिंह ने कहा कि जो काम सतीश पूनिया ने किया है, वो देश में सबसे बढ़िया है। उन्होंने आमेर की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आप बड़े भाग्यशाली हो कि आपका नेता प्रदेश का सबसे बड़ा नेता बनाने जा रहा है। उनके इस बयान पर सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

राजस्थान भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह प्रदेश के दौरे पर हैं। अरुण सिंह ने आमेर में एक सभा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को इशारों-इशारों में ही प्रदेश का सबसे बड़ा नेता और आमेर विधानसभा को बहुत ही भाग्यशाली घोषित कर दिया। अरुण सिंह ने कहा कि आपका विधायक आने वाले समय में बड़ा नेता होगा। एक तरफ तो भाजपा आलाकमान आगामी विधानसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ने की बात कह रही है। फिर प्रदेश प्रभारी का ये बयान क्यों आया। चर्चा तेज है कि क्या प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह को आलाकमान से कोई संदेश मिला है या फिर अरुण सिंह कोई संदेश देना चाहते हैं। अरुण सिंह के बयान से एक बात तो तय है कि भाजपा में प्रदेश स्तर पर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजस्थान को लेकर एक राय नहीं है। दरअसल, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह अपने राजस्थान दौरे पर आमेर विधानसभा पहुंचे और एक जनसभा को संबोधित करते हुए सतीश पूनिया के लिए विधानसभा के लोगों से वोट की भी मांग कर डाली। हालांकि, बाद में अरुण सिंह बोले कि चुनाव अभी दूर है लेकिन आप को सतीश पूनिया को मजबूत करना है। क्योंकि पूरे देश में जब भी प्रदेश अध्यक्षों की बैठक होती है तो सबसे ऊपर राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष का नाम आता है।

भाजपा प्रभारी ने आगे कहा कि जो काम सतीश पूनिया ने किया है, वो देश में सबसे बढ़िया है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की 30 सीट आएगी। आप बड़े भाग्यशाली हो कि आपका नेता प्रदेश का सबसे बड़ा नेता बनाने जा रहा है। इसके बाद अरुण सिंह ने अपने को रोका और बात को प्रदेश अध्यक्ष की ओर घुमा दिया। अरुण सिंह आमेर विधानसभा के लोगों को ये समझाने का प्रयास कर रहे थे कि उनका नेता प्रदेश का मुखिया बनने जा रहा है। प्रदेश के सबसे बड़े नेता का और क्या मतलब होता है।

पीएम मोदी के चेहरे पर लड़ने की बात, फिर अरुण सिंह ने क्यों दिया अलग बयान

राजनीतिक जानकार अरुण सिंह के इस बयान को राष्ट्रीय नेताओं के साथ नहीं मेल खाने वाला बयान मानते हैं। कारण स्पष्ट है कि भाजपा के राष्ट्रीय नेता मोदी को अपना चेहरा मानते हैं और प्रदेश में चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ना चाहते हैं लेकिन अरुण सिंह का बयान सतीश पूनिया को भाजपा प्रदेश का सबसे बड़ा चेहरा बता रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय नेताओं की बात सही मानी जाए या अरुण सिंह की, यह एक असमंजस की स्थिति पैदा करती है। दो अलग-अलग तरह के मत भाजपा के लिए ठीक नहीं है।

विधानसभा चुनाव से 13 महीने पहले मांगा वोट

वहीं आमेर विधानसभा में सतीश पूनिया के लिए चुनाव से 13 महीने पहले वोट मंगाना भी आमेर विधानसभा में भाजपा की स्थिति को दर्शाता है। अरुण सिंह का आमेर विधानसभा के लोगों को संदेह में डालकर बयान देना और इशारा देना कि सतीश पूनिया को कुछ बड़ा मिलने की ओर इशारा करता है। हालांकि, यह बयान भाजपा जैसी विचारधारा वाली पार्टी की नीतियों के अनुरूप नहीं है। अब सवाल है कि प्रदेश में अगर सतीश पूनिया सबसे बड़े नेता हैं तो बाकी का क्या होगा। भाजपा में चल रही बयानबाजी के चलते अगर सभी नेता सतीश पूनिया की तरह प्रदेश प्रभारी से अपने लिए बयानबाजी करवाने लगे तो कांग्रेस की जगह कहीं भाजपा ही 30 सीट पर नहीं सिमट जाए।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 12 को

झुंझुनूं में शामिल होंगे राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के 400 नेता व पदाधिकारी

झुंझुनूं, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 12 नवंबर को झुंझुनूं में होगी। इसको लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी को प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक पहली बार झुंझुनूं में होगी। यह दो दिवसीय बैठक 12 व 13 नवंबर को आयोजित की जानी है। कार्यसमिति की इस बैठक के दौरान राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारी, केंद्रीय मंत्री व बड़े नेता एक दिवसीय मंडल आवास पर भी रहेंगे। इस दौरान संबंधित धार्मिक स्थलों का भ्रमण करने के साथ क्षेत्र को संतों से भी मुलाकात करेंगे। यह बैठक चुड़ैला स्थित जेजेटी यूनिवर्सिटी परिसर में होगी। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की तैयारियां शुरू हो गई है। प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी के नेतृत्व में बैठक हुई। जिसमें कार्यालय, आवास, स्वागत, भोजन, रंगोली, साज-सज्जा यातायात, पार्किंग, चिकित्सा, साहित्य निर्माण, पंजीयन, सांस्कृतिक जागरण, आईटी, आपूर्ति विभाग आदि का गठन कर व्यवस्थाओं के लिए जिला व मंडल के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में राजस्थान के प्रभारी राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद अरूण सिंह, सह प्रभारी गुजरात की सांसद भारती बेन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत , केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद्र कटारिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, संभाग प्रभारी मदन दिलावर सहित 25 सांसद, 71 विधायक सहित करीब 400 से ज्यादा जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी शामिल होंगे।

प्रदेश कार्यसमिति की तैयारी के लिए गठित की गई टीम को राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रति निधियों के स्वागत के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। जहां राजस्थान के साथ शेखावाटी की झलक देखने को मिलेगी।

दो सगे भाइयों समेत 4 दोस्तों की मौत: डिवाइडर से टकराई कार

गाड़ी काटकर निकालने पड़े शव

अनूपगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बर्थ-डे मनाकर लौट रहे युवकों की कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो सगे भाइयों समेत चार दोस्तों की मौत हो गई। एक्सीडेंट इतना जबरदस्त था कि कार को काटकर फंसे हुए युवकों को बाहर निकाला गया। हादसा श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में रविवार देर रात डेढ़ बजे हुआ। अनूपगढ़ डिप्टी जयदेव सियाग ने बताया कि हादसा अनूपगढ़-रायसिंहनगर सड़क मार्ग पर गांव 87 जीबी के पास हुआ। हादसे में अनूपगढ़ के वार्ड 28 निवासी जितेंद्र (25) और अंकुश (23), साहिल जुनेजा (22), वार्ड 25 निवासी रोहित (23) की मौत हो गई। मरने वालों में जितेंद्र और अंकुश सगे भाई है। गंभीर घायल वसीम अकरम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सियाग ने कहा- रविवार को जितेंद्र का बर्थ-डे था। अनूपगढ़-रायसिंहनगर मार्ग पर स्थित ग्रीन स्टार होटल में बर्थ-डे मनाने गए थे। देर रात सभी कार से लौट रहे थे। गांव 87 जीबी के पास कार अनियंत्रित होकर डिवाडर से टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि डिवाइडर से टकराते ही कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार को कटर से काटकर फंसे पांचों युवकों को बाहर निकाला। जब तक तीन युवकों की मौत हो चुकी थी। वहीं अन्य युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

हादसे में मरने वाले जितेंद्र और अंकुश अनूपगढ़ के मुख्य बाजार में पान की शॉप करते थे। रोहित चार बहनों में इकलौता था। रोहित आदर्श कॉलोनी का रहने वाला था और मोबाइल शॉप पर काम करता था। साहिल मुख्य बाजार में ही फ्रूट की दुकान करता था।

राजस्थान की मूंगफली की पाकिस्तान और चीन में डिमांड

बीकानेर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बीकानेर की मूंगफली एक बार फिर चीन और पाकिस्तान सहित दुनिया के दर्जनभर देशों तक पहुंचने वाली है। दरअसल, इस बार मानसून की शानदार बारिश के चलते रिकार्ड उत्पादन हुआ है। अकेले बीकानेर शहर की अनाज मंडी से एक करोड़ बोरी का व्यापार होने वाला है, जबकि जिले की अन्य मंडियों से भी कमोबेश इतनी ही मूंगफली किसान

से बाजार तक पहुंचने वाली है।

गुजरात के बाद देशभर में सबसे ज्यादा मूंगफली उत्पादन करने वाले राजस्थान में बीकानेर अव्वल है। इस बार बीकानेर के नोखा, लूणकरनसर, खाजूवाला, श्रीडूंगरगढ़ और बज्जू सहित अधिकांश एरिया में किसानों ने मूंगफली की जमकर बुवाई की है। पिछले करीब एक महीने से मूंगफली मंडी में पहुंच रही है लेकिन दीपावली के बाद इसका सीजन परवान चढ़ गया है।

बीकानेर अनाज मंडी में हर रोज एक लाख बोरी मूंगफली पहुंच रही है। इन बोरियों की हाथों-हाथ बोली भी लग रही है। मंडी व्यापारियों का प्रयास है कि हर रोज एक से डेढ़ लाख बोरी तक का व्यापार हो जाए ताकि किसानों को सामान लाने के लिए जगह मिलती रहे। इस बार मूंगफली का दाना काफी बड़ा है। आमतौर पर 25 सेमी तक बारिश होने से मूंगफली की अच्छी बुवाई और पकाई हो जाती है।

अग्रवाल समाज रामनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज रामनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट का आयोजन जेमिनी कॉलोनी शिव मंदिर रामनगर में किया गया। कार्यक्रम में कई खेलों का आयोजन किया गया जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया।

विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। अग्रवाल समाज तेलंगाना अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल और उपाध्यक्ष दिलीप कुमार पासारी, जिन्हें अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। केंद्रीय समिति के अन्य अतिथि महासचिव कपूर चंद अग्रवाल संयुक्त सचिव सतीश अग्रवाल और ट्रेजर राकेश जालान थे। कार्यक्रम के संचालक अग्रवाल समाज रामनगर शाखा के उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने शाखा की ओर से अतिथि का स्वागत किया। समारोह का आयोजन सचिव प्रशांत धन्नावत, संयुक्त सचिव अभिषेक खेतान, कोषाध्यक्ष विजय मित्तल, केंद्र समिति सदस्य पवन टिबरेवाल, लेडीज विंग की करुणा टिबरेवाल, लता धन्नावत एवम् टीम के साथ मिलकर किया। रामनगर शाखा के संस्थापक अध्यक्ष प्रहलादराय टिबरेवाल ने शाखा के पूर्व अध्यक्षों जयप्रकाश धन्नावत, वासुदेव पोद्दार और हरीश अग्रवाल के साथ शाखा के सदस्यों का स्वागत और धन्यवाद किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सदस्यों के लिए एक लकी ड्रा भी था और ड्रा के परिणाम के अनुसार एक बंपर उपहार दिया गया। पंकज, सतीश, नितिन, रुशील, सितांशु , सुमन, अंजू, सारिका, शिल्पा और दिशा ने भी आयोजन में मदद की।

शी टीम देगी लड़कियों और महिलाओं को सुरक्षा : सुनीता

आसिफाबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद शी टीम इंचार्ज सुनीता ने कॉलेज छात्राओं से कहा कि शी टीमें लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस और अतिरिक्त एसपी (प्रशासन) अच्चेश्वर राव ने सोमवार को जेडपीएसएस हाई स्कूल, बुरुगुडा, आसिफाबाद में जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया। इस मौके पर सुनीता ने कहा कि अगर कोई छात्र-छात्राओं और महिलाओं के खिलाफ हिंसा, छेड़खानी और साइबर अपराध का शिकार होता है तो उसे तुरंत टीम से संपर्क करने की सलाह दी। यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी आपात स्थिति के मामले में डायल 100 पर कॉल किया जाना चाहिए। शी टीम आसिफाबाद 8333986783 से संपर्क करने का सुझाव दिया गया है।

संसदीय राजभाषा समिति ने राजभाषा हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति की जांच की और इस संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा कार्यालय में हिंदी में किए गए कार्य की प्रशंसा की तथा प्रशंसा पत्र भी जारी किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद समिति के सुझाव और प्रशंसा के लिए आभारी है। भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोकसभा) उपाध्यक्ष, डॉ. मनोज राजोरिया, संसद सदस्य (लोकसभा), संयोजक, श्रीमती कान्ता कर्दम संसद सदस्य (राज्य सभा), प्रतापराव जाधव, संसद सदस्य,(लोकसभा), दिनेश चंद्र यादव, संसद सदस्य (लोकसभा), डॉ. रामेश्वर लाल मीना, अवर सचिव, अब्दुल मोहीब, सहायक अनुभाग अधिकारी, मुकेश शर्मा, समिति रिपोर्टर, संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति के मान्य सदस्यों की मौजूदगी में यह निरीक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सत्यजीत पॉल, महानिदेशक सलाहकार, भारत सरकार, नई दिल्ली, रोहतास भनखड़, निदेशक, भारत सरकार, नई दिल्ली, प्रो. (वैद्य) रबिनारायण आचार्य, महानिदेशक, सीसीआरएएस मुख्यालय, नई दिल्ली, डॉ. प्रताप माखीजा, सहायक निदेशक (आय.)/ प्रभारी हिन्दी अधिकारी, सीसीआरएएस मुख्यालय, नई दिल्ली, डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी)/ हिंदी प्रभारी, के. प्रियव्रत रेड्डी, सहायक, श्री गिरधर लाल शर्मा, अनुवादक (हिंदी सहायक) शामिल हुए।

आम जनता की उम्मीद पर खरे उतरेंगे दमरे के जीएम : बिनय यादव

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बताया कि साउथ सेंट्रल रेलवे के अरुण कुमार जैन को महाप्रबंधक बनने पर बिहार सहयोग समिति को एक नई उम्मीद जागी है और उम्मीद करते हैं कि हम लोग उनसे बहुत बार बिहार के लिए और एक ट्रेन चलाने की मांग की थी।

अब उम्मीद जरूर पूरी हो जाएगी। इस मौके पर बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष ने बताया कि हैदराबाद में भारी संख्या में बिहार व यूपी के लोग रहते हैं और उनको टिकट नहीं मिलने पर बहुत सी परेशानी का सामना करना पड़ता है। टिकट नहीं मिलने पर वो लोग बस से भी जाने के कोशिश करते हैं और कई दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। हम लोगों ने प्रधानमंत्री, रेलमंत्री एवं बिहार के मुख्यमंत्री, तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बहुत से मंत्रियों को भी इसकी सूचना दी, मगर किसी तरह का कोई जवाब नहीं मिलने पर हम लोगों को बहुत निराशा हुई। अब एक उम्मीद जागी है अरुण कुमार जैन जी से जो हमलोग के तकलीफ को समझे गें और एक ट्रेन चलाने के कोशिश करेगें क्योंकि लाखों के संख्या में बिहार-यूपी के लोग यहां पर रहते हैं और एक ही ट्रेन है। हमारे बिहार सहयोग समिति की तरफ से उनको महाप्रबंधक बनने पर हार्दिक बधाई देते हैं।

एचएनएस चिकित्सालय की प्रथम आम सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचएनएस चिकित्सालय की प्रथम आम सभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मानद मन्त्री दीपक बिजंराजका ने सभा का सचांलन की अनुमति लेकर कर कार्य सूचि के अनुसार सर्व प्रथम अध्यक्षीय संबोधन के पश्चात गत वर्ष मे सम्पन्न हुऐ कार्यो का विवरण दिया। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष नारायणचौधरी, ने वर्ष का आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। सभा में उपस्थित श्रीप्रकाश गोयल, अशोक सिघंल,विनोद अग्रवाल ने कुछ प्रश्न किए जिन का उत्तर चेयरमैन अजंन अग्रवाल एवं अधक्ष्य पुरुषोत्तम अग्रवाल ने शांतिपूर्वक दिए। सभा में सलाहकार राम गोयल एवं हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष शुरेश सिंघल एवं अन्य ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्य सूची के अनुसार लेखाकार का चयन अंकुर टिबरेवाल का किया गया सभा मे लगभग 50 न्यासियों ने भाग लिया।

सकारात्मकता का दीप जलाओ : ब्रह्माकुमारी अंजली बहन

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्माकुमारीज, पीस हाउस, हिमायत नगर शाखा में कार्तिक मास में पवित्र कार्तिक दीप जलाने के उपलक्ष्य में सकारात्मकता की ज्योत जगाना विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रजनी बहन चेलापुरा शाखा की संचालिका ने कहा कि आत्मा की ज्योत जलाने के लिए परमात्म ज्ञान का घृत डालना जरूरी है। परमात्मा ज्योति बिंदु स्वरूप है, जिनकी ज्योतिर्लिंग के रूप में सारे विश्व में पूजा की जाती है। उनके साथ मन से जुड़ने से हमारे अंदर का अज्ञान अंधेरा मिटकर ज्ञान का प्रकाश आ जाता है। इसके ही यादगार के रूप में दीया जलाने की प्रथा मनाई जाती है। उन्होंने इस अवसर पर सबको राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। गोष्ठी में हिमायतनगर शाखा की संचालिका ब्रह्माकुमारी अंजलि बहन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के व्यस्त जीवन में थोड़ा समय निकालकर परमात्मा के साथ योग लगाने से मन हल्का रहता है, शुद्ध हो जाता है। शुद्ध मन और बुद्धि से हम जो भी कार्य करते हैं उस कार्य को हम जल्दी कर सकते हैं अर्थात 3 घंटे का काम 1 घंटे में कर सकते हैं। हमारी कार्यक्षमता बढ़ती है और कार्य में सफलता भी प्राप्त होती है। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे आई.पी.एस अधिकारी विकास ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन की विद्या 4:00 बजे उठकर करने से पूरे दिन में मन और तन की स्फूर्ति बनी रहती है व थकावट का अनुभव नहीं होता है, इसलिए स्वयं की आत्मा को सशक्त बनाने के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास बहुत मदद करता है। गोष्ठी में आए हुए अन्य अतिथि भ्राता मुकेश तिवारी, योगाचार्य रवि किशोर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पद्मजा, डॉक्टर आनंद अबकारी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

कुमावत सेवा समिति, उप्पल-चेंगीचेरला को भामाशाह कमरा निर्माण हेतु रुपये 1,71,000 का अनुदान कुमावत समाज, हैदराबाद-सिकन्दराबाद (तेलंगाना) के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने दिया। अवसर पर उनका सम्मान करते हुए अध्यक्ष चन्द्राराम मोटावत, पूर्व अध्यक्ष चेनाराम रेणवाल, सी.आर. कुमावत, मल्लाराम मण्डोरा, बाबुलाल खरनालिया, नाथुराम बांवलिया।

जैन राजनैतिक चेतना मंच की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैन राजनैतिक चेतना मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक उत्तर प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री त्रिलोक तीर्थधाम बड़ागांव बागपत उत्तर प्रदेश में सम्पन्न हुई। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति देते हुए जैन राजनितिक चेतना मंच के रिद्धिश जागीरदार ने बताया कि दो दिवसीय बैठक मे भाग लेने हेतु तेलंगाना से जैन मुकेश चौहान हैदराबाद एवं आंध्र प्रदेश से पार्षद बिपिन जैन विशाखापत्तनम के साथ साथ देश के अनेक राज्यों से मंच के पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मिलित हुए। जैन मुकेश चौहान ने बताया कि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराजजी जैन गंगवाल की अध्यक्षता में एवं मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंदजी कटारिया नेता प्रतिपक्ष राजस्थान सरकार, प्रदीपजी जैन आदित्य पूर्व मंत्री भारत सरकार, चंद्राजजी जैन सिंघवी पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान, पूर्व विधायक कटनी सुकीर्ति जैन की गरिमामय उपस्थिति मे बैठक सुसम्पन्न हुई। मंच संचालन ललित जैन महामंत्री ने किया।

प्रजावाणी कार्यक्रम में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष उपाय : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में जनता से प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर विशेष कदम उठाए जाएंगे।

सोमवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन स्थित कलेक्टर कक्ष में आवेदकों के आवेदन प्राप्त हुए। वांकिडी मंडल के पटागुड़ा गांव के तझू धर्मू ने वृद्धावस्था पेंशन की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। बेज्जुरू मंडल के रेचिनी गांव के मोरले गणपति ने एक आवेदन पत्र जमा कर पेंशन की मांग के साथ एक प्रमाण पत्र दिया है जिसमें कहा गया है कि वह मौजूद है।

कन्नेरागांव गांव के निकोडे बापूराव, वंकिडी मंडल, नूर नगर की सुल्ताना बेगम, आसिफाबाद मंडल, वंजारी गांव के चुनारकर कमला, कागजनगर मंडल और रुद्रपुर गांव के दुर्गम शंकर, चिंताला मानेपल्ली मंडल ने पेंशन के अनुदान के लिए अलग से अपने आवेदन जमा किए।

जन सेवा संघ द्वारा छठ के सफल आयोजन पर सम्मान समारोह

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के द्वारा छठ पूजा के आयोजन पर छठ पूजा से जुड़े सभी कार्यकर्ता काफी खुश एवं गौरवान्वित महशूश कर रहे हैं। इस उत्सव को यादगार बनाने के लिए संस्था द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संघ के केन्द्रीय समिति, उत्सव समीति एवं संबंधित सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया।

इस समारोह मे उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं के उत्साह वर्धन एवं अद्भुत साहस एवं समर्पण भाव से कार्य करने के लिए भूरि भूरि प्रशंसा एवं सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सम्मान समारोह में जन सेवा संघ के अध्यक्ष एल एम चौधरी, महासचिव श्री के डी चौबे, संचालन समिति के संयोजक श्री पी पी पांडेय, एस पी सिंह, राजेश चौबे, राधेश्याम राय यादव, राजीव रंजन चौबे, सुशील श्रीवास्तव, नारायण ओझा, संजय कुमार भगत, बिपिन पासवान, एमडी कमालुद्दीन आदि उपस्थित रहे।

भोनगिरी स्थित श्री वीर तेजाजी मंदिर प्रांगण में तेजाजी महाराज की संध्या आरती की स्क्रीन को मंदिर ट्रस्टी को वितरित करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, दोलाराम कड़वा, हणुतराम खोखर। साथ में हैं मंदिर कमेटी ने अथितियों का सम्मान करते हुए चेतन प्रकाश बिजवाण, बाबूलाल खोड, गोविंद राम कागट, विक्रम कमेडिया व अन्य।

बंजारा हिल्स कपूर एंड संस होटल में लाइन्स क्लब की मीटिंग का आयोजन किया गया उपस्थित महिलाएं अलका जेनानी मनीषा, पुष्पा, जरीना, मंजू ,रीतू, वाबीता, सपना गुप्ता व अन्य।

केवी एएफएस बेगमपेट की टीमों ने केवीएस नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप जीता

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्षेत्र के अंतर्गत केवी एएफएस बेगमपेट की अंडर 14 और अंडर-17 गर्ल्स बास्केटबॉल टीमों ने 1 से 6 नवंबर 2022 तक ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में आयोजित 51 वीं केवीएस नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2022 हासिल की। फाइनल स्कोर अंडर-14 गर्ल्स हैदराबाद रीजन में 17 अंक बनाम चेन्नई क्षेत्र16 अंक केवी एएफएस बेगमपेट, हैदराबाद क्षेत्र, अंडर -14 से अनुष्का क्रेडिया ने 10 अंक बनाए थे। फाइनल स्कोर अंडर-17 गर्ल्स हैदराबाद क्षेत्र 55 अंक बनाम बैंगलोर क्षेत्र 24 अंक था। केवी एएफएस बेगमपेट की ईशा मौर्य ने 30 अंक हासिल किए थे। विजयी टीमों का भव्य स्वागत किया गया और केवीएस हैदराबाद क्षेत्र के प्रभारी डीसी प्रभुदास, एसी एम.राजेश्वर राव, केवी एएफएस बेगमपेट प्राचार्य आर. शंकर, कोच और शारीरिक शिक्षक रामू, स्टाफ और माता-पिता द्वारा बधाई दी गई। पूरे केवी एएफएस बेगमपेट के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा टीम के सदस्यों का जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। यह वास्तव में केवी एएफएस बेगमपेट स्कूल के लिए एक उत्सव का अवसर था।

मुनुगोडू में टीआरएस की जीत पर गृहमंत्री मो. महमूद अली को बधाई देते हुए पूर्व माइनारिटी कमिशन सदस्य ए. गौतम जैन व पद्मचंद बफणा।

ध्यान फाउंडेशन गौशाला में अंकित और प्रतीक दिनमा के भजन से कार्य करम का शुभंभ हुआ जिसमे सभी के स्वागत में गए जिस्म 10 रत्न सेवा समिति के सदास्यो में अंकित अग्रवाल आशीष विजयवर्गी दीपक कुमार अग्रवाल मैं यशस्वी अग्रवाल के साथ गोपाल बलदाव दीपक विजयवर्गी मीनाक्षी विजयवर्गी अशोक सेन ट्रेसरर बीजेपी गोलकुंडा राजेंद्र कुमार अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच ने देव दीपावली मनायी

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्षा सुमन भुवानिया ने सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा पर नानकरामगुडा, रंगनाथ मंदिर स्थित हनुमान मंदिर पर देव दीपावली बनायी गयी। अग्रणी महिला मंच की कार्यकारिणी द्वारा पूजा अर्चना, अन्नकूट प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में वंदन पंचारिया, रूपा गुप्ता, रीता अग्रवाल एवं पवन भुवानिया उपस्थित रहे।

कई गरीब लड़कियों की शादी में सहयोग करने तथा समाजसेवा में विशेष योगदान देने पर भामाशाह नंदकिशोर व्यास बिलाल का राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से सम्मान करते हुए रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, पवन उपाध्याय, सुरेश कुमार व अन्य।

भोला शंकर मंदिर में दीपोत्सव की शुरुआत

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्तिक के पावन अवसर पर सोमवार को छावनी ओकाटो वार्ड न्यू बोइनपल्ली कंसारी बाजार स्थित भोला शंकर मंदिर में लाख दीपोत्सवम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधि रायल किशन ए पुरी, परमेश्वर राव, ए. नरसिंग राव, छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में प्रख्यात समाजसेवी जंपन्ना प्रताप, बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के युवा नेता रागिरी टिंकू गौड़, जमना युवा सेना के प्रतिनिधि सहित मुकेश यादव के साथ वरप्रसाद और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पूरे मंदिर परिसर में आध्यात्मिक कार्यक्रम के साथ महिला भक्तों का तांता लगा रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ईडब्ल्यूएस आरक्षण जारी ...

फाइनल फैसला-समान्य वर्ग के गरीबों को दिया जाने वाला 10 प्रतिशत आरक्षण जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों में से 3 जजों ने इसे सही ठहराया। जस्टिस रवींद्र भट्ट और सीजेआई यूयू ललित अल्पमत में रहे।

केंद्र की दलील थी, हमने 50 प्रतिशत का बैरियर नहीं तोड़ा :

केंद्र की ओर से पेश तत्कालीन अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सुनवाई के दौरान कहा था कि आरक्षण के 50 प्रतिशत बैरियर को सरकार ने नहीं तोड़ा। उन्होंने कहा था, 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने ही फैसला दिया था कि 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए ताकि बाकी 50 प्रतिशत जगह सामान्य वर्ग के लोगों के लिए बची रहे। यह आरक्षण 50 प्रतिशत में आने वाले सामान्य वर्ग के लोगों के लिए ही है। यह बाकी के 50 प्रतिशत वाले ब्लॉक को डिस्टर्ब नहीं करता है।

27 सितंबर को कोर्ट ने सुरक्षित रखा था फैसला :

बेंच ने मामले की साढ़े छह दिन तक सुनवाई के बाद 27 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीजेआई ललित 8 नवंबर यानी मंगलवार को रिटायर हो रहे हैं। इसके पहले 5 अगस्त 2020 को तत्कालीन सीजेआई एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने मामला संविधान पीठ को सौंपा था। सीजेआई यूयू ललित की अध्यक्षता वाली बेंच ने कुछ अन्य अहम मामलों के साथ इस केस की सुनवाई की।

सीजेआई यूयू ललित ...

फाइनल फैसला-समान्य वर्ग के गरीबों को दिया जाने वाला 10 प्रतिशत आरक्षण जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों में से 3 जजों ने इसे सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सभी 2जी मामलों में सुनवाई करने के लिए उन्हें सीबीआई के लिए स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किया गया था। जस्टिस ललित दो कार्यकाल के लिए सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया लीगल सर्विसेज कमेटी के सदस्य भी थे। क्रिमिनल लॉ विशेषज्ञ जस्टिस ललित 13 अगस्त 2014 को बार से सुप्रीम कोर्ट के जज बने। बार से सीजेआई बनने वाले वे दूसरे जज रहे।

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता 16वें सीजेआई थे :

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ देश के 16वें सीजेआई थे। उनका कार्यकाल 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक, यानी करीब 7 साल तक रहा। पिता के रिटायर होने के 37 साल बाद उसी पद पर बैठेंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ पिता के 2 बड़े फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में पलट भी चुके हैं। वह बेबाक फैसलों के लिए चर्चित हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल 9 नवंबर, 2022 से 10 नवंबर, 2024 तक, यानी 2 साल का होगा।

दिल्ली के डिप्टी ...

सीबीआई जांच शुरू होने के बाद नई पॉलिसी को लागू नहीं किया गया

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 1 अगस्त 2022 को ऐलान किया था कि पुरानी शराब नीति लागू होगी। लेकिन इस मामले में सीबीआई जांच शुरू होने के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, केंद्र सरकार ने इस पॉलिसी में सीबीआई की एंट्री करा दी, जिससे कोई भी ठेका लेने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए हम नई व्यवस्था लागू नहीं करेंगे।

डिप्टी सीएम ने कहा था कि नई एक्साइज पॉलिसी से भाजपा का भ्रष्टाचार खत्म हो जाता और साल में 9,500 करोड़ का राजस्व आता। वर्तमान में दिल्ली में 468 शराब दुकानें चल रही हैं। भाजपा का मकसद है कि दिल्ली में अवैध शराब बिके।

डिप्टी सीएम का दावा, अफसरों ने इशारों में मुझे भाजपा जॉइन करने को कहा :

शराब घोटाले में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया से पूछताछ खत्म हो गई है। सीबीआई ने सोमवार 16 अक्टूबर को उनसे करीब 9 घंटे सवाल किए। पूछताछ खत्म होने के बाद सिसोदिया ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान उन पर आम आदमी पार्टी छोड़ने का दबाव बनाया गया। एजेंसी के अधिकारियों ने उन्हें भाजपा में शामिल होने की सलाह दी, साथ ही सीएम बनाने का ऑफर भी दिया। जिससे उन्होंने साफ इनकार कर दिया। दिल्ली शराब नीति पर भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा ने एक स्टिंग ऑपरेशन किया है। वीडियो जारी करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बताया कि घोटाले में आरोपी नंबर 9 अमित अरोड़ा ने केजरीवाल सरकार की पोल खोल दी है। केजरीवाल सरकार ने शराब टेंडर देने के लिए 5-5 करोड़ रुपये तक की मिनिमम फीस तय की थी। यह इसलिए ताकि छोटा-मोटा प्लेयर इस धंधे में न आ पाए।

42 ग्रुप मैच में 6 उलटफेर : सुपर-12 की हर टीम ने कम से कम 1 मैच गंवाया, आखिरी 5 मुकाबलों से मिले 4 सेमीफाइनलिस्ट

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप का सुपर-12 स्टेज खत्म हो चुका है। ओवरऑल 42 ग्रुप मैच खेले गए और इस दौरान 6 बड़े उलटफेर देखने को मिले। सुपर-12 स्टेज की सभी 12 टीमों ने टूर्नामेंट में कम से कम एक मैच तो जरूर हारा। इतना ही नहीं इनमें 11 टीमों ने कम से कम एक मैच जीता भी है। ग्रुप-1 में अफगानिस्तान ही ऐसी एकमात्र टीम रही जो कोई भी मैच नहीं जीत सकी।

टूर्नामेंट का बेहद रोचक पहलू ये है कि 42 मैच भले ही खेले गए हों, लेकिन आखिरी 5 मुकाबलों में सेमीफाइनल की टॉप-4 टीमें सामने आईं। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि दोनों ग्रुप में कौन-कौन से मैचों में उलटफेर हुए और कैसे सेमीफाइनल के लिए 4 टीमें मिलीं...उससे पहले हमारे इस पोल में अपनी राय दे दीजिए...

सबसे पहले ग्राफिक्स के जरिए वर्ल्ड कप के 6 उलटफेर देख लीजिए...

ग्रुप-2 में सभी टीमें जीतीं जरूर

सुपर-12 स्टेज के ग्रुप-2 में भारत समेत कुल 6 टीमें थीं। सभी टीमों ने ग्रुप स्टेज में कम से कम एक मैच जीता और एक मैच हारा भी। भारत ने बांग्लादेश को हराया। बांग्लादेश ने नीदरलैंड को हराया। नीदरलैंड ने जिम्बाब्वे को हराया। जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को हराया। पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को हराया। वहीं, साउथ अफ्रीका ने भारत को हराया।

पॉइंट्स टेबल T20 WORLD CUP

सुपर-12 स्टेज में ग्रुप-1

टीम	मैच	जीत	हार	NR	पॉइंट	रन रेट
न्यूजीलैंड	5	3	1	1	7	+2.113
इंग्लैंड	5	3	1	1	7	+0.473
ऑस्ट्रेलिया	5	3	1	1	7	-0.173
श्रीलंका	5	2	3	0	4	-0.422
आयरलैंड	5	1	3	1	3	-1.615
अफगानिस्तान	5	0	3	2	2	-0.571

इस तरह ग्रुप-2 में कोई भी टीम न तो एकतरफा हावी रही और न ही कोई टीम एकतरफा तरीके से हारते हुए वर्ल्ड कप से बाहर हुई।

अब ग्रुप-1 में जान लेते हैं क्या हुआ

ग्रुप-2 की ही तरह ग्रुप-1 में भी सभी टीमों ने कम से कम एक मैच जरूर हारा। इस ग्रुप की 6 में से 5 टीमों ने एक मैच जीता भी। अफगानिस्तान एकमात्र ऐसी टीम रही जो कोई भी मैच नहीं जीत सकी।

ग्रुप-1 में न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराया। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को हराया। श्रीलंका ने आयरलैंड को हराया। आयरलैंड ने इंग्लैंड को हराया। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराया।

वहीं, अफगानिस्तान को 3 टीमों ने हराया। इस तरह इस ग्रुप की सभी टीमें कम से एक मैच जरूर हारी हैं। ग्रुप-1 से न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। दोनों सेमीफाइनलिस्ट का फैसला ग्रुप-1 के आखिरी 2 मैचों से हुआ।

37 मैच खत्म होने तक पता ही नहीं था, कौन सेमीफाइनल में होगा

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही कहा था कि यह अब तक का सबसे ओपन वर्ल्ड कप होगा। ऐसा हुआ भी। फर्स्ट राउंड और सुपर-12 स्टेज मिलाकर कुल 42 ग्रुप मैच हुए। 37 मैच खत्म होने के बाद तक किसी भी सेमीफाइनलिस्ट का फैसला नहीं हो सका। 38वें और 39वें मैच के नतीजों से न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीम अंतिम-4 में पहुंच सकीं। वहीं, 40वें और 41वें मैच के नतीजों से भारत और पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं।

पॉइंट्स टेबल T20 WORLD CUP

सुपर-12 स्टेज में ग्रुप-2

टीम	मैच	जीत	हार	NR	पॉइंट	रन रेट
भारत	5	4	1	0	8	1.319
पाकिस्तान	5	3	2	0	6	1.028
साउथ अफ्रीका	5	2	2	1	5	0.874
नीदरलैंड	5	2	3	0	4	-0.849
बांग्लादेश	5	2	3	0	4	-1.176
जिम्बाब्वे	5	1	3	1	3	-1.138

ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच हुए 38वें मैच के बाद ही न्यूजीलैंड टीम की सेमीफाइनल सीट कन्फर्म हुई थी। इंग्लैंड ने श्रीलंका को 39वें मैच में हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की। 40वें मैच में साउथ अफ्रीका की हार ने भारत को अंतिम-4 में पहुंचाया। वहीं, 41वें मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

आखिरी दिन 2 सेमीफाइनलिस्ट निकले

ग्रुप-2 में रविवार को 3 मैच हुए। पहले मैच में नीदरलैंड ने साउथ अफ्रीका को 13 रन से हराया। इस मैच के नतीजे से साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल की रेस से बाहर हुआ और भारत सेमीफाइनल में पहुंच गया। दूसरा मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हुआ। यह एक नॉक आउट मुकाबला था। यानी, जो भी टीम इसे जीतती वह अंतिम-4 में पहुंच जाती। पाकिस्तान ने मैच में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दिन का आखिरी मैच भारत और जिम्बाब्वे के बीच हुआ। इस मैच को जीतकर भारत सुपर-12 स्टेज के ग्रुप-2 में पहले स्थान पर पहुंचा। पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। अब 9 नवंबर को सिडनी में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पहला सेमीफाइनल होगा। 10 नवंबर को एडिलेड में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। फाइनल 13 नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर होगा।

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2016 में 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन वेस्टइंडीज को हराने वाली अफगानिस्तान इस बार ग्रुप-1 में कोई भी मैच जीत नहीं सकी। उनके 2 मैच बारिश के कारण धुल गए। इस तरह पॉइंट्स टेबल में उनके पास 2 अंक जरूर हैं। लेकिन, टीम को श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप मैच बहुत करीबी रहा था।

राशिद खान के 23 बॉल पर विस्फोटक 48 रन के बावजूद टीम 4 रन से मैच हार गई थी। आयरलैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका मैच बारिश में धुल गया था। मैच की पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

2009 की चैंपियन पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। रविवार को उसने करो या मरो वाले लो-स्कोरिंग मैच में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया।

एक समय पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थी। लेकिन, रविवार को जब नीदरलैंड ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो पाकिस्तान की किस्मत पलट गई। नीदरलैंड की जीत ने बाबर की टीम को एक और मौका दिया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराते हुए इसे बखूबी भुना भी लिया।

मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने 'रेसलर'

गर्दन दबाकर विरोधी को पटका

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मैनचेस्टर युनाइटेड के दिग्गज फॉरवर्ड क्रिस्टियानो के लिए प्रीमियर लीग का मौजूदा सीजन अच्छा नहीं रहा है और अलग-अलग विवादों के अलावा उनका प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा है. दिग्गज फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने करीब दो दशक लंबे अपने अभी तक के करियर में दुनिया बड़े बड़े डिफेंडरों और गोलकीपरों को छकाते हुए सैकड़ों गोल दागे हैं. हालांकि, इस दिग्गज फॉरवर्ड के लिए मौजूदा सीजन कुछ अच्छा नहीं जा रहा है. मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए अपने दूसरे सीजन में रोनाल्डो कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. उल्टे अलग-अलग विवादों के कारण सुर्खियों में रहे हैं और ऐसा ही एक विवाद मैदान पर देखने को मिला, जब रोनाल्डो ने विरोधी खिलाड़ी को मैच के बीच पटक दिया.

इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन के 13वें दौर के मुकाबले में रविवार 6 नवंबर को एस्टन विला और मैनचेस्टर युनाइटेड का मुकाबला हुआ. ये मैच विला स्टेडियम में खेला गया और इस सीजन में लय हासिल करने के लिए जूझ रही एस्टन विला ने मुकाबले में जोरदार शुरुआत करते हुए 12वें मिनट तक ही 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी. वहीं दूसरे हाफ में 49वें मिनट तक स्कोर 3-1 हो गया था.

इस मैच में रोनाल्डो अपनी टीम की कप्तानी भी कर रहे थे और टीम को पिछड़ता हुआ देखकर वह दबाव में थे. ऐसे में जब विला के गोल के पास मौके बने तो उन्होंने पूरा जोर लगाया. ऐसा ही एक मौका मैच के 60वें मिनट में आया, जब लेफ्ट विंग से युनाइटेड ने अटैक की कोशिश की. इस दौरान गोल के पास रोनाल्डो गेंद के आने का इंतजार कर रहे थे लेकिन इसी बीच वह विला के डिफेंडर टायरन मिंग्स से उलझ गए. विला के सेंटर बैक मिंग्स इस दौरान रोनाल्डो को रोकने का प्रयास कर रहे थे और दोनों के एक दूसरे को गर्दन से पकड़ लिया और टकराव चंद सेकेंड में गंभीर हो गया, जहां रोनाल्डो ने रेसलर की तरह मिंग्स को मैदान में पटक दिया.

रोनाल्डो को इस तरह अपने साथी से उलझता देखकर विला के बाकी खिलाड़ी भी वहां पहुंच गए और उन्होंने रोनाल्डो को घेर लिया. देखते ही देखते दोनों टीमों के खिलाड़ी वहां पहुंच गए दोनों को अलग किया. हालांकि, रेफरी एंथनी टेलर ने तुरंत हालात को काबू में किया और दोनों खिलाड़ियों को इस बर्ताव के लिए येलो कार्ड दिखाए.

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप : लवलीना बोरगोहेन ने पक्का किया पदक, कजाखस्तान की मुक्केबाज को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक में 69 किग्रा में कांस्य पदक जीतने वाली असम की मुक्केबाज लवलीना 75 किग्रा वर्ग में खेल रही हैं, क्योंकि उनका पूर्व भार वर्ग पेरिस ओलंपिक में शामिल नहीं है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पदक कर लिया है। जॉर्डन के अम्मान में लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में अपना पहला मुकाबला जीत लिया। उन्होंने कजाखस्तान की वेलेंटीना खलजोवा के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल कर ली है। लवलीना को कम से कम कांस्य पदक पक्का करने के लिए एक जीत की जरूरत थी।

25 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने शनिवार देर रात क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की खलजोवा के खिलाफ कड़ी मेहनत की। टोक्यो ओलंपिक में 69 किग्रा में कांस्य पदक जीतने वाली असम की मुक्केबाज 75 किग्रा वर्ग में खेल रही हैं, क्योंकि उनका पूर्व भार वर्ग पेरिस ओलंपिक में शामिल नहीं है।

साउथ अफ्रीका यानी क्रिकेट के सबसे बड़े चोकर्स

वर्ल्ड कप के अहम मुकाबले में टीम की हार का सिलसिला कायम

साउथ अफ्रीका का इस वर्ल्ड कप में सफर

डेट	बनाम	वेन्यू	रिजल्ट
24 अक्टूबर	जिम्बाब्वे	होबार्ट	नो रिजल्ट
27 अक्टूबर	बांग्लादेश	सिडनी	104 रन से जीता
30 अक्टूबर	भारत	पर्थ	5 विकेट से जीता
03 नवंबर	पाकिस्तान	सिडनी	33 रन से हारा
06 नवंबर	नीदरलैंड	एडिलेड	13 रन से हारा

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड ने साउथ अफ्रीका को 13 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। साउथ अफ्रीका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। यह पहला मौका नहीं है जब साउथ अफ्रीका की टीम किसी बड़े टूर्नामेंट में खास मुकाम हासिल किए बिना ही बाहर हो गई हो।

वर्ल्ड कप और दूसरे बड़े टूर्नामेंट्स में अक्सर देखा गया है कि साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीम फेल हो जाती है, उसके रास्ते चोक हो जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जीतने का दावेदार मानी जाने वाले यह टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाती है। साउथ अफ्रीका ने अब तक कुल 15 वर्ल्ड कप खेले है। इनमें से 11 वर्ल्ड कप ऐसे थे जिसमें साउथ अफ्रीका को वर्ल्ड कप का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन टीम एक भी वर्ल्ड कप में फाइनल तक नहीं पहुंच सकी।

भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले टॉप-4 प्लेयर

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। अब तक पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। एक साल पहले यानी 2021 के वर्ल्ड कप में यही टीम विराट कोहली की कप्तानी में ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई थी। इसके बाद रोहित शर्मा के रूप में टीम को नया कप्तान मिला और तस्वीर बदल गई।

इस स्टोरी में हम ऐसे टॉप-4 भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जानेंगे जिनकी बदौलत भारत ने यहां तक का सफर तय किया है...उससे पहले हमारे इस पोल में अपनी राय दे दीजिए...

भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले टॉप-4 स्टार्स

मोहम्मद शमी

पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत अपने पहले मैच में पाकिस्तान से हार गया था। मैच में शमी ने 3.5 ओवर में 43 रन दिए थे। शमी एक भी विकेट नहीं ले सके। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। हाल ही में शमी कोविड पॉजिटिव भी हो गए थे। इससे रिकवर होने के बाद उन्होंने इस साल टी-20 वर्ल्ड कप में वापसी की। पिछले 5 मैचों में शमी ने अपने प्रदर्शन से ना सिर्फ आलोचकों को करारा जवाब दिया है, बल्कि भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाने में उनका बड़ा हाथ रहा है।

भले ही शमी ने टी-20 वर्ल्ड कप में ज्यादा विकेट नहीं लिए, लेकिन जितने भी ओवर किए उनमें बल्लेबाजों को रन बनाने से रोक दिया। इस टूर्नामेंट में जब भी भारतीय कप्तान को विकेट की जरूरत पड़ी उन्होंने विपक्षी टीम का विकेट चटकाया। ऐसे में उनके ओवर मैच में निर्णायक सिद्ध हुए। खासतौर पर भारत-पाकिस्तान मैच में शमी ने इफ्तिखार अहमद का विकेट तब चटकाया जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।

सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ही लय में नजर आ रहे थे। इस टूर्नामेंट में भी उन्होंने अपना जलवा कायम रखा। सूर्या एक साल में टी-20 में 1000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्या ने 2022 में ये कारनामा किया।

टी-20 वर्ल्ड कप में सूर्यकुमार यादव की तीन अर्धशतकीय पारियां और 360 डिग्री शॉट्स ना सिर्फ चर्चा का विषय रहे, बल्कि भारत को जीत दिलाने में सूर्या ने अहम भूमिका निभाई। भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश मैच में तो सूर्या का बल्ला ज्यादा नहीं चला, लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों में 68 रन बनाए। जिम्बाब्वे और नीदरलैंड के खिलाफ सूर्या नाबाद रहे। उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ 25 गेंदों में 51 और जिम्बाब्वे के खिलाफ 25 गेंदों में 61 रन बनाए। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी ओवर में सूर्या के 2 छक्के देखकर लगता है कि साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स के बाद सूर्या दूसरे 360 डिग्री बैटर बन सकते हैं।

अर्शदीप सिंह

एशिया कप 2022 में भारत-पाकिस्तान सुपर-4 का मुकाबला। 18वें ओवर की तीसरी बॉल रवि बिश्नोई ने फुल ऑफ-साइड फेंकी। स्ट्राइक पर थे आसिफ अली। आसिफ ने स्लॉग स्वीप खेलना चाहा लेकिन टॉप-एज लगा और बॉल शॉर्ट थर्डमैन की तरफ चली गई। यहां खड़े फील्डर अर्शदीप के हाथों से फिसलकर गेंद गिर गई। इस कैच को छोड़ने के बाद अर्शदीप को इस मैच में भारत की हार का जिम्मेदार माना जाने लगा। अर्शदीप ट्रोलिंग का शिकार हुए। उनके खिलाफ खालिस्तानी जैसे शब्दों का इस्तेमाल तक किया गया।

नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी अर्शदीप का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने टीम को 2 विकेट दिलाए। हालांकि, टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से अपना अगला मैच हार गई, लेकिन यहां भी अर्शदीप ने विपक्षी टीम के 2 अहम बल्लेबाजों क्विंटन डी कॉक और राइली रूसो को आउट किया।

अगले मैच में बांग्लादेश और भारत की कड़ी टक्कर जारी थी। यहां भी अर्शदीप ने कमाल किया और 2 विकेट लिए। उन्होंने शाकिब-अल-हसन का महत्वपूर्ण विकेट चटकाया जिसके बाद बांग्लादेश की टीम की स्थिति कमजोर हो गई थी। 16 ओवर की इस पारी में अर्शदीप ने 12वें ओवर में ये कमाल किया। भारत-पाकिस्तान मैच में पॉवरप्ले में बाबर आजम और भारत-बांग्लादेश मैच में डेथ ओवर में शाकिब-अल-हसन का विकेट ले कर साबित कर दिया कि वो पॉवरप्ले और डेथ ओवर दोनों में ही भारत के लिए अच्छा विकल्प हैं।

विराट कोहली

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले विराट कोहली करीब 3 साल से खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद सब कुछ बदल गया। टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-12 के पहले मुकाबले में विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंदों में 82 रन की नाबाद पारी खेली। 19वें ओवर में हारिस रउफ की गेंद पर कोहली के दो छक्कों ने मैच पलट कर रख दिया। ओवर की पांचवीं गेंद... हारिस रउफ ने धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल डाली। कोहली ने गेंद बॉलर के सिर के ऊपर से बाउंड्री के बाहर पहुंचा दी। रउफ बॉल को देखते रह गए और टीम इंडिया को 6 रन मिले। अगली गेंद लेग स्टंप पर थी और कोहली ने कलाइयों के सहारे फाइन लेग की दिशा में इसे फ्लिक कर दिया। दोबारा छक्का। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेली गई ये पारी टी-20 फॉर्मेट में कोहली की सबसे बेहतरीन पारी बताई जा रही है।

भारत ने स्पेन से किया हिसाब बराबर

पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में जोरदार शुरुआत की है और अपने शुरुआती चार मैचों में से 3 में जीत दर्ज की है. उसे इकलौती हार स्पेन के खिलाफ ही पहले चरण में मिली थी. कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल से चूकने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अब प्रो हॉकी लीग के पर अपना ध्यान लगा दिया है. रोमाचंक मुकाबलों में न्यूजीलैंड को हराने वाली भारतीय टीम ने एक और जीत हासिल कर ली है. गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने कड़े मुकाबले में स्पेन को शूट आउट में 3-1 से हराया. 60 मिनट के निर्धारित समय के बाद दोनों टीम 2-2 से बराबर थी और से में पेनल्टी शूटऑउट से फैसला करना पड़ा, जिसमें भारतीय गोलकीपर ने अपना जलवा दिखाया. भारत की 4 मैचों में ये तीसरी जीत है. अगले साल जनवरी में होने वाले विश्व कप से पहले तैयारियों के लिहाज से भारत के लिए ये टूर्नामेंट अहम है. भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में रविवार 6 नवंबर को ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारत के सामने स्पेन की चुनौती थी. दोनों टीमों की ओर से पूरे मैच में जोरदार खेल दिखाया गया और सिर्फ दूसरे क्वार्टर को छोड़कर हर क्वार्टर में गोल देखने को मिले.

हरमनप्रीत ने दागे दोनों गोल

टीम इंडिया की ओर से दिग्गज डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह ने 12वें और 32वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे. हरमनप्रीत के गोल की मदद से भारत ने 42वें मिनट तक बढ़त बनाई हुई थी, लेकिन फिर आखिरी क्वार्टर में स्पेन ने वापसी की. उसके लिए कप्तान मार्क मिरालेस (43वें मिनट) और पेरे अमात (55वें मिनट) ने गोल दागकर नियमित समय में मुकाबले को बराबरी पर रोका. लीग के दो चरणों वाले मुकाबले के पहले मैच में भारत को स्पेन के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था.

पाठक ने बचाए तीन शॉट

इसके बाद बात पेनल्टी शूट आउट पर आई और यहां फैसला भारत के पक्ष में रहा, जिसमें गोलकीपर पाठक ने अहम भूमिका निभाई. भारत की ओर से शूटआउट में हरमप्रीत, राजकुमार पाल और अभिषेक ने गोल दागने में सफलता हासिल की. दूसरी ओर टीम इंडिया के गोलकीपर पाठख ने स्पेन के जोकिम मेनिनी, राफेल विलालोंगा और मिरालेस के प्रयासों को नाकाम करते हुए भारत को बोनस अंक दिला दिया. स्पेन के लिए शूट आउट में एकमात्र गोल गेरार्ड क्लेप्स ने किया. भारत चार मैच में आठ अंक के साथ प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर चल रहा है.

कोहली ने किया धोनी के मैसेज का खुलासा

लिखा- 'जब लोग आपको स्ट्रॉन्ग देखते हैं तो पूछना भूल जाते हैं कि आप कैसे हो'

मेलबर्न, 7 नवंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली ने महेंद्र सिंह धोनी के उस मैसेज का खुलासा किया है, जो धोनी ने तब किया था, जब विराट ने टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी। कोहली ने बताया- 'धोनी ने लिखा था कि जब लोग आपको स्ट्रॉन्ग देखते हैं तो यह पूछना भूल जाते हैं कि आप कैसे हो।' मुझे हमेशा ऐसा ही देखा गया है। जो बहुत कॉन्फिडेंट है...मेंटली स्ट्रॉन्ग है और किसी भी स्थिति-परिस्थिति से निपट सकता है। उनके मैसेस के बाद मुझे बहुत अपना-सा लगा।

2 दिन पहले 34 साल के हुए विराट ने आरसीबी के पॉडकास्ट में धोनी के साथ रिश्ते को एक आशीर्वाद जैसा बताया। कोहली ने कहा- 'मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि धोनी अच्छे-बुरे हर समय में मेरे साथ हैं।'

कोहली ने पिछले महीने एशिया कप के दौरान कहा था- 'सिर्फ एक व्यक्ति था, जिसने वास्तव में मुझसे बात की। वह एमएस धोनी थे। मैं काफी भाग्यशाली हूं कि ऐसा प्लेयर जो मुझसे सीनियर है और उनके साथ मेरा रिश्ता और बॉन्डिंग इतनी बेहतरीन है। हमारे बीच काफी अच्छा तालमेल है। हम दोस्त से कहीं ज्यादा हैं।'

याद दिला दें कि विराट कोहली ने 15 जनवरी 2021 को टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वे अब तक 5 मुकाबले में 246 रन बना चुके हैं। उन्होंने 3 अर्धशतक भी जमाए हैं।

दनुष्का गुणतिलका क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से सस्पेंड

रेप केस में गिरफ्तारी के बाद श्रीलंका ने नेशनल टीम में सिलेक्शन पर भी बैन लगाया

खेल डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिकेटर दनुष्का गुणतिलका को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से सस्पेंड कर दिया है। दनुष्का पर ऑस्ट्रेलिया की एक महिला ने रेप के आरोप लगाए गए थे। जिसके बाद 6 नवंबर को उन्हें ऑस्ट्रेलिया की सिडनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि नेशनल क्रिकेट टीम में अब उनके सिलेक्शन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

दनुष्का पर एक्शन लेगा बोर्ड

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि खिलाड़ी पर ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान रेप के आरोप लगे। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। वे खिलाड़ी के साथ हैं। लेकिन, केस की निष्पक्ष जांच में बोर्ड पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया पुलिस का साथ देगा। ऑस्ट्रेलिया कोर्ट में केस के फैसले के बाद अगर खिलाड़ी दोषी पाया गया तो उन पर पेनल्टी लगाने के कदम भी उठाए जाएंगे। श्रीलंका बोर्ड ने कहा कि खिलाड़ी पर गंभीर आरोप लगे हैं। इन मामलों में बोर्ड जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाता है।

क्या है पूरा केस?

ऑस्ट्रेलिया में जारी टी-20 वर्ल्ड कप में 5 नवंबर को इंग्लैंड-श्रीलंका के बीच सुपर-12 का मैच खेला गया। सिडनी में मैच के बाद 6 नवंबर की सुबह पुलिस ने दनुष्का को टीम होटल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि 29 साल की महिला ने उन पर बिना सहमति के फिजिकल रिलेशन बनाने के आरोप लगाए। उन पर 4 धाराओं में केस दर्ज किया गया। 6 नवंबर को ही ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट में उन्हें पेश किया गया। जहां कोर्ट ने उन्हें बेल नहीं दी।

जल्द रिहा कर देंगे पुलिस कस्टडी से

खिलाड़ी के वकील आनंद अमरनाथ ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में अपील के बाद दनुष्का को बेल मिल जाएगी। जल्द ही उन्हें पुलिस कस्टडी से भी छोड़ देंगे। बेल मिलने के बाद भी उन्हें केस का फैसला आने तक ऑस्ट्रेलिया में ही रहना होगा। उन पर गंभीर आरोप लगे हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : गंगुला कमलाकर

करीमनगर, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि राज्य सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और स्वस्थ समाज के विकास के लिए स्वच्छता पर भारी मात्रा में खर्च कर रही है। सोमवार को यहां सातवाहन शहरी विकास प्राधिकरण (एसयूडीए) कार्यालय परिसर में स्वचालित स्वीपिंग मशीनों का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, और राज्य सरकार किसी भी हद तक स्वच्छता के लिए धन खर्च करने के लिए तैयार है।

डेंगू और वायरल फीवर को फैलने से रोकने के लिए कदम उठाने के अलावा करीमनगर शहर को एक सुंदर और स्वस्थ शहर के रूप में विकसित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

सोमवार को उद्घाटन की गई स्वीपिंग मशीनों को करीमनगर ग्रामीण मंडल के साथ-साथ कोठापल्ली नगरपालिका सीमा में मुख्य सड़कों की सफाई के लिए सूडा फंड से 1.64 करोड़ रुपये से खरीदा गया था। नगर निगम करीमनगर की ओर से पांच वाहन खरीद कर स्वच्छता कार्य भी जारी है। इस अवसर पर सूडा के अध्यक्ष जीवी रामकृष्ण राव, कलेक्टर आरवी कर्णन, करीमनगर के मेयर वाई सुनील राव, जिला परिषद अध्यक्ष कनुमल्ला विजया और अन्य उपस्थित थे।

विधायक सीतक्का ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिया तोहफा!

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस मुलुगु विधायक सीतक्का पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ी यात्रा में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं और उन्होंने राहुल के साथ गुस्सादी सहित आदिवासी नृत्य रूपों में नृत्य किया। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने सीतक्का से पूछा कि वह उन्हें क्या उपहार देने जा रही है और बाद में उन्होंने केसी वेणुगोपाल को भी बताया कि सीताक्का ने उन्हें बताया कि वह उन्हें उपहार देने जा रही हैं। बाद में सीतक्का ने राहुल गांधी के स्टाफ से उनके जूते के आकार और ब्रांड के बारे में पूछा और उन्हें भेंट किया। ऐसा कहा जाता है कि ब्रांडेड जूते की कीमत लगभग 16000 रुपये से 20000 रुपये है। यह भी कहा जाता है कि राहुल और सीतक्का के बीच उपहार पेश करते समय एक दिलचस्प बातचीत हुई।

तेलंगाना में राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पूरी

कामारेड्डी जिले के कुछ गांवों का भ्रमण किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को कामारेड्डी जिले के कुछ गांवों का भ्रमण किया। जुक्कल में रात्रि विश्राम के बाद, कांग्रेस सांसद ने फतलापुर बस स्टैंड से अपना वॉकथॉन फिर से शुरू किया। मध्याह्न विश्राम के लिए यात्रा शेखापुर में रुकी। कांग्रेस नेता ने पार्टी के प्रदेश नेताओं और विभिन्न समूहों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। शाम को, वह मीनूर में एक जनसभा को संबोधित किया, जो चल रही यात्रा के हिस्से के रूप में तेलंगाना में आखिरी जनसभा है। उन्होंने आज रात मिराजपुर हनुमान मंदिर से पैदल मार्च शुरू पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में प्रवेश किया। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के नेता कलामंदिर, देगलूर में राहुल गांधी का स्वागत किया। सोमवार को भारत जोड़ी यात्रा का 61वां दिन है। राहुल गांधी ने 7 सितंबर को कन्याकुमारी से लोगों को एकजुट करने और "भाजपा और आरएसएस द्वारा फैलाई जा रही नफरत और हिंसा के खिलाफ खड़े होने" के लिए यात्रा शुरू की थी। वॉकथॉन 3,750 किलोमीटर की दूरी तय करेगा और श्रीनगर में समापन से पहले 12 राज्यों से होकर गुजरेगा। यात्रा अब तक तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को कवर कर चुकी है। इसने 23 अक्टूबर को कर्नाटक से तेलंगाना में प्रवेश किया। यात्रियों ने राज्य के माध्यम से अपनी यात्रा के दौरान चार दिन का ब्रेक लिया। तेलंगाना में, यात्रा ने 19 विधानसभा और सात संसदीय क्षेत्रों में कुल 375 किमी की दूरी तय की।

सरकारी अस्पतालों में और स्थापित होंगे कैथ लैब : हरीश राव

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जरूरतमंद मरीजों के लिए आपातकालीन कार्डियोलॉजी सेवाओं को मजबूत करने के अपने प्रयासों के तहत, तेलंगाना सरकार न केवल हैदराबाद में बल्कि राज्य भर में तृतीयक शिक्षण अस्पतालों में और अधिक कैथ लैब जोड़ने की प्रक्रिया में है। उस्मानिया सामान्य अस्पताल (ओजीएच), गांधी अस्पताल, आदिलाबाद, विकाराबाद और खम्मम के सरकारी सामान्य अस्पतालों में कैथ लैब सुविधाएं शुरू करने के बाद, राज्य सरकार जल्द ही आने वाले दिनों में महबूबनगर और सिद्दीपेट में इसी तरह की सुविधाएं शुरू करेगी। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण कॉर्पोरेट अस्पतालों के बराबर चल रहा है।

तेलंगाना सरकार रुपये का खर्च कर रही है। गरीब मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सालाना 11,440 करोड़ रुपये। हम पांच मेडिकल कॉलेज भी शुरू करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे तेलंगाना में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों से आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा के तहत और अधिक प्रक्रियाओं को अपनाने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत निजी अस्पतालों के लंबित चिकित्सा बिलों के भुगतान की प्रक्रिया में देरी नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम गरीब मरीजों को, विशेष रूप से कैंसर जैसी बीमारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करें, जहां इलाज का खर्च अधिक होने की उम्मीद है। इस अवसर पर मेडिकवर कैंसर इंस्टीट्यूट, हाईटेक सिटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अस्पताल के एम्बुलेंस के मना करने के बाद एक पिता का छलका दर्द

बेटी के शव को बाइक पर ले जाने के लिए मजबूर हुआ आदिवासी व्यक्ति

खम्मम, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को एक आदिवासी व्यक्ति को अपनी तीन साल की बेटी का शव मोटरसाइकिल पर खम्मम जिला अस्पताल से 65 किलोमीटर दूर अपने गांव ले जाना पड़ा। बताया जाता है कि एनकूर मंडल के मेडेपल्ली के वेट्टी मल्ला ने शनिवार रात बीमारी के बाद अपनी बेटी सुक्की को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार को इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। मल्ला ने फिर अस्पताल के अधिकारियों से संपर्क किया और बच्चे के शव को उनके गांव ले जाने के लिए एम्बुलेंस का अनुरोध किया। अधिकारियों ने कथित तौर पर एक एम्बुलेंस को यह कहते हुए मना कर दिया कि उस समय कोई मुफ्त एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध नहीं है। एक निजी एम्बुलेंस के लिए भुगतान करने में असमर्थ, मल्ला ने फिर शव को अपनी मोटरसाइकिल पर ले लिया। यह घटना सोशल मीडिया पर तब वायरल हो गई जब कई लोगों ने मल्ला की अपनी पत्नी आदि के साथ मोटरसाइकिल पर शव के साथ एक तस्वीर साझा की।

भारतीय चुनाव प्रणाली को बदलने की जरूरत : विनोद कुमार

राजन्ना-सिरसिला, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार ने भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर चुनावी प्रणाली प्रदान करने के लिए भारतीय चुनाव प्रक्रिया में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया है। भाजपा की ओर से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, जिसे केवल 32 प्रतिशत वोट मिले। हालांकि 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने भाजपा को खारिज कर दिया, फिर भी उसने केंद्र में सरकार बनाई, इसलिए चुनावी प्रक्रिया में बदलाव करना जरूरी है। अन्य देशों में, राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को चुनाव में किसी विशेष राजनीतिक दल के पक्ष में डाले गए वोटों के आधार पर चुना जाएगा, उन्होंने सूचित किया और देश में एक समान प्रणाली लागू करना चाहते है। भारत को राजनीतिक दलों को मिले वोटों के आधार पर जनप्रतिनिधियों का चुनाव करने की स्थिति में भी पहुंचना चाहिए। इस संबंध में, देश भर में एक व्यापक बहस भी होनी चाहिए। विनोद कुमार ने टीआरएस नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ मुनुगोड़े में टीआरएस की जीत के बाद सोमवार को राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, वेमुलावाड़ा में पूजा की।

सिद्दीपेट पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर

सिद्दीपेट, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले में पुलिसकर्मियों के लिए हेल्थ प्रोफाइल बनाने के उद्देश्य से यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर जिले में पुलिसकर्मियों पर अलग-अलग परीक्षण कर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव और पुलिस आयुक्त एन. श्वेता के निर्देशों का पालन करते हुए डॉक्टर निरंतर निरीक्षण और कर्मियों के स्वास्थ्य की निगरानी करते हुए अपना स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार करेंगे। स्वास्थ्य प्रोफाइल को शेष जिला पुलिस के लिए मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इकाइयां अब तक, डॉक्टरों ने जिले में 652 पुलिसकर्मियों के प्राथमिक स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार किए हैं।

मेडिकल कॉलेज के उपाध्यक्ष डॉ. जी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी पर 55 परीक्षण किए जाएंगे, जिससे वे आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा सलाह ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर और बुरी आदतों से दूर रहकर 90 प्रतिशत बीमारियों से अपनी रक्षा कर सकते हैं। आयुक्त ने परियोजना के लिए दुबक इंस्पेक्टर कृष्णा और रिजर्व इंस्पेक्टर श्रीधर रेड्डी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। अतिरिक्त डीसीपी (प्रशासन) एस महेंद्र ने कहा कि डॉक्टर पुलिस आयुक्त से लेकर होमगार्ड तक के सभी 1,479 पुलिसकर्मियों का चरणबद्ध तरीके से परीक्षण करेंगे। महेंद्र ने कहा कि सौंपी गई टीमें दो साल तक सिद्दीपेट पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य की निगरानी करेंगी।

केटीआर ने लॉकहीड मार्टिन टीम से मुलाकात की

हैदराबाद में विस्तार योजनाओं पर चर्चा की

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने सोमवार को प्रगति भवन में एयर मोबिलिटी और मैरीटाइम मिशन के उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक रॉन मैकलीन के नेतृत्व में लॉकहीड मार्टिन की एक विशेष टीम के साथ मुलाकात की। मंत्री ने हैदराबाद में चल रही परियोजनाओं की प्रगति और सी-130जे एम्पेनेज और एफ16 विंग सहित इसकी विस्तार योजनाओं पर चर्चा की। लॉकहीड टीम ने कोविड महामारी के दौरान महत्वपूर्ण शिपमेंट के निर्माण और परिवहन के लिए राज्य सरकार द्वारा दिए गए समर्थन की सराहना की, जिससे हैदराबाद एयरोस्पेस प्रमुख के लिए सबसे लचीला वैश्विक आपूर्ति आधार बन गया। अतिथि प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद में उपलब्ध प्रचुर कुशल कार्यबल की भी सराहना की और विभिन्न कौशल पहलों के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। रामा राव ने लॉकहीड मार्टिन को राज्य में प्रस्तावित विश्व स्तरीय एयरोस्पेस विश्वविद्यालय परियोजना के साथ हाथ मिलाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने टी-हब और अन्य संस्थानों में कॉर्पोरेट नवाचार कार्यक्रमों के माध्यम से स्टार्टअप जुड़ाव की संभावना पर भी प्रकाश डाला। लॉकहीड मार्टिन प्रतिनिधिमंडल में विलियम ब्लेयर (वीपी और मुख्य कार्यकारी भारत), कर्टिस जोन्स (प्रोग्राम मैनेजर, सी-130जे), किरण डंबला (टाटा लॉकहीड मार्टिन सीओओ), मसूद हुसैनी (टीएएसएल एयरोस्ट्रक्चर हेड), और गणेश राघवन (हेड बीडी, टीएएसएल) का हिस्सा रहे। बैठक में उद्योग प्रमुख सचिव जयेश रंजन और तेलंगाना एयरोस्पेस और रक्षा और निदेशक प्रवीण पीए ने भाग लिया।

पेट दर्द से परेशान 25 वर्षीया महिला ने दे दी जान

मंचेरियल, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर मंडल के सुंदरशाला गांव में सोमवार को पेट दर्द सहन नहीं कर पाने के कारण 25 वर्षीय एक महिला की कथित रूप से आत्महत्या कर ली गयी। चेन्नूर के सब-इंस्पेक्टर चंद्रशेखर ने कहा कि सुंदरशाला की रहने वाली अक्कला सुष्मिता ने पेटदर्द से परेशान होने के कारण कीटनाशक का सेवन किया। उसे मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाया गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वह तीन महीने से दर्द से पीड़ित थी और उसने डॉक्टर से सलाह ली थी लेकिन दर्द बना रहा। सुष्मिता के पिता लिंगैया ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

एटीएम केन्द्रों पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की चिल्कलगुड़ा पुलिस ने एटीएम से पैसा निकालने में धोखाधड़ी के एक आरोपी में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार वेस्ले चर्च लेन, चिल्कलगुड़ा के रहने वाले मोहम्मद सादिक ने चिल्कलगुड़ा को शिकायत देते हुए कहा कि बीते 25 अक्टूबर को एटीएम केंद्र से पैसे निकालने के लिए सीताफलमंडी में यूनियन बैंक एटीएम गया था। वह नकदी निकालने के लिए प्रक्रिया कर रहा था, सर्वर डाउन था और उस समय एक अज्ञात व्यक्ति ने मदद करने की कोशिश की। इसी दौरान मदद करने वाले ने शिकायतकर्ता का डेबिट कार्ड बदल दिया। इसी बीच शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी यूनियन बैंक पद्मरावनगर शाखा में गए और प्रिंट लेनदेन के लिए पासबुक दी। उन्होंने पाया कि 31 हजार रुपए किसी दूसरे निकाला था। चिल्कलगुड़ा पुलिस ने मामले के छानबीन के दौरान श्रमिक बनोतूराजू उर्फ राजू निवासी श्री राम बदराना कॉलोनी, महबूबाबाद को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एटीएम से निकाली गई धनराशि भी बरामद कर लिया। सहायक पुलिस आयुक्त, गोपालपुरम संभाग ने बताया कि आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आरोपी ने हैदराबाद शहर की सीमा में एसबीआई बैंक एटीएम, ज्यूपिटर वाइन सेंटर, मुशीराबाद पीएस, यूनियन बैंक एटीएम सेंटर बकारम, मुशीराबाद पीएस और पिस्ता हाउस एटीएम सेंटर के पास, चिकडपल्ली पीएस सीमा में कई घटनाओं को अंजाम दिया। वह चोरी की राशि अपने महंगे खर्च के लिए इस्तेमाल करता है, लेकिन उसके खिलाफ कोई शिकायतकर्ता पंजीकृत नहीं है।

प्रदर्शनी मैदान में गुरु नानकजी के विशाल दीवान का प्रकाश उत्सव आज

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 8 नवंबर, 2022 को पड़ने वाले गुरु नानक देवजी के 'प्रकाश उत्सव' जन्मदिन समारोह के रूप में 8 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक एक 'विशाल दीवान' (सामूहिक सभा) प्रदर्शनी मैदान, नामपल्ली रोड पर आयोजित की जाएगी। उत्सव को चिह्नित करने के लिए, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, गुरु नानक मार्ग, अशोक बाजार, अफजलगंज और गुरुद्वारा साहब सिकंदराबाद की प्रबंधक समितियों ने समारोह को सफल बनाने के लिए हाथ मिलाया है। प्रबंधक समिति जीएसएस अध्यक्ष एस बलदेव सिंह बग्गा, जीएसजीएसएस अध्यक्ष एस कुलदीप सिंह महासचिव एस जगमोहन सिंह सचिव एस गुरप्रीत सिंह गुलाटी और अन्य समिति के सदस्यों ने कहा कि इस कार्यक्रम को गुरबानी कीर्तन (पवित्र भजन) के पाठ द्वारा चिह्नित किया जाएगा।

जन समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए : तिरुपति राव

अपर जिला कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को सुना

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अपर जिला कलेक्टर तिरुपति राव ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। सोमवार को समाहरणालय के सभागार में जन सम्बोधन के भाग के रूप में जिला अपर कलेक्टर तिरुपति राव को विभिन्न मंडलों के लोगों से आवेदन प्राप्त हुए प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ने कहा कि लोगों को भरोसा है कि अगर उन्होंने आवेदन किया तो समस्या का जल्द समाधान हो जाएगा। वे प्रजावानी आते हैं और प्रजावाणी में शिकायत के रूप में अपनी समस्याएं देते हैं। संबंधित अधिकारी प्राप्त आवेदनों की जांच कर निराकरण करेंगे। आवेदनों पर विभागों को तत्काल कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी इस पर गौर करें और समाधान के लिए कदम उठाएं। प्रजावाणी के माध्यम से विभिन्न मुद्दों पर आज 55 आवेदन मिलें। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य ने भाग लिया।

बाइक चोरी करने वाले चार पहुंचे सलाखों के पीछे

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की तुकारमगेट पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इनमें दो नाबालिक आरोपी है। गिरफ्तार लोगों के पास से चोरी की 30 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार लोगों में मोहम्मद अवैस अली निवासी, इंदिरानगर, भोलकपुर मुशीराबाद, वितानला श्रीनिवास निवासी हनुमान रेजीडेंसी गांधीनगर तथा दो नाबालिग है। पुलिस के मुताबिक बीते 25 अक्टूबर को श्रीपुरी कॉलोनी, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद से एक बुलेट बाइक चोरी होने की शिकायत मिली। बाइक चोरी की शिकायत तुकारामगेट पुलिस में दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की छानबीन करने के बाद आज आरोपियों को चोरी की बाइक पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने विभिन्न स्थानों से 29 अपराधों में शामिल होना स्वीकार किया है। पुलिस ने चोरी की 30 बाइकों को बरामद किया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीजेपी ही टीआरएस का विकल्प : तरुण चुघ

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, तेलंगाना राज्य प्रभारी तरुण चुघ ने आज यहां कहा कि मुनुगोडु उपचुनाव के नतीजे भाजपा की नैतिक जीत साबित हुए एक महीने से अधिक समय तक 16 मंत्रियों और 80 से अधिक विधायकों को मैदान में उतारने के बावजूद, सीधे सीएमओ से इसकी निगरानी के बावजूद, आधिकारिक मशीनरी के बड़े पैमाने पर और अभूतपूर्व दुरुपयोग के बावजूद, टीआरएस मुनुगोडु में भाजपा के अभूतपूर्व उदय को रोक नहीं सकी।

उन्होंने कहा कि नतीजे बताते हैं कि राज्य में टीआरएस के लिए अकेले भाजपा और भाजपा ही एकमात्र विकल्प हैं। टीआर की जीत सिर्फ औपचारिक है, जबकि भाजपा की जीत नैतिक है। उन्होंने कहा, 2018 में महज 12,000 वोट हासिल करने से, भाजपा को 2022 में 86,000 से अधिक वोट मिले, जो स्पष्ट रूप से उस दिशा को दर्शाता है जिस दिशा में राज्य के लोग हैं। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी का पतन, जिसने 2018 में जीती एक सीट पर अपनी जमानत खो दी थी, इस बात को रेखांकित करती है कि भाजपा राज्य में टीआरएस का एकमात्र विकल्प है। मुनुगोडु उपचुनाव राज्य में भाजपा के लिए एक नैतिक बूस्टर साबित हुआ और भाजपा के कार्यकर्ता उस तरह के वोटों के लिए जश्न के मूड में हैं, जहां उसे पारंपरिक रूप से कमजोर माना जाता था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.